शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

बकरीद मुबारक

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित * * रांची, सोमवार 17 जून 2024 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ वर्ष : 2, अंक : 69 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ईवीएम पर फिर सियासी घमासान, चुनाव आयोग ने दी सफाई

सरकार और विपक्ष आमने-सामने, शिवसेना शिंदे गुट के प्रत्याशी की 48 वोटों से जीत पर उठ रहे सवाल

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

ईवीएम को लेकर फिर से विवाद खड़ा हो गया है. सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं. वहीं, मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद फिर ईवीएम की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है. ईवीएम पर टेस्ला के मालिक एलन मस्क व पूर्व मंत्री राजीव चंद्रशेखर आमने-सामने हैं.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहली बार ईवीएम को लेकर सवाल उठाया है. अखिलेश यादव ने भी ईवीएम को हटा कर आगे से चुनाव मत पत्रों से कराने की मांग की है. वहीं चुनाव आयोग ने प्रेस कांफ्रेंस करके सफाई दी है कि ईवीएम पूरी तरह सेफ है. उधर, मुंबई पुलिस ने रविवार को शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के साले के खिलाफ केस दर्ज किया है. मतगणना के दिन उस पर सेंटर में पाबंदी के बावजूद मोबाइल के इस्तेमाल का आरोप है. पुलिस ने मंगेश पांडिलकर को मोबाइल देने के आरोप में आयोग के कर्मी पर भी मामला दर्ज हुआ है. नॉर्थ पश्चिम सीट से रविंद्र वायकर रिकाउंटिंग के बाद मात्र 48 वोटों से चुनाव जीते थे, जिसको लेकर मतगणना के वक्त भी काफी विवाद हुआ था. आयोग ने सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंप दिए हैं.

ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स, किसी को भी जांच की इजाजत नहीं

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी पहली बार ईवीएम पर टिप्पणी की है. राहुल ने इसे ब्लैक बॉक्स बताया और कहा कि भारत जैसे देश में किसी को भी इसकी जांच करने की अनुमति नहीं है. राहुल ने एक्स पर पोस्ट में इसके जरिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए. उन्होंने अपनी पोस्ट में शिवसेना शिंदे गुट के रविंद्र वायकर से जुड़ी एक खबर भी शेयर की है. राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है. किसी को भी इनकी स्क्रूटनी करने की अनुमति नहीं है. हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं. जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की संभावना बढ़ जाती है. यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है.

मतपत्र से ही हो चुनाव: अखिलेश

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी कहा - आज जब विश्व के कई चुनावों में ईवीएम को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स इसमें हेराफेरी की बात कह रहे हैं, तो ईवीएम के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ़ करें.आगामी सभी चुनाव बैलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी मांग को हम फिर दोहराते हैं.

एलन मस्क ने भी उठाए ईवीएम पर सवाल

दुनिया के सबसे अमीर एलन मस्क भी इससे पहले ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं. उन्होंने एक्स पर लिखा-हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए. मनुष्यों या एआई द्वारा हैक होने का खतरा भले छोटा लगे, लेकिन यह अभी भी बहुत अधिक है. मस्क ने रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की पोस्ट शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए.

हमसे ट्यूटोरियल ले लीजिए, भारत में ऐसा नहीं है

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को ईवीएम को खत्म करने के एलन मस्क के बयान पर करारा जवाब दिया है. कहा कि सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर सच में बनाया जा सकता है. एलन मस्क का दावा बहुत ही बड़ा सामान्यीकरण है, जो सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर बनाने की संभावना की पहचान करने में असफल रहा. चंद्रशेखर ने कहा, यह व्यापक सामान्यीकरण स्टेटमेंट है कि कोई भी सिक्योर डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता. यह गलत है. मस्क की चिंताएं उन देशों पर लागू हो सकती हैं, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ मानक कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म का प्रयोग करके वोटिंग मशीनें बनाई जाती हैं. यह भारत पर लागू नहीं होती हैं. भारतीय ईवीएम कस्टम डिज़ाइन की जाती हैं. यह सुरक्षित और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से अलग है - कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ नहीं, वाईफाई, इंटरनेट नहीं. यानी कोई रास्ता नहीं है. फ़ैक्टरी प्रोग्राम किए गए नियंत्रक जिन्हें फिर से प्रोग्राम नहीं किया जा सकता है. राजीव ने सुरक्षित ईवीएम को ठीक से डिज़ाइन और बनाने के तरीके पर एक ट्यूटोरियल देने की भी पेशकश की. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक से डिज़ाइन और बनाया जा सकता है, जैसा कि भारत ने किया है. हमें एक ट्यूटोरियल देने में खुशी होगी एलन मस्क.

चुनाव आयोग ने हैकिंग के आरोपों को किया खारिज

महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने प्रेस वार्ता कर इस मुद्दे पर सफाई दी है. आयोग ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता. रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि जो खबर आई उस को लेकर कुछ ट्वीट आए. ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है. ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार ने गलत खबर चलाई है. ईवीएम स्टैंड एलोन सिस्टम है. खबर पूरी तरह से गलत है हमने पेपर पर 499 आईपीसी के तहत मानहानि का केस भी किया गया है. गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उसका खुद का था. पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं, यह आगे तय किया जाएगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

शाह ने की कश्मीर के हालात की समीक्षा

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को सफलता हासिल करने के लिए कश्मीर की तर्ज पर जम्मू संभाग में भी क्षेत्र प्रभुत्व और आतंकवाद की गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाने की नीति को लागू करने का रविवार को निर्देश दिया. कश्मीर में हुए आतंकी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में गृह मंत्री ने अधिकारियों को कई निर्देश दिए. शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की. -पेज 12 भी देखें

एनसीईआरटी कोर्स से हटा बाबरी का जिक्र

नयी दिल्ली। एनसीईआरटी की किताब से बाबरी मस्जिद से जुड़े जिक्र को हटा दिया गया है. बदलाव पर अब एनसीईआरटी प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है. एनसीईआरटी निदेशक दिनेश सकलानी ने रविवार को कहा कि विद्यालयों में इतिहास तथ्यों से अवगत कराने के लिए पढ़ाया जाता है, न कि इसे युद्ध का मैदान बनाने के लिए. पाठ्यपुस्तकों में संशोधन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, मैं प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करता हूं. -पेज 12 भी देखें

अगले महीने से नए आपराधिक कानून

कोलकाता। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि नए आपराधिक कानून लागू करने का फैसला लेने से पहले विचार विमर्श नहीं किया गया. नए आपराधिक कानून एक जुलाई से लागू किए जाएंगे. कहा कि नये कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास पहले से ही जारी है.

नरसिंह इस्पात में कामगारों की जिंदगी से खिलवाड़

नरसिंह इस्पात लिमिटेड कंपनी

एंबुलेंस और सुरक्षा उपकरण तो दूर, चिकित्सा सुविधा तक उपलब्ध नहीं

दो-तीन साल के अंतराल पर होती रहती है बड़ी दुर्घटना

दिलीप कुमार। चांडिल

चौका-कांड्रा सड़क पर चौका थाना क्षेत्र के पहाड़धार स्थित नरसिंह इस्पात लिमिटेड सरकार को तो नुकसान पहुंचा ही रहा है, अपने कामगारों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर नहीं है. मजदूरों की जिंदगी यहां अक्सर खतरे में आती रही है.

कंपनी परिसर में यहां के खतरनाक काम के अनुरूप किसी प्रकार की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है. यहां न तो एंबुलेंस की सुविधा है और न ही सुरक्षा उपकरण की. ऐसी स्थिति में दुर्घटना होने पर वाहन के इंतजार में घायल मजदूर तड़पते रहते हैं. मजदूरों ने बताया कि कंपनी परिसर में मेडिकल सुविधा की बात तो दूर, मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करायी जाती हैं. हर दो-तीन साल के के अंतराल पर कंपनी में बड़ी दुर्घटना होती रहती है, लेकिन कंपनी प्रबंधन इन दुर्घटनाओं से सबक लेकर कंपनी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराता, बल्कि मजदूरों को उनके हाल पर छोड़ देता है. कंपनी का ध्यान उत्पादन पर तो रहता है, लेकिन मजदूरों की सुरक्षा का ध्यान नहीं रहता है.

मजदूरों की जान से खिलवाड़ कर कंपनी प्रबंधन अपने फायदे के लिए उत्पादन पर फोकस करता है. मजदूर यदि सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग करते हैं, तो उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता, बल्कि उसे काम से हटाने की धमकी दी जाती है, जिससे मजदूर भी चुप्पी साध लेते हैं. मजदूरों की अनदेखी कर प्रबंधन सिर्फ अपना काम निकालता है और हादसा होने पर अपनी ऊंची पहुंच और रसूखदारों की सरपरस्ती से बच निकलता है.

ठेकेदार के कामगारों को नहीं मिलती कोई सुविधा

कई कामगारों ने बताया कि नरसिंह इस्पात में अबतक मजदूरों को सरकार के निर्देशानुसार न्यूनतम मजदूरी का भुगतान तक नहीं किया जाता है. ठेकेदार के कामगारों का शोषण किया जाता है. ऐसे कामगारों को न ईपीएफ की सुविधा मिलती है, न ईएसआईसी की. बगैर साप्ताहिक छुट्टी दिए काम लिया जाता है और ईएल और बोनस का लाभ भी नहीं दिया जाता है. यहां तक कि कामगारों को सुरक्षा उपकरण भी नहीं दिया जाता है. मजदूरों ने बताया कि ऐसे में अगर किसी मजदूर के साथ कारखाना परिसर में हादसा होता है, तो उसके इलाज की व्यवस्था भी प्रबंधन नहीं करता है. वैसे भी कामगारों को कंपनी का पहचान पत्र तक नहीं दिया जाता है.

कई बार कारखाने में हो चुके हैं हादसे

चौका-कांड्रा सड़क पर स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी में 2022 में कार्बन मोनो-ऑक्साइड गैस लीक हुआ था. उस दुर्घटना में तीन मजदूर मिथिलेश कुमार, अर्जुन प्रसाद और आनंद कुमार को बेहोशी की हालत में टाटा मुख्य अस्पताल में दाखिल कराया गया था. इसके पूर्व भी कंपनी में गैस रिसाव की घटना घटी थी, जिसमें 12 मजदूर झुलस गए थे. कंपनी में गैस लीक होने के कारण मजदूर की मौत भी हो चुकी है.

सीएम चंपाई सोरेन ने राजनगर में बांटी करोड़ों की योजनाएं, कहा

अब 200 यूनिट फ्री बिजली

बांटी सौगात

संवाददाता। रांची/आदित्यपुर

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि सत्ता में आने के साथ ही हमने 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी. अब इसमें संशोधन कर 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी. अगर किसी उपभोक्ता को गलत बिजली बिल मिला हो, तो उसे भी माफ किया जाएगा.

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि फिलहाल 50 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को पेंशन दी जा रही है. अब अगले महीने से 25 साल से 49 साल की महिलाओं को भी पेंशन दी जाएगी. सीएम रविवार को सरायकेला-खरसांवा के राजनगर में कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि शहीद ग्राम के सभी गरीब का परिवार मकान बनेगा. हमलोग एक आदर्श शहीद गांव बनाएंगे.

भाजपा ने झूठ बोल कर राजनीति की : सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी सरकार को भाजपा ने कभी स्थिर नहीं रहने दिया. वेबजह झूठा आरोप को लेकर सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया. लेकिन हमारा गठबंधन मजबूत है. युवा मुख्यमंत्री को वो लोग झूठा आरोप में जेल पहुंचा दिया. झारखंड अलग हुए 24 साल हो गया. भाजपा ने लंबा समय राज किया है. लेकिन न ही यहां के आदिवासी के लिए सोचा ना मूलवासी के लिए, सिर्फ झूठ बोलकर राजनीति किया किया.

राशन कार्ड लाभुकों की संख्या 25 लाख करेंगे : सीएम ने कहा कि चुनाव में हमलोग चुनाव में दो तीन महीना व्यस्त थे. चुनाव खत्म होते ही हम फिर से विकास को गति देने में लग गये हैं. अबुआ आवास फिर मिलेगा. किसी तरह के चयन में गड़बड़ी नहीं हो इसके लिए भी हमने तैयारी कर ली है.

बिचौलिए बीच में आए तो किसी को बख्सा नही जाएगा. अबुआ आवास में तीन कमरा के साथ अटैच बाथरूम रहेगा, ताकि उसमें पानी की भी सुविधा रहे. हमलोग हर विद्यार्थी को पढ़ाने के लिए हर तरह का मदद करेंगे. भाजपा ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिया था. और हमारी सरकार बनी तो 20 लाख लोगों को हमने राशन कार्ड दिया, अब इसे बढ़ाकर 25 लाख करेंगे. सीएम ने मौके पर करोड़ों की सौगात भी बांटी. इस दौरान कोल्हान के आयुक्त, जिला उपायुक्त, एसपी व तमाम स्थानीय लोग मौजूद रहे.

सीएम चंपाई सोरेन, सत्यानंद भोक्ता और दीपक बिरुआ.

बोले सीएम

- जिस उपभोक्ता को गलत बिल मिला हो, उसे माफ कर देंगे
- **अब 25 से 49 साल की महिलाओं को अगले महीने से देंगे पेंशन**
- अबुआ आवास में गड़बड़ी करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा
- **जुलाई से फिर शुरू होगा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम**

हर कंपनी में अब 75 फीसदी स्थानीय को देनी होगी नौकरी

सीएम ने कहा कि कंपनी में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को नौकरी देना होगा. ये हमलोग सख्ती से लागू करवाएंगे. आदिवासी धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण हो रहा है. मूलवासी के धार्मिक स्थलों की भी हमलोग सुरक्षा करेंगे. हमारी सरकार झारखंड की जनता की दुख समझती है. इसलिए जुलाई से फिर हमलोग सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे. राज्य की हर जिला पंचायत में ऐसी व्यवस्था होगी, ताकि आपको 24 घंटे स्वास्थ्य लाभ मिल सके. झारखंड को सुधारने के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गई है. हम देश में आदर्श राज्य बनाने में एक दिन सफल होंगे.

घंटी आधारित शिक्षकों की बहाली

कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि 30 जून तक राज्य में क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए घंटी आधारित शिक्षकों की बहाली भी प्रारंभ होने वाली है. 30 जून के बाद आवेदन लिए जाएंगे. मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि झारखंड में श्रम विभाग द्वारा 20 हजार नई वैकेंसी निकली जा रही है, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ते हुए रोजगार प्रदान किया जाएगा.

नीट विवाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का यू टर्न- अब एनटीए की ही लगा दी क्लास

गड़बड़ी करने वालों को छोड़ेंगे नहीं, तय करेंगे जवाबदेही

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

नीट यूजी 2024 के रिजल्ट में धांधली के आरोपों के बीच रविवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनटीए को भी निशाने पर लिया है. उन्होंने कहा, नीट मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा. बच्चों के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. धर्मेंद्र प्रधान का यह यू टर्न ऐसे समय में आया है, जब छात्र आंदोलित हैं और विपक्ष भी इसका जोरदार विरोध कर रहा है. विपक्ष ने तो यहां तक कहा है कि वह संसद सत्र के दौरान इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा.

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनटीए पर भी नराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एनटीए में भी अगर कोई दोषी होगा तो उसे भी नहीं छोडेंगे. नीट यूजी एग्जाम में इस बार 24 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे. यह परीक्षा कई अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विवाद से घिर गई. इस एग्जाम में धांधली के लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, नीट के संबंध में दो प्रकार की अव्यवस्था का विषय सामने आया है. प्रारंभिक जानकारी थी कि कुछ छात्रों को कम समय मिलने के कारण उनको ग्रेस नंबर दिए गए...दूसरा दो जगहों पर कुछ गड़बड़ियां सामने आई हैं. मैं छात्रो और अभिभावकों को आश्वस्त करता हूं कि इसे भी सरकार ने गंभीरता के साथ लिया है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री एनटीए को लेकर कहा, हमें जानकारी मिली है, हम सारे विषयों को एक निर्णायक स्थिति तक ले जाएंगे. उसमें जो भी बड़े अधिकारी होंगे, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा.

एनटीए में सुधार की जरूरत: मंत्री ने कहा कि एनटीए में बहुत सुधार की आवश्यकता है. सरकार इस पर चिंता कर रही है, किसी गुनहगार को छोड़ा नहीं जाएगा उनको कठोर से कठोर दंड मिलेगा.

देश भर में छात्र आंदोलित : नीट परीक्षा परिणाम में धांधली को ले देशभर में छात्र और अभिभावक एनटीए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. दिल्ली यूनिवर्सिटी और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी जैसे बड़े शिक्षण संस्थानों के छात्र संगठन एनएसयूआई, आइसा, एसएफआई और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी छात्रों के साथ जमकर आवाज उठा रहे हैं. उधर, बिहार के पटना-नालंदा और गुजरात के गोधरा में नीट पेपर लीक की ओर संकेत करने वाले कई सबूत मिले हैं, गिफ्तारियां हो रही हैं. बिहार में पकड़े गए कई आरोपियों ने ईओयू की पूछताछ में पेपर लीक और सांठगांठ की बात कबूल की है. अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भी नीट में गड़बड़ियों की बात मानी है. उन्होंने आगे कहा कि जानकारी हमें मिली है, हम सारे विषयों को एक निर्णायक स्थिति तक ले जाएंगे.

सभी बच्चों के साथ न्याय होगा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि परीक्षा में शामिल सभी बच्चों के साथ न्याय किया जाएगा. यह स्वाभाविक है, उनके मन में जो भी शंकाएं आती हैं, कुछ मुद्दे मन में आए कि केंद्र में कुछ अनियमितताएं देखी गईं, ग्रेस मार्क्स के लिए समय की कमी के कारण, ग्रेस मार्क्स देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्मूले में कुछ आपत्तियां उठाई गईं, उसे भी ठीक कर दिया गया है.

लोस स्पीकर पद पर दांव-पेंच शुरू

जदयू तैयार, टीडीपी का रुख साफ नहीं, भाजपा ने बनाई रणनीति

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा स्पीकर का चुनाव 26 जून को होना है. ऐसे में अभी से स्पीकर पद को लेकर एनडीए और इंडिया अलायंस में शामिल दलों के बीच जुबानी हमले तेज हो गए हैं. इस बीच, रविवार को राजनाथ सिंह के आवास पर बैठक करके भाजपा नेताओं ने फूलप्रूफ रणनीति बनाई. हालांकि इस मुद्दे पर अभी कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है. वहीं, विपक्ष ने टीडीपी को स्पीकर के पद पर समर्थन देने की बात कही है, तो जदयू ने इरादे साफ कर दिए हैं. जदयू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा, कांग्रेस जो कर रही, वह ध्यान भटकाने वाला है, यह गलत है. क्योंकि परंपरा यह है कि सत्तारूढ़ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी ही स्पीकर के बारे में फैसला लेती है. भाजपा जो भी फैसला लेगी, हम समर्थन करेंगे. वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने कहा कि स्पीकर पद पर अगर टीडीपी प्रत्याशी उतारती है, तो गठबंधन उनके लिए समर्थन जुटाने का काम करेगा.

स्पीकर पद पर क्या है टीडीपी का रुख : लोकसभा स्पीकर पर टीडीपी ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से स्पीकर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा किया जाना चाहिए. टीडीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पट्टाभि राम कोमारेड्डी ने कहा, एनडीए के सहयोगी स्पीकर पद के चुनाव को लेकर एक साथ बैठेंगे और तय करेंगे कि स्पीकर के लिए उम्मीदवार कौन होगा. आम सहमति बन जाने के बाद हम उस उम्मीदवार को मैदान में उतारेंगे और टीडीपी समेत सभी सहयोगी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे. हालांकि टीडीपी का मानना है कि लोकसभा स्पीकर का पद उसे दिया जाएगा. क्योंकि इससे पहले भी एनडीए की सरकार में टीडीपी नेता जीएमसी बालयोगी को स्पीकर बनाया गया था.

क्यों महत्वपूर्ण है भाजपा के लिए स्पीकर पद

अब जबकि टीडीपी ने स्पीकर की कुर्सी पर अपना दावा पेश करने के विकल्प को खारिज नहीं किया है. ऐसे में जदयू के रुख से भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है. भाजपा सूत्रों की मानें तो पार्टी स्पीकर का पद अपने उम्मीदवार के लिए रखना चाहती है और उसने इस बारे में अपने सहयोगियों से बात भी कर ली है, क्योंकि 1999 में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में थी और उस दौरान सरकार को विश्वास मत से गुजरना पड़ा था, जो वह संसद में नहीं जीत पाई. उस समय टीडीपी सांसद जीएमसी बालयोगी स्पीकर थे.

लाला हत्याकांड के बाद से फरार है आशीष, पिछले डेढ़ साल के दौरान झारखंड पुलिस ने अमन सिंह गैंग के 13 अपराधियों को गिरफ्तार किया है

गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या कराने के बाद आशीष ने संभाली गिरोह की कमान

संवाददाता। रांची

धनबाद के कुख्यात गैंगस्टर अमन सिंह की तीन दिसंबर 2023 को जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. उस पर सात गोलियां दागी गयी थीं. उसकी हत्या की जिम्मेदारी उसके पुराने गुर्गे धनबाद के हीरापुर जेसी मल्लिक रोड के रहने वाले आशीष रंजन उर्फ छोटू ने ली थी. जो किसी जमाने में अमन को अपना बड़ा भाई मानता था. अमन सिंह की हत्या कराने के बाद आशीष रंजन खुद अमन सिंह गिरोह का सुप्रीमो बन गया है. झारखंड पुलिस आशीष रंजन की तलाश में जुटी है. लेकिन वो कहां है, इसकी जानकारी जुटाने में झारखंड पुलिस सफल नहीं हो पायी है. पिछले डेढ़ साल के दौरान झारखंड पुलिस ने अमन सिंह गैंग के 13 अपराधियों को गिरफ्तार भी किया है. लेकिन फिर भी आशीष रंजन का पता नहीं चल पाया.

अमन के हर कांड में आता था छोटू का नाम

डॉ. समीर कुमार से रंगदारी, किया शोरूम में बमबाजी सहित अमन के इशारे में सभी अपराध का जब भी इंटरनेट मीडिया पर कबूलनामा आता, तो उसमें आशीष रंजन उर्फ छोटू का नाम आता था. हालांकि इस मामले में पुलिस ने कई बार खुलासा किया कि छोटू का नाम सिर्फ अपराध करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन वह किसी अपराध में रहता नहीं था. इसके बावजूद आशीष रंजन को पुलिस गिरफ्तार करने में असफल रही है.

अमन को आशीष कभी मानता था बड़ा भाई

अमन सिंह की हत्या के बाद आशीष ने हत्या की जिम्मेवारी ली थी. उसने कहा था कि वह उसे बड़ा भाई मानता था. मगर कुछ पैसे के लिए उसने उसकी हत्या करने की ठानी थी. इसलिए उसे मरवा दिया. उसने बताया था कि जेल में उसने ही हथियार पहुंचाया. जिस आदमी ने अमन की हत्या की, वह उसका ही नाम लेगा. आशीष ने कहा था कि उसे धनबाद के व्यापारियों से कोई मतलब नहीं है, मगर कोयले के व्यापार में वह रहेगा.

आशीष का नाम पहली बार वीर कुंवर सिंह कॉलोनी के जमीन कारोबारी समीर मंडल हत्याकांड में सामने आया था. इसमें आशीष के साथ पार्टनर सतीश साव उर्फ गांधी भी था. जो इन दिनों धनबाद जेल में बंद है. इस हत्या के बाद आशीष की गिरफ्तारी हुई थी. हालांकि वह बेल पर बाहर आ गया था. इसके बाद 12 मई 2021 को वासेपुर के जमीन कारोबारी लाला खान की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. इसमें अमन सिंह के साथ आशीष रंजन और वासेपुर के मिस्टर खान का नाम आया था. पुलिस इस कांड में आशीष रंजन उर्फ छोटू की तलाश कर ही रही थी कि इस बीच कतरास निवासी पुलिस मुखबिर नीरज तिवारी की हत्या गोली मारकर दी गयी. इस कांड में रौनक व रोहित गुप्ता के अलावा आशीष रंजन का भी नाम आया था. तब से वह फरार है.

ब्रीफ खबरें

झारखंड के पार्थ सिंह ने 100 मी दौड़ में जीता स्वर्ण

रांची। 19 वी राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड के पार्थ सिंह ने 100 मीटर दौड़ में नेशनल मीट रिकॉर्ड के बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता. भारतीय एथलेटिक्स संघ एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 17 जून तक प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर में हो रहा है. बालिका जेवलिन थ्रो में जामताड़ा की सविता मुर्मू ने 41.09 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पंजाब की नवनीत कौर एवम रजत राजस्थान की नीलम चौधरी ने जीता.

शपथ के साथ स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत

रांची। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सीएमपीडीआई 16 से 30 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा माना रही है. इसी कड़ी में रविवार को सीएमपीडीआई के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज कुमार ने कर्मियों को शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत की. मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक/डायरेक्टर (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी और क्षेत्रीय संस्थान-3 के क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती, मुख्यालय व क्षेत्रीय संस्थान-3 के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे. सीएमपीडीआई में इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने के लिए जागरूकता अभियान चलेगा.

लोआपा के प्रधान महासचिव बने अजहर

रांची। लोकहित अधिकार पार्टी झारखंड प्रदेश के प्रधान महासिचव मो अजहर आलम बने. इसके लिये उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष रौशनलाल गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री सतीश गांधी, प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू का आभार प्रकट किया है. उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगा, पार्टी को नई ऊंचाई पर ले जाने की पूरी कोशिश करूंगा. प्रधान महासचिव बनने पर हरिनाथ साहू, कुंज बिहारी साहू, ब्रजकिशोर, मो कय्यूम अंसारी, सफीक अंसारी, इमरान खान, शशिकांत ठाकुर, दिलीप उरांव आदि ने बधाई दी.

दक्षिणी छोटानागपुर में सबसे अधिक होती है धान की उपज

झारखंड में धान की उत्पादकता बढ़ कर 3075 किग्रा प्रति हेक्टेयर हुई

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में धान का उत्पादकता बढ़कर 3075 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गयी है. कुल 11,54,055 हेक्टेयर भूमि पर धान की बुआई की जाती है. इसमें 35,49,006 मीट्रिक धन की उपज होती है. वहीं कोल्हान प्रमंडल में सबसे कम धान की उत्पादकता है. इस प्रमंडल में 2710 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर धान की उपज होती है. कुल 2,44,845 हेक्टेयर में धान की बुआई की जाती है,जिसमें 6,63,419 मीट्रिक टन धान की उपज होती है.

उत्तरी छोटानागपुर में सबसे अधिक उत्पादकता : उत्तरी छोटानागपुर में धान की उत्पादकता सबसे अधिक है. इस प्रमंडल में 3333 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर धान की उपज होती है. कुल 1,81,859 हेक्टेयर में धान की बुआई की जाती है, जिसमें 6,05,235 मिट्रिक टन धान की उपज होती है. इसके बाद संताल परगना प्रमंडल में 3330 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर धान की उपज होती है. इस प्रमंडल में 2,64,652 हेक्टेयर में धान की खेती की जाती है, जिसमें 8,81,222 मीट्रिक टन धान की उपज होती है.

कोल्हान प्रमंडल में सबसे कम 2710 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता

दक्षिणी छोटानागपुर में 1,05,23,893 मीट्रिक टन धान की उपज

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में सबसे अधिक 1,05,23,893 मीट्रिक टन धान की उपज होती है. इस प्रमंडल में 3,49,123 हेक्टेयर भूमि में धान की बुआई की जाती है. यहां 3014 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर धान की उत्पादकता है. वहीं पलामू प्रमंडल में 1,13,576 हेक्टेयर भूमि पर धान की खेती की जाती है. इस प्रमंडल में धान की उत्पादकता 3053 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है. यहां 3,46,741 मीट्रिक टन धान की उपज होती है.

राज्य में आलू का उत्पादन 1,47,973 मीट्रिक टन

झारखंड में आलू का उत्पादन1,47,973 मिट्रिक टन है. आलू की खेती 22,778 हेक्टेयर भूमि पर की जाती है. ओवरऑल आलू की उत्पादकता 6,496 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इसमें सबसे अधिक आलू का उत्पादन उत्तरी छोटानागपुर में होता है. इस प्रमंडल में 53,311 मीट्रिक टन आलू का उत्पादन होता है। कुल 8,187 हेक्टेयर भूमि पर आलू की खेती की जाती है. यहां 6,512 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उत्पादकता है. संथाल परगना में 2,710 हेक्टेयर भूमि पर आलू की खेती की जाती है, जिसमें 5,932 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर आलू की उत्पादकता है. कुल 16,129 मीट्रिक टन आलू का उत्पादन होता है.

पलामू में प्रति हेक्टेयर 5,810 किलोग्राम आलू की उत्पादकता

पलामू प्रमंडल में आलू की उत्पादकता 5,810 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है. इस प्रमंडल में 4,363 हेक्टेयर भूमि पर आलू की खेती की जाती है, जिसमें 25,348 मीट्रिक टन आलू का उत्पादन होता है. दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में कुल 7,498 हेक्टेयर में आलू की खेती की जाती है, जिसमें 53,139 मीट्रिक टन आलू का उत्पादन होता है. इस प्रमंडल में आलू की उत्पादकता 7,087 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है. कोल्हान प्रमंडल में सिर्फ 45 मीट्रिक टन आलू का उत्पादन होता है. यहां 11 हेक्टेयर में ही आलू की खेती की जाती है. उत्पादकता 4,120 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है.

किस प्रमंडल में टमाटर का कितना उत्पादन होता है

संताल परगना
- 525 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 4101 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 2153 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

पलामू
- 1881 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 5900 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 11095 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

उत्तरी छोटानागपुर
- 1956 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 6038 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 11810 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

दक्षिणी छोटानागपुर
- 3572 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 7373 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 26338 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

राज्य में ओवरऑल कितना होता है टमाटर का उत्पादन
- 8892 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 6237 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 55459 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

कोल्हान प्रमंडल
- 958 हेक्टेयर में होती है टमाटर की खेती
- 4238 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है उत्पादकता
- 4060 मीट्रिक टन होता है उत्पादन

लोस चुनाव : हार के कारणों की पड़ताल करेगी कांग्रेस

- चुनाव परिणाम की समीक्षा के बाद जुटेगी विधानसभा की तैयारी में

रवि भारती। रांची

लोकसभा चुनाव में परिणामों की समीक्षा में प्रदेश कांग्रेस के हार के कारणों की पड़ताल करेगी. इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटेगी. रविवार को लोकसभा चुनाव के परिणामों की समीक्षा के लिए गठित चुनाव परिणाम समीक्षा समिति की बैठक अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समिति के सदस्य प्रदीप तुलस्यान, भीम कुमार और सुल्तान अहमद भी मौजूद रहे. समिति 20 जून को गोड्डा, 21 जून को धनबाद, 22 जून को हजारीबाग, 23 जून को चतरा एवं 24 जून को रांची लोकसभा क्षेत्र में चुनाव परिणाम की समीक्षा करेगी.

तैयार किया गया है खाका : बैठक में प्रदीप कुमार बालमुचु सहित सभी सदस्यों ने आपस में विचार कर जमीनी स्तर पर लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा के लिए पूरा खाका तैयार किया गया है. बलमुचु ने कहा कि कांग्रेस ने सात सीटों पर अपने उम्मीदवार गठबंधन के तहत उतारे थे. इसमें हमें सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली बाकी पांच सीटों पर हार के कारणों की पड़ताल जरूरी है. झारखंड महागठबंधन की सरकार के द्वारा जनहित में किए गए कार्य और मोदी सरकार की विफलता, केंद्र सरकार द्वारा किसानो, महिला युवा और अन्य वर्गों के खिलाफ निर्णय लेने के बावजूद हार मिलना आगामी विस चुनाव में संगठन को और बेहतर करने की ओर प्रेरित करता है. अभी भी समय है कि हम समस्याओं की तहत में जाकर संगठन की जमीनी हकीकत से रूबरू हो ताकि विस चुनाव तक संगठन को मजबूत कर सकेंगे.

जवाबदेह नेताओं के काम की होगी समीक्षा

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि संगठन एवं विभाग, वरिष्ठ एवं महत्वपूर्ण कांग्रेसजनों से जानकारी लेंगे कि चुनाव के दौरान किस प्रकार की चूक हुई है. जवाबदेह जिम्मेदार नेताओं ने किस हद तक अपने कार्यों का निर्वहन किया, सहयोगी दलों के साथ समन्वय की स्थिति सहित सभी पहलुओं की जानकारी ली जाएगी. प्रथम चरण में समिति गोड्डा, धनबाद, हजारीबाग,चतरा, रांची लोकसभा का दौरा करेगी. इस क्रम में लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक जिला मुख्यालय में समिति के सदस्य लोकसभा प्रत्याशी संबंधित लोकसभा क्षेत्र के जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पदाधिकारी, लोकसभा प्रभारी से भी जानकारी ली जाएगी.

झारखंड पुलिस ने 150 दिनों में 32708 वारंट निष्पादित किये

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस ने 150 (01 जनवरी से 31 मई) दिनों में 32708 वारंट निष्पादित किये हैं. लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस ने बड़े पैमाने पर वारंट के निष्पादन को लेकर अभियान चलाया था. वर्तमान में झारखंड में अब 5005 वारंट लंबित है. वहीं कुर्की जब्ती की बात की जाये तो झारखंड पुलिस ने इन 150 दिनों में कुर्की जब्ती से जुड़े 2057 मामलों का निष्पादन किया. वहीं वर्तमान में कुर्की जब्ती के 327 मामले लंबित हैं.

जानें किस जिले में कितने वारंटों का हुआ निष्पादन

रांची	4752	चतरा	920
खूंटी	114	गिरिडीह	1239
गुमला	342	धनबाद	3753
सिमडेगा	25	बोकारो	708
लोहरदगा	282	दुमका	870
चाईबासा	1846	गोड्डा	617
सरायकेला	1387	जामताड़ा	227
जमशेदपुर	1395	देवघर	1735
पलामू	1626	साहिबगंज	2643
लातेहार	699	पाकुड़	1440
गढ़वा	884	रेल धनबाद	23
हजारीबाग	4094	रेल जमशेदपुर	20
रामगढ़	711	कुल	32708
कोडरमा	356		

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने की फॉरेंसिक जांच की मांग

समीर मोहंती की वायरल चिट्ठी से सियासी हलचल

प्रमुख संवाददाता। रांची

झामुमो विधायक समीर मोहंती की वायरल चिट्ठी से सियासी हलचल मच गई है. इसपर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फॉरेंसिक जांच की मांग की है. बाबूलाल ने कहा कि इस मामले की जांच चुनाव आयोग को करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि चुनाव में 95 लाख तक ही प्रत्याशी खर्च कर सकते हैं. इतनी बड़ी रकम बांटने का काम झामुमो और कांग्रेस द्वारा किया जा रहा है.

झामुमो विधायक समीर मोहंती ने कांग्रेस नेता के ऊपर चुनाव बूथ प्रबंधन का पैसा गबन करने का आरोप लगाया है. वहीं वायरल हो रही चिट्ठी को समीर मोहंती ने फर्जी बताया है और आरोपों से इंकार कर दिया है. साथ ही इस पूरे प्रकरण से समीर मोहंती ने अपना पलड़ा झाड़ लिया है.

क्या है पूरा मामला

दरअसल समीर मोहंती का एक पत्र वायरल हो रहा है, जिसमें लोकसभा चुनाव में जमशेदुपर से झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया है. हर बूथ में 6 हजार रुपये देने जाने थे, लेकिन 4 हजार रुपये ही दिए गए. यह मामला और भी पुख्ता हो जाता है क्योंकि लेटर हेड में समीर मोहंती का नाम है. पत्र में उनका हस्ताक्षर और मुहर है. समीर मोहंती फिलहाल बहरागोड़ा के विधायक हैं. लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे थे. लेकिन उन्हें बीजेपी के विद्युत वरण महतो ने भारी अंतर से पराजित किया था.

जयपाल सिंह स्टेडियम में सेपक टेकरा प्रशिक्षण केंद्र का उदघाटन

रांची। जयपाल सिंह स्टेडियम में रविवार को सेपक टेकरा प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत उद्‌घाटन किया गया. इस केंद्र का उद्‌घाटन विद्युत विभाग के सेवानिवृत सचिव मिथलेश साहू ने नारियल फोड़ कर किया. इस दौरान उपस्थित खिलाड़ियों ने सेपक टेकरा खेल का प्रदर्शन भी किया. इस अवसर रांची जिला सेपक टकरा एसोसिएशन और राज्य सेपक टकरा एसोसिएशन के पदाधिकारी चंचल भट्टाचार्य, शैलेन्द्र कुमार, शिवेंद्र दुबे, राज्य सेपक टकरा के कोच अमरेंद्र दत्त द्विवेदी आदि मौजूद रहे.

जनसभा राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में राज्यभर की घरेलू कामगार महिलाएं हुईं शामिल

घरेलू कामगारों के लिए राज्यस्तरीय कानून बनाने की उठी मांग

बसंत मुंडा। रांची

महिलाओं पर आज चौतरफा हमला हो रहा है. घरेलू कामगारों के प्रति भी हिंसा बढ़ रही है. इसके लिए एजेंसी और एनजीओ में निबंधन कराना चाहिए, ताकि घरेलू कामगारों पर हो रहे अत्याचार को रोका जा सके. ये बातें रविवार को राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कही. उन्होंने सभी घरेलू महिलाओं को एकजुट होने के लिए कहा. आज भी पंजाब, मुंबई, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात जैसे बड़े शहरों में घरेलू महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं. कार्यक्रम राष्ट्रीय घरेलू कामगार संगठन के बैनर तले पुरूलिया रोड स्थित एसडीसी सभागार मे जनसभा आयोजित की गयी थी, जिसमें सिस्टर अंशु, रीना किस्पोट्टा, रेणुका केरकेट्टा, एलिस पूर्ति, रोहित लिंडा, आशा तिर्की, अंशु केरकेट्टा, अनीशा लकड़ा, मनीषा एक्का, मंजिता तिर्की, किरण मिंज, अंजली गुप्ता, अतुल भुइयां, अनूप होरो शामिल थे.

घरेलू कामगार के क्षेत्र में डेटा उपलब्ध नहीं है : सिस्टर अंशु

संयोजक सिस्टर अंशु वर्ष 2011 में भारत सरकार ने जेनेवा में कन्वेंशन 189 मंजूरी दी थी. इसमें यह स्वीकार किया गया था कि घरेलू कामगारों अन्य श्रमिकों की तरह है और उनके अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता है.11 वर्षों से उनकी हक अधिकार की मांग कर रहे हैं. बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष घरेलू कार्यों में संलग्न है. यह संख्या लगातार बढ़ रही है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नौकरियां दुर्लभ हो गई हैं. इसलिए श्रमिकों को उनके वेतन और सामाजिक सुरक्षा का उचित हिस्सा मिले. भारत में आज तक इस क्षेत्र में कोई डेटा उपलब्ध नहीं है. भारत सरकार ने नई श्रम संहिताएं लागू की है. उनमें इन श्रमिकों को भुला दिया गया है. उन्हें व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा संहिता से हटा दिया गया है.

घरेलू कामगारों के साथ होता है भेदभाव : सम्मेलन में आने वाली महिलाओं ने कहा कि काम के हिसाब से पैसा नहीं मिलता है. घर, क्वार्टर, फ्लैट, फैक्ट्री, स्कूल, कॉलेज में झाड़ू पोछा, बर्तन धोने का काम करती हैं. घर का सारा काम करते है. लेकिन घरेलू काम करने वाली महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता है. उनके साथ गलत व्यवहार होता है. महीने में सिर्फ दो हजार रुपये से ढाई हजार रुपये दिये जाते हैं. उचित मानदेय नहीं मिलता है. सप्ताह में छुट्टी नहीं दी जाती है. साल में बोनस भी नहीं मिलता है. जरूरत के समय पर पैसा मांगने पर काम छुड़वाने की धमकी भी दी जाती है.

ये मांगें रखी गईं

- घरेलू कामगारों को शेड्यूल करें और उन्हें न्यूनतम मजदूरी दी जाए.
- नियोक्ता के घर को कार्यस्थल घोषित किया जाए.
- घरेलू कामगारों को ईएसआई और पीएफ में शामिल किया जाए.
- घरेलू कामगारों के लिए शहरों में आवास उपलब्ध कराया जाए..
- घरेलू कामगारों के लिए राज्य स्तरीय कानून बनाया जाए.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, सोमवार 17 जून 2024 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 69 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

मानगो से चोरी की गई कार से साथ दो धराये

जमशेदपुर । मानगो थाना क्षेत्र से सूमो कार की चोरी कर भागने के क्रम में गिरिडीह पुलिस ने शहर के दो बदमाशों को दबोच लिया. पुलिस के हत्थे मानगो का सफीक अली और उलीडीह का राशिद हुसैन हाथ आया है. पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों के खिलाफ कई थानों में लूट और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं.

नीड बेस्ड शिक्षकों को जल्द भुगतान करे केयू : कुमार

जमशेदपुर । अखिल विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जमशेदपुर महानगर सह मंत्री अभिषेक कुमार ने कोल्हान विश्वविद्यालय से यह मांग की है कि नीड बेस्ड शिक्षकों को अविलंब वेतन भुगतान किया जाए. साथ ही सेवा समाप्ति का विचार वापस लिया जाए. विश्विद्यालय प्रशासन इस जल्द ठोस कदम नहीं लेता तो अभाविप आंदोलन के लिए बाध्य होगी.

टाटानगर स्टेशन में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

जमशेदपुर । टाटानगर स्टेशन परिसर के प्लेटफॉर्म नंबर एक स्थित फुट ओवर ब्रिज के पास रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला. शव मिलने की सूचना स्टेशन प्रबंधक को दी गई. सूचना पाकर टाटानगर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

बागबेड़ा में राजनगर के व्यक्ति के साथ मारपीट

जमशेदपुर । बागबेड़ा थाना अंतर्गत लाल बिल्डिंग के पास राजनगर के कुनाबेड़ा निवासी बुढ़ान मार्डी के साथ बाइक सवार युवकों ने मारपीट की. घटना शनिवार शाम की है. घटना के बाद बुढ़ान मार्डी ने बागबेड़ा थाना में अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. बुढ़ान ने बताया कि वह शाम को अपने घर जा रहा था तभी मारपीट की गई.

सेल गुआ खदान में तीनों पालियों में उत्पादन ठप

किरीबुरु ।सेल की गुआ लौह अयस्क खदान की तीनों पाली में रविवार को उत्पादन पूरी तरह से ठप रहा. यह पहली बार हुआ है कि उत्पादन किसी आंदोलन की वजह से ठप नहीं हुआ है, बल्कि इसका मुख्य वजह रोजो पर्व है. पर्व के कारण ऑपरेटर ड्यूटी नहीं गये. इस वजह से प्रबंधन को उत्पादन बंद करना पडा.

बॉम्बे रोड गुरुद्वारा में लगी छबील, संगत ने भरी हाजिरी

जमशेदपुर । एनएच-32 में घाटशिला रोड स्थित नरगा गुरुद्वारा (बॉम्बे रोड गुरुद्वारा) में बाबा जोगा सिंह की अध्यक्षता में छबील का आयोजन किया गया. श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिहाड़े को समर्पित इस आयोजन में जमशेदपुर के अलावा घाटशिला क्षेत्र की संगत ने हुमहुमा के हजरियां भरी और गुरु घर की खुशियां प्राप्त की.

कांग्रेस ने राहगीरों के बीच किया शर्बत का वितरण

घाटशिला ।क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए रविवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता तापस चटर्जी के निर्देश पर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष कन्हैया शर्मा के नेतृत्व में रविवार को घाटशिला मुख्य सड़क पर धर्मशाला के समीप राहगीरों के बीच शर्बत का वितरण किया गया. सैकड़ों लोगों को शीतल पेयजल पिलाया गया.

प्रियंका की पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

आदित्यपुर । आदित्यपुर की सामाजिक संस्था भाग्य दर्पण वेलफेयर सोसाइटी की ओर से संस्था की संस्थापक स्व. प्रियंका की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के साथ ही अंत्योदय आश्रम बिष्टुपुर में लोगों को भोजन कराया गया. आरोप है कि डॉक्टर की गलत इलाज की वजह से प्रियंका की मौत हो गई थी. इसका मामला अब भी न्यायालय में लंबित है.

जमशेदपुर में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने किया 221.73 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

शहर व गांव के बीच खाई पाटने का काम कर रही सरकार : चंपाई

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार शहर एवं गांव की खाई को पाटने का काम कर रही है. सरकार उन जगहों में विकास की रोशनी पहुंचा रही है, जहां सदियों से अंधेरा था. सरकार जंगलों, पहाड़ों एवं नदियों के किनारे बसे लोगों तक अपनी योजनाएं पहुंचा रही है तथा उन्हें अच्छादित कर रही है. मुख्यमंत्री रविवार को मानगो के गांधी मैदान में आयोजित विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास, उद्घाटन एवं परिसंपति वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने 221.73 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया.

उन्होंने कहा कि सरकार गठन के बाद से दो वर्ष कोरोना काल से उबरने में गुजर गए. जब सरकार ने काम-काज शुरू किया तो

विपक्षी दल (भाजपा) सरकार को अस्थिर करने में जुट गए. लेकिन हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने मजबूती से उसका सामना किया तथा जनता के हितों में कई निर्णय लिया. लेकिन केंद्र की सरकार को यह नागवार गुजरा. हेमंत सोरेन को ऐन केन प्रकारेण जेल भिजवा दिया. फिर भी सरकार तेजी से काम कर रही थी. इसी बीच लोकसभा चुनाव आ गया. जिसके कारण विकास के कार्य रूक गए. लेकिन अब पुनः विकास कार्य रफ्तार पकड़ रहा है. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरने की दिशा में तेजी से काम कर रही है. बेरोजगार युवाओं को 25 लाख तक का लोन सरकार मुहैया कराएगी. जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें. निजी क्षेत्र की कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय की नियुक्ति का निर्णय सरकार पहले ही ले चुकी है. इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जाएगी. सरकार का ध्येय है कि आदिवासी-मुलवासी को स्थानीय नियुक्ति में प्राथमिकता मिले. छात्रों की छात्रवृति में तीन गुणा की बढ़ोतरी की गई है. खेतों में पाइप-लाइन के जरिए पानी पहुंचाने की दिशा में सरकार कार्रवाई कर रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की सरकार अपने गठन के दिन से ही आम लोगों के हित में काम कर रही है. आपकी सरकार, आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत घर-घर पहुंचकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा. पहले 60 वर्ष के बाद पेंशन योजना का महिलाओं को मिलता था. लेकिन हेमंत सरकार ने 50 वर्ष से ही महिलाओं को पेंशन देने का निर्णय लिया. अब हमारी सरकार 25 वर्ष पूरी कर चुकी बहनों को भी मुख्यमंत्री बहन सहयोग राशि से लाभांवित करेगी.

फ्लाईओवर की बजाय जलापूर्ति योजना का तोहफा

मानगो गांधी मैदान में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मानगो में फ्लाई ओवर एवं यातायात समस्या को दूर किए जाने के संबंध में किसी तरह की घोषणा नहीं की. वहीं क्षेत्र के विधायक सह स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने भी फ्लाईओवर के भूमि पूजन अथवा इसके निर्माण के संबंध में किसी तरह की घोषणा नहीं दी. हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान मानगो के लोगों को पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिए 42 एमएलडी (मिलियन लीटर डे) की क्षमता का प्लांट लगाने की घोषणा की. हालांकि इस योजना पर कितनी राशि खर्च होगी इसकी घोषणा नहीं की.

संजीव-समीर की गैरहाजिरी से चर्चाओं का बाजार गर्म

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में वैसे तो सूबे के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता, परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार एवं गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजू गिरी मौजूद थे. लेकिन मंच पर बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती एवं पोटका के विधायक संजीव सरदार मौजूद नहीं थे. दोनों के कार्यक्रम में गैरहाजिर रहने की जनता के बीच चर्चा होती रही.

कोल्हान यूनिवर्सिटी में नियुक्ति घोटाला

कार्रवाई के बजाय तीन करोड़ से अधिक का भुगतान

आनंद मिश्र । जमशेदपुर

कोल्हान विश्विद्यालय में जीएसटी घोटाले के बाद अब नियुक्ति घोटाला प्रकाश में आया है. यह मामला विश्वविद्यालय में आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों से संबंधित है. सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में गड़बड़ी व अनियमितता पायी गयी है. यहां तक कि इन शिक्षकों पर कार्रवाई के बजाय अभी तक मानदेय भुगतान किया जाता रहा, जिससे विश्विद्यालय को करीब तीन करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है. हाल ही में विश्वविद्यालय के नये प्रभारी कुलपति के आने के बाद मामला प्रकाश में आया. उसके बाद प्रभारी कुलपति ने इस मामले की जांच का आदेश दिया. जांच के बाद करीब 30 से अधिक ऐसे आवश्यकता आधारित सहायक शिक्षकों की सूची तैयार की गयी है, जिनकी नियुक्ति में गड़बड़ी पायी गयी है. इन शिक्षकों की नौकरी पर अब संकट मंडराने लगा है.

विश्वविद्यालय में घंटी आधारित शिक्षक, जो अब आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यपक कहे जाते हैं, की संख्या लगभग 150 है. विभिन्न कॉलेजों में रिक्त पड़े स्वीकृत पदों पर उनकी नियुक्ति की गयी है. बताया जाता है कि योग्यता व मापदंडों की अनदेखी कर करीब 30 से अधिक आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गयी है. जिन शिक्षकों को चिह्नित कर सूची

तैयार की गयी है, उनमें ऐसे शिक्षक हैं, जो नियुक्ति के समय आवश्यक अहर्ता पूरी नहीं कर पा रहे थे. उनमें नियुक्ति के समय किसी के पास आवश्यक योग्यता का प्रमाणपत्र नहीं था, तो किसी ने आवश्यक डिग्री ही पूरी नहीं की थी. बावजूद उनकी नियुक्ति कर दी गयी.

विश्वविद्यालय में ऐसा करीब आठ साल के दौरान हुआ है. देखा जाये, तो आठ वर्षों के दौरान लगभग 150 आवश्यकता आधारित शिक्षकों को 36 हजार रुपये की दर से करीब 49 करोड़ रुपये का मानदेय भुगतान किया गया है. जबकि जिन 30 से शिक्षकों की नियुक्ति में गड़बड़ी की शिकायत मिली है, उन्हें लगभग तीन करोड़ रुपये का मानदेय भुगतान किया गया है. लेकिन अभी तक इसकी जांच नहीं की गई थी.

क्या कहते हैं जिम्मेवार

चिन्हित किये गये आवश्यकता आधारित शिक्षकों के नामों को सूचिबद्ध कर फाइल तैयार कर ली गयी है. यथासंभव मंगलार को फाइल प्रभारी कुलपति को सौंपी जायेगी. नियुक्ति में जो गड़बड़ियां पायी गयी हैं, उन्हें चार कैटेगरी में रखा गया है. उसी के अनुसार संबंधित शिक्षकों को चिन्हित कर सूची तैयार की गयी है.

डॉ. राजेंद्र भारती (कुलसचिव, कोल्हान विश्वविद्यालय)

नियुक्ति में चार तरह की गड़बड़ी

नियुक्ति में चार तरह की गड़बड़ी पायी गयी है, जिसे कोटिवार सूचिबद्ध किया गया है. इसके अनुसार चिन्हित 30 से अधिक शिक्षकों में से नियुक्ति के विज्ञापन की तिथि तक पीजी, नेट या पीएचडी की उपाधि प्राप्त नहीं की थी. कुछ ऐसे हैं, जिन्होंने नियुक्ति के बाद निर्धारित अवधि के दौरान अपना मूल प्रमाणपत्र विश्वविद्यालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया है. वहीं कुछ शिक्षकों के जाति प्रमाणपत्र झारखंड के नहीं हैं. इनके अलावा कुछ ऐसे शिक्षक हैं, जिनका गुड एकेडमिक क्वालिफिकेशन नहीं था. गुड एकेडमिक क्वालिफिकेशन यानी मैट्रिक से लेकर पीजी तक कम के कम सेकेंड डिवीजन के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. ये सभी योग्यता एवं प्रमाणपत्रों की कमी को देखते हुए विश्वविद्यालय ने शिक्षकों को चिन्हित कर सूची तैयार की है.

मेला देख घर लौट रही नाबालिग के साथ दुष्कर्म, तीन गिरफ्तार

चक्रधरपुर । मनोहरपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ तीन युवकों द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है.

नाबालिग शनिवार देर रात मनोहरपुर थाना क्षेत्र के रायकेरा गांव में मासंत पर्व का मेला देख घर लौट रही थी. इसी दौरान मनोहरपुर थाना क्षेत्र के उंधन गांव के तीन युवकों ने नाबालिग को जंगल की ओर ले गए और दुष्कर्म किया. पीड़िता ने इसकी जानकारी परिजनों को दी. इसके बाद रविवार को उंधन गांव निवासी सुधांशु महतो, मनीष लोमगा और सुभाष भेंगरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

तीनों युवकों से पुलिस पूछताछ कर रही है. इस संबंध में मनोहरपुर के डीएसपी जयदीप लकड़ा ने कहा कि दुष्कर्म के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है.

1.04 लाख रुपये में बिका शेरा

बकरीद पर गुलजार रही बकरा मंडी, बकरों के साथ ले रहे सेल्फी

संवाददाता । जमशेदपुर

ईद उल अजहा के मौके पर रविवार को बकरा मंडी में कुछ बकरे ऐसे भी दिखे जो खरीददारों और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए. अलग-अलग नस्ल के बकरे मंडी में लेकर विक्रता आ रहे हैं, जिनकी कीमत बेहद ऊंची है. कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये की कीमत के बकरे मंडी में बिक रहे हैं. कोई बकरा किसी विशेष नाम का है तो कई की कीमत काफी ज्यादा है. महंगे कीमत वाले बकरे के साथ लोग सेल्फी ले रहे हैं. ईद के मौके पर कुर्बानी के लिए बकरा की खरीदारी की जा रही है. बकरा मंडी में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और अपनी-अपनी पसंद का बकरा खरीद रहे हैं.

जमशेदपुर के आमबगान में लगे बकरे के बाजार में पांच हजार रुपये से

लेकर लाख रुपये तक के बकरे मौजूद हैं. यहां शेरा नाम का एक बकरा 1.04 लाख रुपये में बेचा गया. बकरा भी ऐसा जिसे देखने के लिए लोग जमा हो रहे हैं. बकरा के ऊपर लंबे लंबे बाल हैं और हाइट भी ऊंची है. स्थानीय व्यापारी परवेज ने बताया कि रविवार को बाजार का आखिरी दिन होने के कारण काफी संख्या में खरीदार पहुंच रहे है. लोग अपने हिसाब से बकरों की खरीददारी कर रहे हैं. परवेज ने बताया कि उसके पास 20 हजार से लेकर 1.20 लाख रुपये तक के बकरे हैं. हालांकि 1.20 लाख रुपये के बकरे को मोल-भाव करते हुए 1.04 लाख में बेचा.

पश्चिम बंगाल से आए बकरा कारोबारी अतुल चौधरी ने बताया कि बाजार में तुर्की दुंबे नस्ल के भी बकरे हैं. इसमें ज्यादा चर्बी होती है. वहीं, ओडिशा से आए शफील ने बताया कि रविवार को वह नागफनी नस्ल के 10 बकरे लाए थे, जिसमें से 7 बिक गए. उन्होंने बताया कि प्रत्येक बकरे की कीमत 25 हजार रुपये है. वहीं, अजमेरी नस्ल के बकरे में ज्यादा चर्बी नहीं होती है. इसकी वजह से लोग इसे भी ज्यादा खरीद रहे हैं.

5 से 10° तक गिरा पारा तपिश से थोड़ी राहत

जमशेदपुर । शहर समेत पूरे कोल्हान में लोगों ने रविवार को तपिश से थोड़ी राहत महसूस की. पिछले एक सप्ताह से प्रचंड धूप, भीषण लू और 44.0 डिग्री तापमान की वजह से कोल्हान जल रहा था. वहीं आज सुबह से ही हवा में थोड़ी ठंडक और हल्के बादल छाये रहने के कारण तापमान में भी कमी आयी.

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में अब तेज हवा के साथ हो सकती है. इससे तपिश से राहत मिलने की संभावना है. रविवार को कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों में 40.0 डिग्री से कम तापमान दर्ज किया गया.

जमशेदपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक होने के बावजूद 39.8 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 2.3 डग्री अधिक 28.0 डिग्री दर्ज किया गया. सरायकेला में अधिकतम तापमान समान्य से 6.9 डिग्री कम 39 डिग्री रहा. वहीं पश्चिमी सिंहभूम जिले में अधिकतम तापमान 10.5 डिग्री नीचे 33.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया.

वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

चांडिल । टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चौका थाना क्षेत्र के झाबरी के सामने तेज रफ्तार 407 ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. मृत युवक की पहचान चौका थाना क्षेत्र के पोड़का टोला रांगाडीह निवासी 30 वर्षीय दुलाल मांझी के रूप में हुई है.

युवक साइकिल से अपने तीन-चार दोस्तों के साथ गौरडीह स्थित पोल फैक्ट्री में काम करने जा रहा था. इसी दौरान रांची की ओर से तेज गति से आ रहे 407 ट्रक ने युवक को पीछे से जोरदार धक्का मार दिया. घटना के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने चौका थाना की पुलिस को घटना की सूचना दी. पुलिस ने जीप से उसे अस्पताल पहुंचाया.

वेटिंग टिकट की समस्या से मिलेगी निजात

जमशेदपुर । भारतीय रेलवे ने वेटिंग टिकट की समस्या से निजात दिलाने के लिए बड़ा कदम उठाया है. रेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने इस संबंध में घोषणा की है, आगामी 2 महीने के भीतर देश में 'वंदे भारत स्लीपर' ट्रेन सेट पटरियों पर दौड़ने लगेंगे. वेटिंग टिकट की समस्या से यात्रियों को निजात मिलेगी.

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करेंगी. इन ट्रेनों में फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी यानी तीन श्रेणियों के कोच होंगे. ट्रेनों में अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे कि ऑटोमेटिक डोर, एलईडी लाइटिंग, वाई-फाई, सीसीटीवी कैमरे और बायो-वैक्यूम टॉयलेट होंगे.

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भारतीय रेलवे की गतिशीलता और आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इन ट्रेनों के आने से यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा और ट्रेनों में भीड़भाड़ की समस्या भी कम होगी. यात्रियों को इससे काफी सहूलियत होगी .

घमासान मतगणना के पहले ही समीर ने कही थी पूरा सहयोग नहीं मिलने की बात

परदे के पीछे कुछ तो है, ... यूं ही नहीं उठा धुआं

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

बिना आग के धुआं नहीं उठता. जी हां, कमोबेश यही स्थिति है हालिया लोकसभा चुनाव के बाद झामुमो और कांग्रेस के बीच उठे विवाद की. एक तरफ ना ना कहने के बाद झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती ने इंडी गठबंधन के सबसे बड़े दल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के खिलाफ अपनी पार्टी समेत प्रदेश कांग्रेस से लिखित शिकायत कर दी. अब समीर मोहंती शिकायत करने से इन्कार कर रहे हैं. पत्र को फर्जी बताते हुए जांच और दोषी के खिलाफ कार्रवाई करवाने की बात कर रहे हैं. बावजूद अभी तक उन्होंने किसी थाने में शिकायत तक दर्ज नहीं करायी है. इसे भी लेकर सवाल उठने लगे हैं.

समीर मोहंती बहरागोड़ा के विधायक भी हैं. समीर मोहंती रुपये देने और पत्र के माध्यम से पार्टी नेतृत्व से शिकायत किये जाने से इन्कार कर रहे हैं. वह इसे किसी की साजिश और पत्र व उसमें हस्ताक्षर को फर्जी बता रहे हैं. वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे भी रुपये लेने से इन्कार और चुनाव में गठबंधन धर्म निभाते हुए यथासंभव सहयोग का दावा कर रहे हैं. इन सबके बावजूद इतना बवेला क्यों मचा हुआ है? क्या कारण

● जमशेदपुर पूर्वी में इस बार झामुमो को अधिक वोट मिले : दुबे

है कि दोनों नेताओं को सफाई देनी पड़ रही है. पत्र के माध्यम से शिकायत की गयी हो या चुनाव खर्च के नाम पर 25 लाख रुपये लेकर गटक जाने का मामला हो, कुछ तो सच्चाई जरूर है. क्योंकि मतदान संपन्न होने के बाद ही फेसबुक पर एक कांग्रेसी ने ही इस संबंध में पोस्ट किया था.

जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में मतदान के ठीक बाद यह मामला प्रकाश में आया था. तब पूछने पर समीर मोहंती ने कहा था कि ऐसा कुछ नहीं है. इस संबंध में उन्होंने कुछ कहने से इन्कार करते हुए खुद को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलने वाला बताया था. कहा था कि राज्यभिषेक हो या वन जाना पड़े दोनों के लिए तैयार हैं. यानी जीत हो या हार दोनों को खुशी-खुशी स्वीकार करेंगे. पूछा गया कि ऐसा क्यों कह रहे हैं, क्या जीत के प्रति आश्वस्त नहीं हैं? तब उन्होंने कहा था कि चुनाव में अपेक्षाकृत सहयोग नहीं मिला है.

उसके बाद चुनाव परिणाम से भी स्पष्ट हो गया कि जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत उनके बहरागोड़ा समेत सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में से कहीं भी उन्हें बढ़त नहीं मिली. यहां तक कि उनके अपने पैतृक गांव बेंद और चाकुलिया स्थित उस बूथ पर भी बढ़त नहीं मिली, जिस बूथ पर उन्होंने स्वयं मतदान किया था.

दूसरी ओर आनंद बिहारी दुबे ने दावा किया है कि झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती को कांग्रेस का भरपूर सहयोग मिला है. पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में इस बार झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती को अधिक वोट मिले हैं. वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रो गौरव बल्लभ को करीब 18 हजार और वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो प्रत्याशी चंपाई सोरेन (मौजूदा मुख्यमंत्री) को करीब 36 हजार वोट मिले थे. वहीं इस बार झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती को 40 हजार से अधिक वोट मिले हैं. दरअसल, प्रत्याशी को समन्वय समिति का गठन करना होता है, तभी पूरे लोकसभा सीट पर एक सहयोगी दल के रूप में समुचित सहयोग संभव है. लेकिन समीर मोहंती ने ऐसा किया ही नहीं. बहरहाल, माना तो यही जा रहा है कि पत्र के माध्यम से शिकायत की खबर प्रकाश में आने के बाद से समीर मोहंती की आंखें खुल गयीं हैं. वायरल हुए उनके पत्र में जैसा उल्लेख है कि बूथ मैनेजमेंट के लिए प्रत्येक बूथ के हिसाब से छह हजार रुपये दिये गये थे. उसमें से आनंद बुहारी दुबे में प्रत्येक बूथ पर चार-चार हजार रुपये ही खर्च किये हैं.

कई बूथों पर कार्यकर्ता थे ही नहीं थे. इस तरह वे मोटी रकम गटक गये. पत्र वायरल होने के बाद समीर मोहंती को संभवतः यह समझ आया कि जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में बने कुल 1887 बूथों पर छह हजार रुपये के हिसाब से बूथ मैनेजमेंट का खर्च 1 करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक होता है. जबकि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश व प्रावधानों के अनुसार एक प्रत्याशी को पूरे चुनाव में 95 लाख रुपये से अधिक खर्च नहीं करना है. ऐसे में चुनाव आयोग उन्हें कटघरे में खड़ा कर देगा.

तब उन्होंने पत्र को फर्जी बताते हुए जांच कराने की बात कही है. लेकिन अभी तक जांच के लिए पुलिस या किसी एजेंसी के पास शिकायत दर्ज नहीं करायी है. ऐसे में लगता है कि यह विवाद यहीं थमने वाला नहीं है. आगे कुछ नया धमाका हो सकता है.

कोई पत्र नहीं मिला : राजेश ठाकुर

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इसे राजनीतिक द्वेष का मामला बताया. उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व को इस तरह का कोई पत्र नहीं मिला है. समीर मोहंती भी बयान दे चुके हैं कि उन्होंने इस तरह का कोई पत्र नहीं लिखा है. ऐसे में जांच का कोई सवाल ही नहीं है.

भोलू हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्त से बाहर

बम से हमले का बदला लेने के लिए की हत्या

आरोपी विक्की.

आदित्यपुर में छठ पूजा के दौरान विक्की पर बम से हमला किया गया था. विक्की को जानकारी मिली थी कि जिस बम का इस्तेमाल किया गया था वह भोलू ने ही बनाया था. इसके बाद से ही विक्की भोलू की हत्या की योजना बना रहा था. विक्की भोलू के जेल से बाहर आने का इंतजार कर रहा था. जेल से बाहर आने के चार दिन बाद ही उसकी हत्या कर दी गई.

संवाददाता । जमशेदपुर

कदमा थाना अंतर्गत कदमा बाजार में 23 मई को दिनदहाड़े भोलू कुम्हार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इसके अलावा भोलू पर हरवे हथियार से भी हमला किया गया था. इस मामले में मुख्य आरोपी आदित्यपुर निवासी विक्की नंदी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है.

हालांकि चर्चा यह भी थी कि विक्की पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देगा पर अब तक पुलिस को उसकी जानकारी हाथ नहीं लगी है. इस संबंध में पुलिस ने आदित्यपुर निवासी राहुल पंडित और कदमा शास्त्रीनगर निवासी प्रशांत कुमार कापड़ी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहुल और प्रशांत से पूछताछ की जिसके बाद पुलिस को अन्य आरोपियों के बारे में भी जानकारी मिली.

दोनों ने पुलिस को बताया कि घटना से चार दिनों पूर्व भोलू जेल से बाहर आया था. जिसके बाद से ही भोलू की हत्या का प्लान बनाया गया था. भोलू की हत्या के लिए विक्की नंदी ने ही साजिश रची थी. कदमा बाजार में भोलू शराब पी रहा था तभी उसकी हत्या कर दी और सभी मौके से फरार हो गए.

खास बातें

- अबतक पुलिस के हाथ लगे हैं मात्र दो आरोपी
- 23 मई को दिनदहाड़े गोली मारकर हुई थी हत्या
- पूछताछ में विक्की का नाम आया था सामने

हरहरगुट्टू-किताडीह में जलस्तर 800 फीट से नीचे, बोरिंग सूख गईं, 700 से 1000 रुपये में बिक रहा 1000 लीटर पानी

जलसंकट का कारोबारी उठा रहे फायदा

सोलर जल मीनार भी फेल, चापानल से पानी निकलना बंद, टैंकर के भरोसे कट रही जिंदगी

- रतजगा कर पानी का इंतजाम करते हैं गरीब
- सीएम की बेटी भी समाधान को लेकर सक्रिय

वरिष्ठ संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर प्रखंड का हरहरगुट्टू-किताडीह क्षेत्र विगत चार माह से जल संकट से जूझ रहा है. क्षेत्र में पानी का लेयर 800 फीट से नीचे चला गया है. जिसके कारण लोगों के घरों की बोरिंगें सूख गईं है. चापानल से पानी निकलना बंद हो गया है. यहां तक कि सरकार की ओर से पंचायतों में लगाया गया सोलर जल मीनार भी फेल हो गया है. जिसके कारण लोगों को पानी के टैंकर के भरोसे रहना पड़ता है अथवा अपने खर्च पर पानी खरीदकर पीना पड़ता है.

सक्षम लोग तो पानी खरीदकर अपना काम चला लेते हैं लेकिन सबसे ज्यादा मार गरीबों पर पड़ती है. रोज-रोज जेब ढीली करने की बजाय वे रतजगा कर पानी का इंतजाम करते हैं और दूसरे मुहल्लों से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं. इसके चलते उन्हें अपनी रोजी-रोटी छोड़नी पड़ती है. दूसरी ओर क्षेत्र में उत्पन्न जल संकट का पानी के कारोबारी फायदा उठा रहे हैं. कई लोग अपने-अपने घरों में एक-एक हजार से ज्यादा फीट बोरिंग कराकर पानी का कारोबार कर रहे हैं. ऐसे लोग 700 से 1000 रुपये में 1000 लीटर पानी बेच रहे हैं. इसके लिए बकायदा डाला टेंपो में पानी की टंकी एवं मोटर पंप स्थापित किया है. पेयजल की किल्लत झेल रहे हरहरगुट्टू-किताडीह क्षेत्र के लोगों की भयावह दशा देखकर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन भी क्षेत्र में खासी सक्रिय हो गई हैं. दुखनी सोरेन हरहरगुट्टू क्षेत्र में ही रहती हैं. जब से चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बने हैं तब से दुखनी सोरेन के घर पर फरियादियों की भीड़ लगती है. स्थानीय लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचते हैं. दुखनी सोरेन के पति विक्की शर्मा पत्नी के सामाजिक कार्यों में हाथ बंटाते हैं. समस्याओं को उचित फोरम तक पहुंचाकर समाधान करवाते हैं. लोग समस्या लेकर उनके पास आते हैं.

भू-माफियाओं ने भर डाले दर्जनभर तालाब

वर्तमान में क्षेत्र के दर्जनभर से ज्यादा तालाबों का अस्तित्व खत्म हो गया है. जिसके कारण भू-गर्भ जलस्तर काफी नीचे चला गया. हरहरगुट्टू देवता भवन के पास रहने वाले विजय कुमार ने बताया कि हरहरगुट्टू-किताडीह एवं घाघीडीह क्षेत्र में दर्जनभर से ज्यादा तालाब थे. जिनका वर्तमान में अस्तित्व समाप्त हो गया है. कई तालाब को भू-माफियाओं ने भरकर जमीन की प्लॉटिंग कर बेच दिया है. वहीं कुछ बचे हुए तालाब अतिक्रमण के कारण सिमटकर नाला में तब्दील हो गए हैं, जहां लोगों के घरों का गंदा पानी आकर गिरता है. उन्होंने कहा कि तालाब का अस्तित्व समाप्त होना जल संकट का मुख्य कारण है.

टेम्पो से पानी की बिक्री

टैंकर से जलापूर्ति में बरता जाता है भेदभाव

बागबेड़ा, हरहरगुट्टू, किताडीह क्षेत्र में प्रतिदिन दर्जनभर टैंकर से जलापूर्ति होती है. जिसमें तारापोर एंड कंपनी के दो टैंकर, जुस्को के दो टैंकर, पूर्व जिप उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह का एक टैंकर, समाजसेवी प्रदीप गुहा उर्फ छोटका का एक टैंकर, सेवा ही लक्ष्य संस्था का एक टैंकर, समाजसेवी दुखनी सोरेन का एक टैंकर के अलावे कई अन्य सामाजिक संस्थाओं का टैंकर शामिल हैं. उपरोक्त सभी टैंकर से प्रतिदिन अलग-अलग जगहों पर जलापूर्ति की जाती है. तारापोर एंड कंपनी एवं जुस्को (अब टीएसयूआईएसएल) के टैंकर से जलापूर्ति (मुहल्ला) का स्थान स्थानीय पार्षद निर्धारित करते हैं. जबकि राजनीतिक दलों एवं अन्य सामाजिक संगठनों के टैंकर से जलापूर्ति अपने जनाधार को ध्यान में रखकर की जाती है. हरहरगुट्टू की रहने वाली सोमवारी बेसरा, लक्ष्मी देवी, राजू लोहार आदि ने बताया कि टैंकर से जलापूर्ति में भेदभाव बरता जाता है. अपने चहेतों एवं परिचितों के यहां टैंकर से पानी भेजा जाता है. उसके घर की जरूरत पूरी होने के बाद ही दूसरे लोगों को पानी लेने दिया जाता है.

ब्रीफ खबरें

गुड़ाबांदा के सखुआ वन से महिला का शव बरामद

डुमरिया। पूर्वी सिंहभूम जिला के गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंहपुरा पंचायत के माकड़ी सखुआ जंगल से रविवार को एक महिला का शव बरामद किया गया. पुलिस ने शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. महिला की पहचान निमकी सबर (42) पति पांडु सबर ग्राम माकड़ी टोला धातकीडीह निवासी के रूप में हुई. मृत महिला के नाक से खून निकल रहा था. पोस्टमार्टम के बाद ही हत्या अथवा दुर्घटना से मृत्यु की जानकारी प्राप्त होगी. पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है.

आदित्यपुर के उज्ज्वल को मिली जेईई में सफलता

आदित्यपुर। आदित्यपुर निवासी और ऑल इंडिया रेडियो जमशेदपुर के इंजीनियरिंग असिस्टेंट ओमकार नाथ के पुत्र उज्ज्वल कुमार नाथ ने इसी वर्ष 92 फीसदी अंक के साथ डीएवी बिष्टुपुर से 12वीं करने के बाद जेईई एडवांस भी क्वालीफाइ कर लिया है. उज्ज्वल को ऑल इंडिया रैंकिंग में 11396वां स्थान मिला है. वह अपनी आगे की पढ़ाई आईआईटी बीएचयू से करेगा और मेटलर्जी ब्रांच से इंजीनियरिंग की शिक्षा पूरी करेगा. उज्ज्वल ने बताया कि उनके माता पिता उन्हें इंजीनियर के रूप में अपना करियर बनाते देखना चाहते थे.

सिदगोड़ा में बढ़ते अपराध पर भाजमो ने की शिकायत

जमशेदपुर। सिदगोड़ा थाना में बढ़ते अपराध को लेकर भारतीय जनतंत्र युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित शर्मा ने एसएसपी से शिकायत की है. अमित शर्मा ने बढ़ते अपराध को लेकर सिदगोड़ा के थाना प्रभारी को आरोपी बताते हुए कहा है कि जिस तरीके से क्षेत्र में अवैध काम हो रहा है, उसमे स्थानीय पुलिस की संलिप्तता को अनदेखा नहीं किया जा सकता है. अमित शर्मा ने कहा कि अवैध रूप से बालू का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. सिदगोड़ा मार्केट में कई दिनों से जुआ और मटके का कारोबार चल रहा है. इससे क्षेत्र के कई परिवार बर्बाद भी हो रहे हैं.

जेएमएम नेता राजेश गोप समेत तीन पर केस

आदित्यपुर। थाना क्षेत्र के शांतिनगर में 14 जून की शाम जमीन कारोबारी रॉकी कालिंदी और उसके 5 वर्षीय बेटे समर कालिंदी पर फायरिंग मामले में रॉकी की पत्नी दशमती कालिंदी के बयान पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. रॉकी की पत्नी ने जेएमएम नेता राजेश गोप, अजय टुडू, रवि और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है. फिलहाल पुलिस आरोपियों की धड़पकड़ में जुट गई है. उधर रॉकी तो खतरे से बाहर है, लेकिन उसके तीन वर्षीय बेटे की हालत चिंताजनक बनी हुई है.

शहादत दिवस पर याद किए गए गलवान के वीर शहीद गणेश हांसदा

भोर तीन बजे ही बहरागोड़ा से चल कर पहुंच जाते थे एलबीएसएम कॉलेज

गणेश हांसदा में देश सेवा का जुनून था : डॉ. आरके चौधरी

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में रविवार को गलवान के शहीद गणेश हांसदा का शहादत दिवस मनाया गया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अशोक कुमार झा, घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के चौधरी, एलबीएसएम कॉलेज के डॉ. विनय कुमार गुप्ता, समाजसेवी शंकर पाठक, सौरभ वर्मा समेत एनसीसी कैडेट्स ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किए.

मुख्य अतिथि घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य व एलबीएसएम कॉलेज के पूर्व एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. आर के चौधरी ने कहा कि वीर शहीद गणेश हांसदा बहुत ही अनुशासित, ईमानदार, कठिन परिश्रम करनेवाले कैडेट थे. वे अपने गांव से भोर के तीन बजे ही चल कर समय से एलबीएसएम कॉलेज एनसीसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चले आते थे. उनके अंदर देश की सेवा करने का जुनून था. गलवान घाटी की झड़प में अगर वे चाहते तो भागकर अपनी जान बचा सकते थे, लेकिन उन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर चीनी सैनिकों के साथ लड़ाई की और शहीद हो गये. इस क्रम में डॉ चौधरी ने एनसीसी कैडेट्स को उनके आदर्श पर चलने की प्रेरणा दी. प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने कहा कि शहीद गणेश हांसदा हमारे कॉलेज एवं राज्य के साथ ही देश के लिए गौरव हैं. शहीद गणेश हंसदा के ऊपर एक अच्छी फिल्म भी बनी है, जिसमें उनके बड़े भाई ने मुख्य किरदार निभाया है. कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनय कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन सौरभ वर्मा ने किया.

पैतृक गांव में दी गई श्रद्धांजलि

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की चिंगड़ा पंचायत अंतर्गत कोषाफलिया गांव में शुक्रवार को गलवान के वीर शहीद गणेश हांसदा का चौथा शहादत दिवस मनाया गया. जिसमें शहीद गणेश हांसदा स्मारक सेवा समिति के तत्वावधान में सुबह में पूजा-अर्चना की गई. बांसदा चौक पर स्थापित स्मारक स्थल में वीर शहीद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. प्रमुख लोगों में शहीद की मां कापरा हांसदा, पिता सुबदा हांसदा, बड़े भाई दिनेश हांसदा, प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती, डॉ. संजय गिरी, झामुमो के केंद्रीय सदस्य आदित्य प्रधान शामिल थे. इसके अलावा गांव में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया.

घाटशिला में किया गया पौधरोपण

घाटशिला। गलवान घाटी के वीर शहीद गणेश हंसदा की पुण्यतिथि पर रविवार को पर्यावरण मित्र घाटशिला झारखंड ने शहीद पार्क पावड़ा मैदान में रविवार को पांच नीम के पौधे लगाए. पूर्व में लगाए गए साल के पौधों को लोहे की जाली से सुरक्षित किया गया. विदित हो कि वीर शहीद गणेश हांसदा की याद में पावडा मैदान को शहीद पार्क के रूप विकसित करने का संकल्प लिया गया था. पर्यावरण मित्र घाटशिला उसी संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है. पिछले कई रविवार से वहां पौधे लगाकर और लगे हुए पौधों को संवारकर उसे बेहतर कर रहा है. पौधरोपण कार्यक्रम प्रो. इंदल पासवान के नेतृत्व में चलाया गया.

बराजउडी गांव के शिविर में 424 मरीजों की जांच, दवा दी

संवाददाता । घाटशिला

जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू की पहल पर बड़ाजुड़ी गांव में गंगा मेमोरियल अस्पताल जमशेदपुर की ओर से मेगा निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में 424 मरीजों की जांच कर दवाई दी गई. जिसमे से 70 मरीज का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया. शिविर का आयोजन प्रख्यात चिकित्सक डॉ नागेंद्र सिंह द्वारा अपनी मां स्व. गंगा देवी की स्मृति मे किया गया.

शिविर का उद्घाघाटन डॉ सिंह, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू और अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद स्व गंगा देवी की तस्वीर पर बारी बारी से अतिथियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया. शिविर को सम्बोधित करते हुए डॉ सिंह ने कहा कि आज से बीस साल पहले जागरूकता के लिए साइकिल से बड़ाजुड़ी आये थे. तब से लेकर आज तक बहुत उतार चढ़ाव देखे है. हमारा प्रयास है कि पैसे कि अभाव में कोई भी मरीज चिकित्सा से वंचित ना रहे. चयनित मरीजों का गंगा मेमोरियल अस्पताल मे निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा. यह अभियान पिछले 33 वर्षों से चल रहा है.

जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने कहा की डॉ सिंह पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे है. क्षेत्र भ्रमण के दौरान गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों की जानकारी मिली थी. मरीजों को चिकित्सा के लिए बंगाल और ओड़िशा पर निर्भर रहना पड़ता है. इसलिए जनता की मांग पर डॉ सिंह से मेगा निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाने का आग्रह किया गया था.

उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ सिंह को पद्मश्री की उपाधि से सम्मानित करने की मांग सरकार से की जाएगी. शिविर मे डॉ सिंह के आलावा डॉ हरप्रीत सिंह, डॉ देव, डॉ अभिषेक, डॉ रूचि, डॉ कल्याण व डॉ ललित मिंज ने मरीजों की जांच की. शिविर मे दामपाड़ा क्षेत्र से गंभीर बीमारी से पीड़ित अनेक मरीज पहुंचे थे. कार्यक्रम का संचालन सुरेश चौहान ने किया. इस मौके पर बड़ाजुड़ी के मुखिया रायश्री सामाद, बाँकी के मुखिया फागु सोरेन, सनातन भकत, प्रहलाद मंडल, परमेश्वर भकत, पीताम्बर गोराई, हितेश पाल समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

संकट आदित्यपुर के कई वार्डों में 600 फीट से नीचे चला गया है जल स्तर

कितनी कारगर होगी नगर निगम की एचवाईडीटी योजना

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम तत्काल पेयजल संकट से उबरने के लिए डीप बोरिंग कर टंकी निर्माण कर वार्डों में पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाई है. यह कितना कारगर होगा, नगर निगम ने एचवाईडीटी योजना क्यों बनाई है, इस पर सवाल उठ रहे हैं.

चूंकि आदित्यपुर के कई वार्डों में जलस्तर 600 फीट के नीचे चला गया है. ऐसे में डीप बोरिंग करना कितना कारगर होगा, यह सवाल उठ रहा है. बता दें कि निगम ने हर वार्ड में डीप बोरिंग करवा कर वहां सीमेंटेड टंकी बनाकर लोगों को दो टाइम पेयजल उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है. इस सवाल का जवाब देते हुए नगर निगम सिटी मिशन मैनेजर देवाशीष प्रधान कहते हैं कि इस योजना का टेंडर 18 जून को किया जा रहा है.

स्थल चयन के लिए इंजीनियरों की एक टीम बनाई गई है, जो सर्वे में कर रही है. इस योजना के तहत 600 फीट तक डीप बोरिंग करनी है और 10 हजार लीटर क्षमता का दो टंकी स्थापित करना है. इन टंकियों के चारों ओर 10 नलका लगा रहेगा जो जलापूर्ति के लिए सुबह शाम दो बार खोला जाएगा.

11 ओवरहेड वाटर टंकी में तीन का काम पूरा

11 ओवरहेड वाटर टंकी में 10 का काम चल रहा है, जिसमें तीन पूरा हो गया है. सपड़ा में बनने वाला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व टंकी तथा पाइपलाइन बिछाने के लिए वन विभाग द्वारा सशर्त अनुमति प्रदान की गयी है. इसमें करीब 1700 पेड़ काटे जाने हैं, जबकि 400 पेड़ को शिफ्ट किया जाना है. इसके लिए एजेंसी खोजी जा रही है. उसके माध्यम से पेड़ काटकर लकड़ी को डीएफओ कार्यालय में जमा कराना होगा. आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के 55 हजार मकानों में पाइपलाइन से जलापूर्ति के लिए 395 करोड़ रुपये की लागत से योजना पर काम चल रहा है. इसमें सपड़ा में 60 तथा सीतारामपुर डैम में 30 एमएलडी क्षमता का जलशोध केंद्र बनाया जाना है.

डीप बोरिंग में 2 एचपी का लगेगा मोटर

इस डीप बोरिंग में 2 एचपी का मोटर लगेगा और इसके लिए सोलर पावर सिस्टम भी लगाया जाएगा. इससे डीप बोरिंग संचालित होगी. यह योजना हर वार्ड में एक जगह पर धरातल पर उतरेगा. उन्होंने बताया कि इससे पहले भी निगम क्षेत्र में तकरीबन 80 एचवाईडीटी योजना संचालित है, जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है. बता दें कि आदित्यपुर नगर निगम के लोगों के लिए वृहद जलापूर्ति योजना निर्माणाधीन है, जिसकी अड़चनें दूर कर उसे एक वर्ष में धरातल पर उतारने का प्रयास भी जारी है.

वृहद जलापूर्ति योजना का काम चार साल से अधूरा

आदित्यपुर के लोगों को घोर जल संकट से उबारने के लिए 395 करोड़ रुपये की योजना बनी है. यह चार साल से संचालित है, किंतु जलापूर्ति योजना का काम अब भी अधूरा है. इस वजह से निगम का 75 फीसदी क्षेत्र पाइपलाइन जलापूर्ति के लाभ से वंचित है. वन विभाग के पेंच और विरोध की वजह से योजना का काम पांच साल बाद भी पूरा नहीं हो पाया है. सीतारामपुर जलशोध केंद्र और 60 किमी पाइपलाइन बिछाने का काम वन विभाग के पेच में फंसा है. इसके अलावा 60 एमएलडी क्षमता वाला सपड़ा में बनने वाला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य भी अब तक शुरू नहीं हुआ है. आदित्यपुर जलापूर्ति योजना के तहत अब तक 480 किमी जलापूर्ति पाइपलाइन में अब तक 409 किमी पाइप बिछाई जा चुकी है.

न्यूज अपडेट

टाटा ब्लूस्कोप ने विधायक को सौंपा एंबुलेंस

जमशेदपुर। टाटा ब्लू स्कोप कंपनी ने जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के तहत रविवार को अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण एक एम्बुलेंस विधायक मंगल कालिंदी को सौंपा. देवघर पंचायत के सिमूलडांगा चौक में आयोजित एक सादे समारोह में विधायक मंगल कालिंदी ने एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. मौके पर उन्होंने कहा कि हाइवे बनने के बाद डिमना से लेकर पिपला तक एक्सीडेंट की घटनाओं में काफी बढ़ोतरी हुई है. मरीजों को हॉस्पिटल ले जाने में काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. एम्बुलेंस को सुचारू रूप से चलाने के लिए क्षेत्र के लोगों को मिलाकर एक संचालक कमिटी बनाई गई है. मौके पर आठ पंचायतों के सभी गांवों के ग्राम प्रधान के अलावा क्षेत्र के सामाजिक राजनीतिक लोग उपस्थित थे.

रक्षा राज्य मंत्री का पूर्व सैनिकों ने किया अभिनंदन

जमशेदपुर। रांची के सांसद सह केंद्रीय मंत्री मंडल में रक्षा राज्य मंत्री बनाए गए संजय सेठ का रविवार को पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्यों ने उनके रांची स्थित आवास पर जाकर अभिनंदन किया. प्रतिनिधियों ने मंत्री को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया. रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को आगामी कारगिल विजय दिवस में जमशेदपुर आगमन का न्यौता भी दिया. इस दौरान मंत्री ने भविष्य में राज्य या केंद्र स्तर पर एक बड़ा सम्मेलन कराने का आश्वासन दिया. मौके पर वेटरन ब्रिगेडियर वीजी पाठक, एयर कोमोडोर एके अधिकारी, सार्जेंट अनिरुद्ध सिंह, सुशील कुमार सिंह, बृजकिशोर सिंह, राजीव रंजन, दिनेश सिंह, डॉक्टर कमल शुक्ला, अभय सिंह, केएन सिंह, उपेंद्र सिंह, नरेंद्र नाथ मुखोपाध्याय आदि मौजूद थे.

22 जून को होगा बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की विधायक निधि से सिदगोड़ा सूर्य मंदिर के पास निर्मित बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन ओलंपिक दिवस (23 जून) की पूर्व संध्या पर आगामी 22 जून को होगा. बास्केटबॉल के सुप्रसिद्ध ओलंपिक खिलाड़ी हरभजन सिंह बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन करेंगे. विधायक सरयू राय उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे. अंतराष्ट्रीय (ओलंपिक) स्तर के बास्केटबॉल कोच जेपी सिंह भी समारोह में आमंत्रित किये गए हैं.इस अवसर पर बास्केटबॉल का दो दिवसीय दोस्ताना मैच होगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों की बास्केटबॉल टीमें हिस्सा लेंगी. इस टूर्नामेंट का समापन ओलंपिक दिवस की शाम (23 जून) को होगा. इसके बाद बास्केटबॉल कोर्ट में खिलाडियों के प्रशिक्षण एवं मैच के कार्यक्रम लगातार होंगे.

बर्मामाइंस की ईस्ट प्लांट बस्ती में लगी छबील

जमशेदपुर। बर्मामाइंस स्थित ईस्ट प्लांट बस्ती में सिख समाज की ओर से सिखों के पांचवे गुरु श्री अर्जन देव जी की शहादत को समर्पित ठंडे शरबत एवं चना प्रसाद की छबील लगाई गई. तपती उमस भरी दोपहरिया में राहगीरों के बीच वितरण किया गया. इस अवसर पर बाबाजी इकबाल सिंह ने अरदास कर समस्त जीवों के कल्याण की कामना की. इस दौरान शहर के कई गणमान्य लोग वहां पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया. इस अवसर पर सविंदर सिंह, गुरदयाल सिंह, जोग सिंह, हरभजन सिंह, सतबीर सिंह सोमू, सुखपाल सिंह, सुखदेव सिंह, संतोख सिंह, मनिंदर सिंह, लखबीर सिंह, जसपाल सिंह, सतपाल सिंह, हरजोत सिंह, गुरदीप सिंह पपू, कुलविंदर सिंह, चंचल भाटिया, दमनप्रीत सिंह, दलजीत सिंह, जसबीर सिंह सोनी आदि ने सेवाएं प्रदान की.

चित्रेश्वर गांव के सबर टोला में लगा नया ट्रांसफार्मर

बहरागोड़ा। प्रखंड के चित्रेश्वर गांव के सबर टोला का 25 केवीए का ट्रांसफार्मर विगत दिनों से जल गया था.इस भीषण गर्मी के कारण ग्रामीण काफी परेशान थे.विभाग द्वारा इसपर कोई भी पहल नहीं करने पर इसकी जानकारी ग्रामीणों ने शंभू शामल एवं सोमू लेंका के माध्यम से पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी को दी. जिस पर पहल करते हुए पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी ने बिजली विभाग से संपर्क स्थापित कर 24 घंटे के अंदर नया 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया. ग्रामीणों में इससे काफी खुशी है और उन्होंने नया ट्रांसफार्मर लग जाने से पूर्व विधायक के प्रति आभार प्रकट किया. इस मौके पर दुर्योधन पलाई, प्रशांत प्रधान, सन्तू घोष, शुभंकर घोष, भीम बोसाई, संतन प्रधान, शिव शंकर बेतकर, स्वपन डाकुआ, श्रीकांत श्यामल, शंभू श्यामल, शुभम प्रधान आदि उपस्थित थे.

नशे से दूर रह कर बेहतर समाज का निर्माण करें

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के राजलाबांध पंचायत अंतर्गत इंचड़ासोल स्थित विवेकानंद युवा महामंडल परिसर में रविवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें कार्यशाला का उद्घाटन स्वामी विवेकानंद के फोटो चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित करके किया गया. कार्यशाला में अखिल विवेकानंद युवा महामंडल के केंद्रीय सदस्य युगल प्रधान ने स्वामी जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज के युवा वर्ग को स्वामी जी की जीवनी पर प्रेरणा लेने की जरूरत है. युवा नशे से दूर रह कर बेहतर समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता दिखाएं. इस मौके पर अपूर्व दास,समीर घोष, नंतु रंजन दास, रवींद्रनाथ महापात्र, सरोज कुमार सीट, आदि उपस्थित थे.

टाटा-पटमदा मुख्य मार्ग पर वैन व ऑटो में टक्कर

जमशेदपुर। बोड़ाम थाना अंतर्गत टाटा-पटमदा मुख्य मार्ग पर भुईयासिनान चौक में रविवार सुबह एक पिकअप वैन और ऑटो में जोरदार टक्कर हो गई. इस घटना में ऑटो सवार घायल हो गए वहीं ऑटो का पिछला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. इधर, घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सभी को इलाज के बाद छोड़ दिया गया. मिली जानकारी के अनुसार पटमदा के बेलटांड़ सप्ताहिक हाट से बकरीद के लिए खस्सी की खरीदारी कर कुछ लोग टेम्पो से जमशेदपुर लौट रहे थे. इसी दौरान भुईयांसिनान में ब्रेकर पर अचानक टेम्पो चालक के ब्रेक मारने से पीछे से आ रही पिकअप वैन ने टक्कर मार दी. पिकअप वैन पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से जमशेदपुर जा रही थी.

सिंहभूम की सांसद जोबा माझी की मझगांव विधानसभा क्षेत्र में निकाली गई आभार यात्रा में लोगों की उमड़ी भीड़

संस्कृति की रक्षा के लिए संसद में बनूंगी दीवार : सांसद

- कार्यकर्ताओं ने सांसद और विधायक का किया स्वागत
- समर्थकों ने जमकर की आतिशबाजी

संवाददाता । चाईबासा

सिंहभूम की नव निर्वाचित सांसद जोबा माझी के लिए मझगांव के विधायक निरल पूर्ति ने रविवार को आभार यात्रा आयोजित की. आभार यात्रा मझगांव विधानसभा क्षेत्र के तांतनगर, मंझारी, कुमारडूंगी, मझगांव प्रखंड के विभिन्न गांवों से गुजरी. इस दौरान ग्रामीण और झामुमो कार्यकर्ताओं ने सांसद जोबा माझी और विधायक निरल पूर्ति का गाजे बाजे के साथ स्वागत किया. मौके पर समर्थकों ने खूब आतिशबाजी भी की. विभिन्न गांवों में स्वागत के क्रम में

विधायक निरल पूर्ति के नेतृत्व में हुआ जोरदार स्वागत.

सांसद जोबा माझी ने कहा कि सिंहभूम से ऐतिहासिक जीत में मझगांव विधानसभा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उन्होंने मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हर एक वोट की ऋणी रहूंगी. जिस भरोसे के साथ जनता ने दिल्ली भेजा है उस भरोसे को कायम रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगी. लोकसभा चुनाव भले संपन्न हो चुका है, लेकिन संविधान और हमारी सामाजिक संस्कृति पर खतरा बरकरार है. संसद में जब भी संविधान और आरक्षण पर चर्चा होगी, इसकी रक्षा के लिए दीवार बनकर खड़ी रहूंगी. उन्होंने विस चुनाव में मझगांव की जनता से पूर्व की तरह निरल पूर्ति पर आशीर्वाद बनाये रखने की अपील की.

मझगांव में 60 हजार वोटों की बढ़त मिली

मौके पर विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि मझगांव विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी को लगभग 60 हजार वोटों से बढ़त दिलाकर यहां की जनता ने साबित कर दिया कि वे विकास के साथ आदिवासी-मूलवासी की हितैषी है. आभार यात्रा में कोकचो, भरभरिया, भागाबिला, खजूरिया, छोटा पोखरिया, बड़ा पोखरिया, खास पोखरिया, चिरुबासा, चीटीमीटी समेत दर्जनों गांवों में ग्रामीणों ने स्वागत किया. आभार यात्रा में तांतनगर की प्रखंड प्रमुख चांदमनी सिरका, जिप सदस्य जवाहर बोयपाई, मुखिया सीता सरदार आदि शामिल थे.

बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए शिक्षण केंद्र का उद्घाटन

चक्रधरपुर । बच्चों को स्कूल से जोड़ने व ड्रॉप आउट की समस्या दूर करने के उद्देश्य से चक्रधरपुर की गोपीनाथपुर पंचायत के लौजोड़ा कला व केनके पंचायत के केनके गांव में रविवार को विशेष शिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया.

अमरीका की क्राइ संस्था के सहयोग से संचालित बाल संरक्षण परियोजना के अंतर्गत सृजन महिला विकास मंच संस्था के तत्वावधान में यह विशेष प्रशिक्षण केंद्र खोला गया. इस मौके पर संस्था के परियोजना समन्वयक मोहम्मद इस्लाम अंसारी ने बताया कि विशेष शिक्षण केंद्र का संचालन वैसे बच्चों के लिए किया जाना है जिन्हें सीखने में दिक्कत होती है, जो स्कूल ड्रापआउट है, ताकि इन बच्चों में शिक्षा की रूचि जगा कर उन्हें बाल मजदूरी, बाल पलायन, बाल विवाह जैसे दुर्व्यवहार से बचा कर शिक्षा से जोड़ा जा सके. मौके पर बच्चे व उनके अभिभावक मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

किरीबुरु व सारंडा में वर्षा के बाद विद्युत आपूर्ति ठप

किरीबुरू । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं सारंडा क्षेत्र में शनिवार की देर शाम से वर्षा शुरू हो गई है. पूरे क्षेत्र में आयी तेज आंधी, ओला वृष्टि व मूसलाधार वर्षा से जनजीवन व पेड़-पौधों को भारी राहत मिली है. शनिवार की रात से ही पूरे क्षेत्रों में निरंतर वर्षा जारी है. आंधी की वजह से मेघाहातुबुरु स्थित काली मंदिर समेत सारंडा के विभिन्न क्षेत्रों में दर्जनों पेड़ और उसकी डाली टूटकर गिर गई है. किरीबुरु व मेघाहातुबुरु शहर में बिजली आपूर्ति ठप होने की वजह से लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है. बिजली समस्या कहां से है, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है.

रोवाम बाजार का जलमीनार खराब, ग्रामीण परेशान

किरीबुरू । मेघाहातुबुरु गंगदा पंचायत के रोवाम बाजार क्षेत्र में लगाया गया सोलर चालित जल मीनार महीनों से खराब है. इस कारण ग्रामीणों को पेयजल से संबंधित विकट समस्या से जूझना पड़ रहा है. उल्लेखनीय है कि रोवाम गांव में गुरुवार को साप्ताहिक हाट-बाजार लगता है. इस हाट-बाजार में सारंडा एवं कोल्हान जंगल से भारी तादाद में ग्रामीण अपनी कृषि व वन उत्पाद को बेचने व जरूरी सामान खरीदने आते हैं. उक्त जलमीनार को बाजार में आने वाले ग्रामीणों तथा दुकानदारों के अलावे रोवाम के ग्रामीणों की प्यास बुझाने हेतु लगाया गया था.

मस्जिदों में अदा की जाएगी ईद-उल-अजहा की नमाज

किरीबुरू । कुर्बानी का पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) सोमवार को मनाया जाएगा. मुस्लिम समुदाय के लोग इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं. बकरीद को लेकर चक्रधरपुर के रेलवे ओवरब्रिज के नीचे की दुकान लगाई गईं हैं. जहां सेवइयां, लच्छे, टोपी आदि तरह-तरह के सामान बेचे जा रहे हैं. कुर्बानी के लिये मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बकरे की भी खरीदारी की. रविवार को चक्रधरपुर के गुदड़ी बाजार में बकरा 15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक बिका. चक्रधरपुर के जामा मस्जिद, मस्जिद-ए -अहलेहदीस, मस्जिद-ए-नूर, मस्जिद- ए-उमर, मस्जिद-ए-रजा, नूरानी मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिद-ए-आयेशा, लोको मस्जिद, मस्जिद-ए-बिलाल, देवगांव ईदगाह, मस्जिद-ए-रजा नूरी, मस्जिद-ए-शम्सी में नमाज अदा की जाएगी.

डाक बंगला मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर की पोटका स्थित डाक बंगला मैदान में नाइट सर्किल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को आयोजित किया गया. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई उपस्थित थे. प्रतियोगिता का फाइनल मैच चक्रधरपुर के वार्ड नंबर सात व सनम रे टीम के बीच खेला गया. सनम रे टीम विजेता बनी. इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विजय सिंह गागराई ने विजेता व उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने कहा कि खेलकूद के क्षेत्र में भी बेहतर भविष्य है. युवा खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र का मान दूसरे देशों में भी बढ़ा रहे हैं.

सांप के डंसने से चेकाम के 18 वर्षीय युवक की मौत

घाटशिला । घाटशिला थाना क्षेत्र के भादुआ पंचायत अंतर्गत चेकाम गांव में शनिवार की देर रात 18 वर्षीय युवक सावना हांसदा को सांप ने डंस लिया था. उसकी मौत रविवार को घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई. डॉ. सावना युवक का इलाज कर रहे थे. डॉ सावना ने बताया कि काफी गंभीर स्थिति में युवक को लाया गया था. गांव के ही किसी ओझा के चक्कर में पड़कर झाड़फूंक कराया जा रहा था. अनुमंडल अस्पताल में स्नैक वेनम आवश्यकता से अधिक उपलब्ध है. मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था.

बकरीद को लेकर शहर में निकाला गया फ्लैग मार्च

चक्रधरपुर । मुस्लिम समुदाय के बकरीद पर्व को लेकर रविवार शाम में चक्रधरपुर थाना की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया. चक्रधरपुर थाना के प्रभारी राजीव रंजन के नेतृत्व में निकाले गये इस फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस के जवान शामिल थे. फ्लैग मार्च चक्रधरपुर थाना से निकलकर थाना रोड, रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग, बाटा रोड, दंदासाई समेत अन्य क्षेत्रों का भ्रमण कर थाना पहुंची. इस संबंध में थाना प्रभारी राजीव रंजन ने कहा कि विधि व्यवस्था को लेकर शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया है. उन्होंने बकरीद पर्व के दौरान लोगों को किसी भी तरह की अफवाह में न आने तथा शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की बात कही. इस मौके पर चक्रधरपुर थाना के अधिकारियों के अलावे पुलिस जवान मौजूद थे.

जिला क्रिकेट संघ का समर क्रिकेट कैंप का समापन

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में 21 मई से प्रारंभ हुए समर क्रिकेट कैंप का शनिवार को समापन हो गया. लगभग 25 दिनों तक चले इस समर कैंप में पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुल 94 खिलाड़ियों ने भाग लिया था. पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 10 वर्षों से लगातार आयोजित होने वाले समर कैंप में इस बार बच्चों की सहभागिता सर्वाधिक थी, जो जिला क्रिकेट संघ के लिए उत्साहवर्धक है. तीन सप्ताह से अधिक समय तक चले इस समर क्रिकेट कैंप में जिला स्तरीय कोच के अलावा पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी, उनके कोच काजल दास, पूर्व रणजी क्रिकेटर एवं वर्तमान में रेलवे रणजी टीम के कोच यजूवेंद्र कृष्णात्री, पूर्व रणजी क्रिकेटर संजीव गुप्ता, मधुसूदन तंतुबाई एवं सिद्धार्थ राज सिन्हा ने बच्चों को क्रिकेट की बारीकियों से अवगत कराया.

ब्रीफ खबरें

सात डीजे साउंड सिस्टम धारकों को भेजा नोटिस

चाईबासा । सरस्वती पूजा और रामनवमी पर तेज ध्वनि में डीजे बजाने पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) ने सात डीजे साउंड सिस्टम धारकों को नोटिस जारी किया है. इनमें किंग जय मां तुलसी डीजे, हेम्ब्रम डीजे, बाहुबली चाईबासा डीजे, श्री कृष्णा रथ डीजे, बनादुर्गा डीजे, लक्ष्मी डीजे व सावी डीजे शामिल हैं. एसडीओ ने सभी को 18 जून की सुबह 10.30 बजे एसडीओ के न्यायालय में अपना पक्ष व साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है. उक्त तिथि पर उपस्थित नहीं होने पर धारा 188, 107 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. एसडीओ ने बताया कि प्रतिबंध के बावजूद तेज ध्वनि में डीजे बजाया गया.

पंचायत प्रतिनिधि विकास योजना चलाएं : महेन्द्र

चाईबासा । जिला खनिज फंड ट्रस्ट (डीएमएफटी) की राशि पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से विकास योजना संचालित की जाये. साथ ही प्रत्येक मानकी इलाके में मानकी की अध्यक्षता में मुंडाओं की निगरानी एवं अनुश्रवण समितियों का गठन करें, जो अपने इलाके में पड़ने वाले स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य विकास कार्यों की निगरानी करें और अपनी रिपोर्ट मुंडा मानकी संघ के अध्यक्ष को दें. यह बातें झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता महेन्द्र जामुदा ने मनोहरपुर विधानसभा के लाईलोर पंचायत के मुण्डा टोला में बैठक में कहीं. मौके पर शांतिलाल चेरवा, राजेश किम्बो, मनसुक आदि मौजूद थे.

अब बच्चे बचाएंगे पर्यावरण सीखा सीड्स बॉल बनाना

चक्रधरपुर । फार्डर्स डे के अवसर पर रविवार को कराईकेला पंचायत स्थित करंजो स्थित एकल ग्रामोत्थान संसाधन केन्द्र में चक्रधरपुर के रोलिंग स्टोन एकेडमी व एसआईपी अबेकस के बच्चों ने पर्यावरण बचाने के लिए सीड्स बॉल बनाना सीखा. इस मौके पर प्रदान संस्था के प्रतिनिधि अमन कुमार ने बच्चों को सीड्स बॉल बनाने व उसके उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारियां दीं. वहीं बच्चे एकल ग्रामोत्थान महिला समिति की महिलाएं की ओर से गंगा दशहरा के कार्यक्रम में भी शामिल हुये. मौके पर रोलिंग स्टोन एकाडमी स्कूल की निदेशक सुहरिता रॉय, शिक्षिका माला सील, शिक्षक, एकल ग्रामोत्थान महिला समिति की महिलाएं व अभिभावक मौजूद थे.

डालसा ने चाईबासा मंडल कारा में जेल अदालत लगाई

चाईबासा । नालसा एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के तत्वावधान में रविवार को जेल अदालत का आयोजन किया गया. इस दौरान गठित बेंच पूजा पांडेय, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ने उनके समक्ष प्रस्तुत मामलों की समीक्षा की. इस अवसर पर विधिक जागरूकता का आयोजन भी किया गया. बंदियों को डालसा की विधिक सेवाओं की जानकारी दी. मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन जेलर लव कुश ने किया. मौके पर रत्नेश कुमार एलएडीसी, कोर्ट के सहायक अश्विनी कुमार, डालसा के सहायक अमित कुमार भी उपस्थित थे.

उल्दा पंचायत में अतिक्रमण का विवाद नहीं सुलझ रहा

श्मशान भूमि पर कब्जे से ग्रामीणों में आक्रोश

गालूडीह थाना क्षेत्र के उल्दा पंचायत के श्मशान भूमि विवाद मामले में पहुंचे ग्रामीण व पुलिस.

- जमीन मालिक को बैठक में बुलाया लेकिन वे नहीं आए
- रंजीत माहुरी पुलिस की मदद लेकर पहुंचा श्मशान भूमि पर

संवाददाता । घाटशिला

गालूडीह थाना क्षेत्र के उल्दा पंचायत के रेलवे फाटक के पास श्मशान भूमि पर छेड़छाड़ और अतिक्रमण से ग्रामीणों में आक्रोश है. उल्दा के ग्राम प्रधान छोटु सिंह ने जमीन मालिक रंजीत माहुरी को इस मामले को लेकर बैठक में एक सप्ताह पहले बुलाया था. लेकिन वे नहीं आए. उसके बाद उसके घर जाकर बात करने की कोशिश की पर बात नहीं हो सकी. रविवार को ग्रामीण उसके घर पहुंचे तब रंजीत माहुरी पुलिस की मदद लेकर श्मशान भूमि पहुंचा. इधर उल्दा गांव के ग्राम प्रधान छोटु सिंह, मुखिया लाल मोहन सिंह सहित अन्य ग्रामीण भी श्मशान भूमि पर पहुंचे. ग्रामीणों ने रंजीत माहुरी पर श्मशान भूमि पर छेड़छाड़ और अतिक्रमण का आरोप लगाया. ग्रामीणों ने कहा कि रंजीत माहुरी अपनी जमीन समतलीकरण के दौरान श्मशान भूमि पर मिट्टी का पहाड़ बना दिया. उन्होंने कहा कि हमलोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया. इसके साथ ही साथ समाजिक रीति-रिवाज का उल्लंघन किया है. इसके बाद ग्रामीणों ने 30 हजार जुर्माना की बात रखी थी. रंजीत सिंह ने कहा कि मेरी अनुपस्थिति में बैठक हुई और मुझे श्मशान की जानकारी नहीं थी. इसके बाद काफी हंगामा के बाद 15 हजार रुपए जुर्माना सहित पाठा और नायके के लिए कपड़ा सहित पूजा की समाग्री पर मामला तय हुआ. साथ ही सभी मिट्टी हटाने में रंजीत माहुरी ने सहमति जताई. इसके बाद मामला शांत हुआ इधर पुलिस को रंजीत माहुरी ने जमीन और घर घेरने की सूचना दी थी. इसमें पुलिस दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंची थी.

गुड़ाझोर में मिले ब्रेन मलेरिया के मरीज, मेडिकल टीम पहुंची

अस्पताल में भर्ती ब्रेन मलेरिया के मरीज.

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला प्रखंड के गुड़ाझोर गांव मलेरिया और ब्रेन मलेरिया से लोग कराह रहे हैं. कई लोगों का इलाज घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में भी चल रहा है. गांव में फैली इस बीमारी की सूचना मिलने पर रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम दुलाल चन्द्र हांसदा एवं सतेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गुड़ाझोर गांव पहुंची. वहां लगभग 92 लोगों की स्लाइड जांच कर खून का सेंपल लिया गया. हालांकि इसमें से दो लोगों में ही मलेरिया पाया गया. जानकारी के अनुसार गुड़ाझोर गांव में पिछले लगभग एक सप्ताह से दर्जनों महिला-पुरुष एवं बच्चे-बच्ची तेज बुखार से ग्रसित थे. इसमे से दीपाली सिंह, 9 (वर्ष), दुसू सिंह (11 वर्ष), पार्वती सिंह (30 वर्ष) की हालत बिगड़ने पर शनिवार की देर शाम घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. जहां उनका इलाज किया जा रहा है.

इस मौके पर चिकित्सकों ने बताया कि जांच के दौरान गुड़ाझोर गांव में सिर्फ दो लोगों में ही मलेरिया के लक्षण पाये गये हैं. उन्हें भी जरुरत के अनुसार दवा दी गई है. अभी स्थिति नियंत्रण में है. ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि किसी की ज्यादा तबीयत खराब होने पर तत्काल घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेजा जाये.

चाईबासा : डालसा ने मंडल कारा में लगाई जेल अदालत

चाईबासा । नालसा एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के तत्वावधान में रविवार को जेल अदालत का आयोजन किया गया. इस दौरान गठित बेंच पूजा पांडेय, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ने उनके समक्ष प्रस्तुत मामलों की समीक्षा की.

बड़ाजामदा के 36 रेलवे क्वार्टरों में सात दिनों से जलापूर्ति ठप

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाजामदा रेल क्वार्टर में रहने वाले लोग इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं. बड़ाजामदा के 36 रेलवे क्वार्टरों में पिछले 10 जून से जलापूर्ति ठप है. ऐसा बोरिंग के समरसेबल पंप के खराब रहने के कारण हो रहा है. इसके बावजूद रेलवे के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे. बड़ाजामदा क्षेत्र से रिकार्डतोड़ लौह अयस्क की ढुलाई कर रेलवे अरबों रुपये कमाती है, लेकिन रेलवे द्वारा इस समस्या को नजरअंदाज किए जाने से रेलकर्मी और उनके परिजन परेशान हैं. रेलकर्मियों ने बताया कि रेलवे के अधिकारी ब्रांच लाइन में काम करने वालों की परेशानी को दूर करने में कोई खास रूचि नहीं दिखाते हैं.

यही वजह है कि भीषण गर्मी में रेलवे ने अपने कर्मियों और उनके परिजनों को बिना पानी के जीने को मजबूर कर दिया है. पानी सप्लाई के नाम पर बस खानापूर्ति की जा रही है. टैंकर से घरवालों को मात्र एक से दो बाल्टी पानी ही दिनभर के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है,जिससे जरूरत पूरी नहीं हो पाती. इसके कारण रेलकर्मियों के घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहे हैं.

सदर करंजो में गंगा दशहरा कार्यक्रम में निकाली गई रैली

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की करंजो स्थित बिरसा सेवा संस्थान ग्रामोत्थान संसाधन केंद्र में एकल ग्रामोत्थान महिला समिति करंजो की ओर से गंगा दशहरा मनाया गया. इस मौके पर एकल अभियान से जुड़ी महिलाएं व ग्रामोत्थान संसाधन केंद्र के सदस्यों ने रैली निकाली. रैली के दौरान सभी धरती हमारी माता है, गंगा हमारी माता है, गौ हमारी माता है, रक्षा हमें करना है, का नारा लगाते हुए चल रहे थे.

करंजो स्थित बिरसा सेवा संस्थान से रैली निकलकर कराईकेला स्थित विजय नदी पहुंची. वहीं मिट्टी से बना 101 दीया प्रज्ज्वलित कर माता गंगा का स्मरण कर नदी में प्रवाहित किया गया. लोगों ने नदी, तालाब को स्वस्छ रखने का संकल्प भी लिया. एकल महिला समिति अध्यक्ष नीतू साहू ने कहा कि पूरे देश के 60 हजार से अधिक गांव के एकल अभियान के सदस्यों द्वारा गंगा दशहरा मनाया जा रहा है. मौके पर एसआईपी स्कूल की निदेशक सुहरीता रॉय, रोय, समन्वयक माला सील आदि उपस्थित थे.

हावड़ा-बड़बिल जन शताब्दी ट्रेन घंटों विलम्ब से चल रही

संवाददाता । किरीबुरू

हावड़ा से बड़बिल तथा बड़बिल से हावड़ा तक प्रतिदिन चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन के घंटों विलम्ब से चलने की वजह से यात्री परेशान हैं. यह ट्रेन हावड़ा अथवा बड़बिल स्टेशन से पिछले कुछ महीनों से अपने निर्धारित समय से नहीं खुल पा रही है. बड़बिल से इस ट्रेन के खुलने का समय दोपहर 1.40 बजे है. लेकिन 15 जून को यह शाम 4.03 बजे खुली.

इस ट्रेन को हावड़ा रात 8.55 बजे पहुंचना था, लेकिन रेलवे के पूछताछ केन्द्र से लगभग 6 घंटे विलम्ब से चलने की बात कही गई. इस ट्रेन को संतरागाछी स्टेशन पर ही रोक दी गई. संतरागाछी स्टेशन पर यह ट्रेन देर रात छह घंटे सात मिनट देरी से 2.27 बजे पहुंची थी, जबकि इसे 15 जून की रात 8.20 बजे ही पहुंचना था. दूसरी तरफ इस ट्रेन को हावड़ा से बड़बिल के लिये 16 जून की सुबह 6.20 बजे रवाना होना था, लेकिन यह ट्रेन तीन

घंटे एक मिनट विलंब से 9.21 बजे खुली.

उल्लेखनीय है कि इस ट्रेन में सफर करने वाले प्रायः मरीज, छात्र-छात्रायें, व्यवसायी व अन्य होते हैं. आम ट्रेनों की तुलना में किराया काफी लिया जाता है. एक्सप्रेस ट्रेन का तमगा लगाई यह ट्रेन बैलगाड़ी से भी बदतर स्थिति में चल रही है. इससे यात्रा करने वाले यात्री रेलवे की इस व्यवस्था से काफी परेशान हैं.

गड़बड़ी

हाइवा में 18 टन की अनुमति, 3 से 5 टन अधिक हो रही ढुलाई

ओडिशा के रास्ते लौह अयस्क की अवैध ढुलाई जारी

- जांच में 7 हाइवा पकड़ कर बड़ाजामदा ओपी को सौंपा
- कंपनी ट्रांसपोर्टर के साथ कमा रही भारी मुनाफा

संवादाता । किरीबुरू

लौह अयस्क की पैलेट (गोली) की फाईल तस्वीर.

झारखंड सीमा से सटा ओडिशा के बड़बिल थाना क्षेत्र स्थित एक कंपनी से अवैध तरीके से ओवर लोड लौह अयस्क का पैलेट (गोली) को बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग भेजा जा रहा है. इसका खुलासा तब हुआ जब चाईबासा परिवहन विभाग के पदाधिकारी ने बड़ाजामदा क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान ऐसे सात हाइवा को पकड़ कर बड़ाजामदा ओपी पुलिस के हवाले किया है. सूत्रों का कहना है कि जब्त वाहनों पर वास्तविक भार से अधिक खनिज सम्पदा लदा हुआ है.

सूत्रों का कहना है कि एक हाइवा में लगभग 18 टन भार ढोने की अनुमति होती है. लेकिन उक्त कंपनी प्रबंधन ने ट्रांस्पोर्टर की सांठ-गांठ से वास्तविक भार से लगभग 3-5 टन ओवर लोड अयस्क भेज रहा था. यह कार्य काफी दिनों से चल रहा है. ऐसा कर कंपनी न सिर्फ राजस्व की चोरी बडे. पैमाने पर कर रही है, बल्कि ट्रांसपोर्टर के साथ मिलकर भारी मुनाफा कमा रही है. परिवहन विभाग की इस कार्यवाही से उक्त कंपनी, ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिकों में खलबली व आपसी विवाद बढ़ गई है. सूत्रों के अनुसार वाहन मालिक इसके लिये कंपनी व ट्रांसपोर्टर को पूरी तरह से दोषी ठहरा रहे हैं, क्योंकि अगर कंपनी अपनी परिसर से ओवर लोड अयस्क नहीं देती तो वह ऐसा कार्य क्यों करते.

ओवर लोड अयस्क की अवैध तस्करी होने की भी पूरी संभावना हो सकती है. यह जांच का विषय है. पहले भी पैलेट की चोरी पश्चिम सिंहभूम जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लाइन ट्रकों आदि से करने की बातें सामने आती रही हैं. इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होने से बड़ा खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है.

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में लगाए पौधे

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड के निश्चिंतपुर गांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय उच्च विद्यालय प्रांगण में रविवार को हेल्पिंग हैंड्स संस्था के सदस्यों ने पौधरोपण किया.

इस दौरान टीम के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण व पेड़ पौधों का महत्व भी बताया. मौके पर संस्था के जय कुमार ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है. पौधे लगाने से पर्यावरण भी में प्रदूषण फैलने से बचाया जा सकता है. इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पौधरोपण कर पौधों की देखभाल करने का संकल्प भी लिया. इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय उच्च विद्यालय की वार्डन तनूजा कुमारी, शिक्षिकाएं व हेल्पिंग हैंड्स संस्था के सदस्य मौजूद थे.

मनीष जायसवाल ने लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सौंपने के लिए मतदाताओं का जताया आभार

नवनिर्वाचित सांसद की धन्यवाद यात्रा पहुंची विष्णुगढ़ व टाटीझरिया

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को विष्णुगढ़ और टाटीझरिया प्रखंड के करीब एक दर्जन गांवों का तूफानी दौरा कर मतदाताओं का लोकसभा चुनाव में प्रचंड मतों से उन्हें अपना सांसद बनाने के लिए आभार जताया. उन्होंने टाटीझरिया प्रखंड के खंभवा और मुक्ति दुधमनिया में आयोजित महायज्ञ में शामिल हुए और क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की. तत्पश्चात होलंग, बेरहो, डूमर, धरमपुर, दूधमनिया, डूंगो द्वारिका, मंडपा बानडीह, डहरभंगा और टाटीझरिया पंहुचकर स्थानीय जन समस्याओं से रूबरू हुए और

धन्यवाद यात्रा के दौरान नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल.

मतदाताओं का आभार जताया. यहां उनके साथ टाटीझरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, प्रखंड प्रमुख संतोष मंडल, मिथलेश पाठक, राजू यादव, राजेश कुमार यादव, सहदेव यादव आदि मौजूद रहे.

सदर विधानसभा क्षेत्र में हुआ जोरदार अभिनंदन : मांडू विधानसभा क्षेत्र स्थित विष्णुगढ़ जाने के क्रम में जायसवाल का सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड स्थित कर्बेकला (अमृतनगर) पंचायत स्थित केशूरा मोड़ और ग्राम पंचायत मेरू में स्कूल मोड़ और मेरू बस्ती में स्थानीय लोगों ने जोरदार अभिनंदन किया. मेरू पैक्स द्वारा आयोजित एग्रीकल्चर टूल किट वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और सखी मंडल की बहनों को कृषि टूल किट सौंपा. मौके पर विशेष रूप से सदर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचंद्र कुशवाहा, भाजपा एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष महेन्द्र राम बिहारी, मुखिया दिनेश कुमार, विजय कुमार, विजय वर्मा, सामेंद्र सिन्हा, अनेश्वर प्रसाद, श्यामलाल महतो, गौत्तम वर्मा, अजय राम, शैलेंद्र सिंह, अभय सिंह, उपेंद्र सिन्हा, महेश प्रसाद, सोनेलाल ठाकुर, अनूप कुमार, कौलेश्वर रजक, राजकुमार गुप्ता, प्रेम राम, अर्जुन प्रसाद आदि उपस्थित रहे.

रजरप्पा पहुं सांसद मनीष जायसवाल ने की पूजा

रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल की धन्यवाद यात्रा रविवार को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पहुंची. यात्रा निकालने से पहले जायसवाल रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका की विशेष पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. रजरप्पा मंदिर धार्मिक न्यास समिति के पदाधिकारी और सदस्य छोटू पंडा, राकेश पंडा, पोपेश कुमार पंडा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर की तस्वीर भेंटकर और चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत और सम्मान किया. इसके बाद जायसवाल विधानसभा क्षेत्र के गोला, बरलंगा, चितरपुर, दुलमी और रामगढ़ शहरी इलाके के कई क्षेत्रों का तूफानी दौरा किया. उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत गोला संस्कार विद्यालय प्रांगण से की.

बालू के अभाव में निर्माण कार्य पर लगा ब्रेक

अबुआ लाभुकों की परेशानियां बढ़ीं

संवाददाता। विष्णुगढ़

- आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा- मसला सिर्फ बालू का नहीं और भी कई पेचीदगियां

बालू के उठाव पर पाबंदी के कारण सख्त प्रशासनिक पहरा है. नतीजतन अबुआ आवास समेत सारे सरकारी और निजी निर्माण कार्य ठप पड़ गए हैं. एक तरफ बालू के उठाव पर पाबंदी है, तो वहीं अबुआ आवास के लाभुकों को आवास का काम जल्द पूरा करने का सरकारी फरमान भी मिला हुआ है. ऐसे में लाभुक अबुआ आवास पूरा करें भी तो कैसे? उक्त बातें आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य अजय कुमार मंडल ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही हैं. कहा है कि लाभुकों के लिए सिर्फ बालू ही मसला नहीं है. इसमें और भी कई पेचीदगियां हैं. जाति प्रमाणपत्र के अभाव में राशि की दूसरी क़िस्त जारी नहीं की जा रही है. संस्थागत भ्रष्ट व्यवस्था में जाति प्रमाणपत्र हासिल करना भी आसान नहीं है. कई लाभुक भूमिहीन हैं. आवंटित भूमि पर उनके अबुआ आवास बन रहे हैं. ऐसे में जाति प्रमाणपत्र बने भी तो कैसे. ग्रामसभा को दरकिनार कर लक्ष्य पूरा करने के लिए अधिकारियों ने आनन फानन में निर्माण कार्य शुरू करा दिए, मगर लाभुक अब सरकारी भंवर में फंस गए हैं. इससे बाहर निकलने का रास्ता उन्हें नहीं दिख रहा है. अब इस मसले का हल सरकारी स्तर पर ही संभव हो सकता है. इस बावत बीडीओ से जानकारी लेने के लिए मोबाइल फोन पर संपर्क की कोशिश की गई, पर उन्होंने कॉल नहीं लिया.

ब्रीफ खबरें

बाइक को हाईवा ने मारी टक्कर, दो मरे; एक घायल

चुरचू/चरही (हजारीबाग)। चुरचू के गोंदवार निवासी सुरुजमिन सोरेन (30) एवं उसकी सास मूर्ति टुडू (50) की रामगढ़ के कोठार चौक पर भीषण सड़क हादसे में घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सोनाराम मुर्मू (38) की हालत नाजुक बताई जा रही है. वह रांची आरएमसीएच के एसीयू में भर्ती है. जानकारी के अनुसार सोनाराम मुर्मू अपनी बाइक पर पत्नी व सास को लेकर रांची की ओर जा रहा था. उसी क्रम में रामगढ़ के कोठार चौक पर एक हाईवा ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घटना स्थल पर ही उनकी पत्नी और सास की मृत्यु हो गई, जबकि सोनाराम मुर्मू रांची आरएमसीएच में उपचाराधीन है, जिसकी स्थिति बहुत ही नाजुक बताई जा रही है.

मांडू विस उपचुनाव की तैयारी को लेकर बैठक

चरही (हजारीबाग)। चुरचू प्रखंड के चरही आकाश गंगा कार्यालय में आगामी मांडू विधानसभा उपचुनाव तैयारी को लेकर रविवार को बैठक का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता समाजसेवी आनंद सोरेन और संचालन पूर्व उपमुखिया सहदेव किस्कु ने किया. बैठक में प्रत्येक प्रखंड में बूथ कमेटी बनाने और सम्मेलन आयोजन करने का निर्णय लिया गया. बैठक में कार्यकर्ताओं ने आनंद सोरेन को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतारने का निर्णय लिया. मौके पर बिशुन मुर्म, सुखदेव सोरेन, अर्जुन टुडू, मोहन हेब्रोम, सहदेव किस्कू, एहतेसामुल हसन, मुनेश्वर रविदास, विकास टुडू, राजेश भुईया, जय नादान भारती, निखिल किस्कू, सुनील किस्कू, ऐनुल अंसारी आदि उपस्थित थे.

हाथी ने तलसवार में जमकर मचाया उत्पात

बड़कागांव। प्रखंड के अंतर्गत तलसवार-टिकरी टांड में शनिवार रात इकलौते हाथी ने जमकर उत्पात मचाया, जिससे स्थानीय ग्रामीण दहशत में हैं. वहीं तलसवार निवासी बिजेंद्र राणा का दरवाजा का उखाड़ दिया. हाथी डुमारो जंगल से सिमरातरी के तलसवार आ पहुंचा, जहां पर कई खेतों में लगी फसलों को नुकसाना पहुंचाया. यहां से टिकरी टांड गांव के किनारे होते हुए जंगल की तरफ बढ़ा. वहीं इस दरम्यान स्थानीय ग्रामीण ढोल बाजे बजाते रहे. वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से मदद लेने का प्रयास किया गया लेकिन किसी प्रकार का कोई सहयोग नहीं मिला. वहीं इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क करना चाहा लेकिन संपर्क नहीं हो पाया.

दूसरे राज्यों को रोशन करने वाले केरेडारी प्रखंड में 'चिराग तले अंधेरा'

बिजली की लचर व्यवस्था के खिलाफ जनप्रतिनिधि लामबंद

संवाददाता। केरेडारी

एनटीपीसी के केरेडारी प्रखंड में कोयला परियोजना से एक ओर जहां दूसरे राज्य रोशन हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जल जंगल और जमीन देकर परियोजना को स्थापित करने वाले केरेडारी के मूल निवासी इस भीषन गर्मी में बिजली के लिए तरस रहे हैं. बिजली के नाम पर केरेडारी के मूल निवासियों को कभी पांच घंटे तो कभी आठ घंटे, कभी-कभी तो 24 घंटे बिजली गुल रहती है. पूरे केरेडारी प्रखंड में व्याप्त बिजली की समस्या को लेकर केरेडारी के सभी जनप्रतिनिधि आंदोलन करने को एकजुट हो गए हैं.

इस संबंध में केरेडारी के उप प्रमुख अमेरिका महतो कहते हैं कि प्रखंड में अति शीघ्र बिजली की आपूर्ति नहीं की गई तो हम लोग पूरे केरेडारी प्रखंड में एनटीपीसी के कामकाज की नाकेबंदी करेंगे. वहीं सांसद प्रतिनिधि बालेसर कुमार कहते हैं कि एनटीपीसी द्वारा बनाये गये पगार सोतिया पावर सबस्टेशन से पूरे केरेडारी प्रखंड को बिजली आपूर्ति की जाए. कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में उपायुक्त, सांसद, विधायक एवं महाप्रबंधक एनटीपीसी केरेडारी चट्टी बरियातू कॉल परियोजना को आवेदन देकर अवगत कराया जाएगा. आजसू प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ महतो ने कहा कि तय समय

केरेडारी प्रखंड में चल रही बिजली की समस्या को लेकर आक्रोशित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण.

सीमा के अंदर अगर बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होता है तो हम सभी पूरे केरेडारी प्रखंड के ग्रामीण आर्थिक नाकेबंदी करेंगे.

वहीं विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव ने कहा कि जिस क्षेत्र का कोयला पूरे देश को जगमगाता है आज वहां बिजली के लिए आंदोलन हो रहे हैं. केंद्र और राज्य की सरकार को हर महीने करोड़ों रुपये रॉयल्टी के तौर पर जाते हैं. इसके बावजूद यहां के मूल निवासी बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं. लोग इस समस्या के समाधान का इंतजार कर रहे हैं. इस दौरान मौके पर मीनू महतो, भाजपा नेता बालेश्वर कुमार, उपप्रमुख अमेरिका महतो, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, आजसू प्रखंड अध्यक्ष बैद्यनाथ महतो, सुरेश साव, सीताराम महतो, सरजु महतो, अयोध्या कुमार, उपमुखिया जागेश्वर कुमार, मनोज सिंह, दुर्गा सिंह, देवेंद्र कुमार, रामकृष्ण राणा, बसंत कुमार, गुडु शर्मा, गौतम कुमार, रामचरित्र राम, विरेंद्र कुमार, दशरथ महतो, राजेंद्र प्रसाद साहू आदि उपस्थित हुए.

सांसद जायसवाल ने बिजली विभाग के अफसरों से तत्काल कदम उठाने को कहा

झारखंड में झुलसाने वाली गर्मी के बीच बिजली और जलापूर्ति में कटौती से लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं. बिजली वितरण निगम राज्य में डिमांड के अनुसार हर रोज 2400 से 2500 मेगावाट बिजली सप्लाई का दावा कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, पलामू, गिरिडीह, गोड्डा, दुमका सहित तमाम जिलों से हर रोज चार से लेकर आठ-नौ घंटे तक पावर कट्स लग रहे हैं. उद्योग, व्यापार और स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं. शहरों में पानी की सप्लाई भी बाधित हो रही है. बीते तीन-चार दिनों में रांची, धनबाद, हजारीबाग, लातेहार, चतरा और बोकारो में कई जगहों पर लोगों ने बिजली-पानी के संकट के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किए हैं. हजारीबाग में भाजपा के सांसद मनीष जायसवाल ने पूरे लोकसभा क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर विभाग के अफसरों के साथ शनिवार को बैठक की. उन्होंने लगातार बिजली कटौती पर आक्रोश जताया और अफसरों से समस्या के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा.

जयंत ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में जलवायु परिवर्तन पर रखे विचार

संवाददाता। हजारीबाग

पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने शनिवार को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखे. इस दौरान विश्व भर के अनेक जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ उपस्थित थे. कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के संबंध में कई आवश्यक मुद्दों पर विस्तृत संवाद किया गया.

जयंत सिन्हा जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए अपने सुझावों, कार्यों व रिपोर्टों से लगातार

पूर्व सांसद जयंत सिन्हा .

विशेष योगदान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तरह भारत भी जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहा है. इसके लिये हमें ग्रीन इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने की बेहद जरूरत है.

उन्होंने कहा कि हमें भारत में विदेश से निवेश बढ़ाना होगा ताकि हम पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग कर सकें. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस दिशा में आवश्यक कदम उठा रही है. उन्होंने भारत के लिए जलवायु परिवर्तन के संबंध में जो लक्ष्य रखे हैं, वो दुनिया के लिए आने वाले समय में वरदान साबित होंगे.

स्टार लेबलिंग एंड स्टैंडर्ड कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग। गीतांजलि होटल में रविवार को बीईसी एवं जेईआरडीए के सहयोग से स्टार लेबलिंग एंड स्टैंडर्ड प्रोग्राम का आयोजन किया गया. इसमें रांची से इंजीनियर ऑडिटर के रूप में चंदन तिवारी मुख्य रूप से मौजूद हुए. उनके द्वारा ग्राहकों एवं विक्रेता गण को विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया गया. इसमें ग्राहकों एवं विक्रेताओं को बताया गया कि यदि हम 3 स्टार का सामान प्रयोग करते हैं तो बिजली का बिल अधिक आता है. वहीं हम 5 स्टार सामान का उपयोग करते हैं तो बिल काम आता है. चैंबर आफ कॉमर्स के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने कहा कि ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना काफी सराहनीय है. मौके पर चैंबर के उपाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल, सह सचिव तारिक अहमद रजा, खेतान ऑटोमोबाइल के संचालक बजरंग लाल अग्रवाल आदि मौजूद थे.

बड़े बुजुर्गों की सुविधाओं का संरक्षण हमारा कर्तव्य : प्रीति

संवाददाता। चौपारण

उपप्रमुख प्रीति साहू ने कहा कि बड़े-बुजुर्ग हमारा स्वाभिमान हैं, हमारी धरोहर हैं. हमें उन्हें सहेजने की जरूरत है. यदि हम अपने समाज अपने परिवार में स्थायी सुख, शांति और समृद्धि चाहते हैं तो बुजुर्गों का सम्मान करना होगा, उनकी उम्मीद का किरण बनना होगा, उनके अंशु पोछने होंगे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना से 50 साल के महिला व अनुसूचित जाति-जनजाति पुरुषों को वृद्धावस्था पेंशन का निर्णय लिया है, परंतु प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से बार बार जानकारी प्राप्त हो रही है कि मैंने पेंशन का फॉर्म भरा परंतु दो से तीन माह गुजरने के बाद भी मोबाइल में किसी तरह का मैसेज नहीं आया है. कई बार बैंक जाकर खाता भी चेक करवाए, लेकिन

प्रीति साहू (उपप्रमुख)

उसमें भी पेंशन की राशि नहीं दिख रही है. अब चुनाव का कार्य भी संपन्न हो चूका है. अधिकारी भी नियमित रूप से अपने-अपने कार्य पर लौट चुके हैं. प्रखंड के वैसे सभी पेंशन के लाभार्थी जो प्रखंड कार्यालय आने सक्षम हैं, 19 जून मैं अपने कार्यालय में पूरे दिन उपस्थित रहूंगी, किसी बिचौलिए के झांसे में न आये. आपका काम प्रखंड कार्यालय में बिलकुल निःशुल्क होगा.

अकली बिरहोरिन का इलाज का खर्च उठाया कोयला उत्खनन परियोजना ने

संवाददाता। केरेडारी

पिछले वर्ष जाड़े के मौसम में केरेडारी प्रखंड के पगार बिरहोर टोला निवासी बिसून बिरहोर की पत्नी अकली बिरहोर का पांव रात्रि में सोने के दौरान गंभीर रूप से जल गया था. वह केरेडारी सीएचसी समेत सदर अस्पताल हजारीबाग में कई बार इलाज के लिए पहुंची, लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों ने इलाज में भी कोताही बरती. नतीजतन जख्म ठीक होने के बजाय और बढ़ता चला गया. पांव में इंफैक्शन भी हो गया. वह लगातार बेड पर पड़ी रही, लेकिन केरेडारी स्वास्थ्य विभाग का ध्यान कभी उसकी तरफ नहीं गया, जबकि सरकार का निर्देश है स्वास्थ्य विभाग अपने क्षेत्र में निवास कर रहे आदिम जनजाति का केयर करे, हर 15 दिन में बिरहोर टोले में टीम भेजकर उनकी

अस्पताल में उपचाराधीन बिरहोर महिला अकली.

स्वास्थ्य की जांच करे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया. उक्त बिरहोर महिला की जख्मी हालत की सूचना किसी ने चट्टी बरियातू माइंस में कोयला उत्खनन कर रही रित्विक प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के लाइजिंग मैनेजर रवि कुमार सिन्हा को दी. इसके बाद तब शुक्रवार को कंपनी ने जख्मी अकली बिरहोरिन को पहले आरोग्यम हॉस्पिटल हजारीबाग में भर्ती कराया, लेकिन पांव की हालत अत्यंत खराब रहने के कारण उसे यहां से रेफर कर दिया गया. इसके बाद कम्पनी ने उसे रांची के चर्चित निजी हॉस्पिटल देवकमल में भर्ती कराया है. कम्पनी के पदाधिकारी सिन्हा ने बताया कि उसके इलाज में जो भी खर्च आयेगा कम्पनी वहन करेगी.

पीवीयूएनएल के विस्थापित-प्रभावित ग्रामीणों ने बैठक कर उच्च प्राथमिकता देने की मांग की

विस्थापित-प्रभावितों के लिए बने ठोस पॉलिसी

संवाददाता। रामगढ़

कटिया सरना स्थित काली मंदिर परिसर में रविवार को पीवीयूएनएल के विस्थापित-प्रभावित ग्रामीणों की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता आदित्य नारायण प्रसाद व संचालन प्रदीप महतो व कौलेश्वर महतो ने संयुक्त रूप से किया.

इसमें विगत 9 जून को बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में सभी गांवों में गठित कोर कमिटी की विस्तृत जानकारी दी गई. पीवीयूएनएल गेट के समक्ष प्रस्तावित आम सभा की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया. कहा गया कि विस्थापित-प्रभावितों की धरती पर पीवीयूएनएल का विशाल पावर प्लांट बन तो रहा है लेकिन यहां अधिकारियों एवं बाहरी एजेंसियों के गठजोड़ के चलते रोजगार के जितने भी साधन हैं उनमें नियुक्ति, ठेकेदारी के काम, सप्लाई

पीवीयूएनएल के विस्थापित-प्रभावित ग्रामीणों की साप्ताहिक बैठक में आवाज बुलंद करते लोग.

आदि उन सभी पर येन-केन बाहरियों का कब्जा है. कहीं कोई पारदर्शिता नहीं है, कोई पॉलिसी नहीं है. ग्रामीणों ने बैठक के माध्यम से मांग की कि प्रबंधन शीघ्र हर तरह की बहालियों, ठेकेदारी आवंटन, सप्लाई आदि सभी में विस्थापित-प्रभावितों को उच्च प्राथमिकता देने के लिए ठोस और स्थायी पॉलिसी बनाए ताकि भविष्य में हमारे अधिकारों का हनन न हो और औद्योगिक शांति बनी रहे. निर्णय लिया गया कि इस गंभीर विषय को लेकर शीघ्र नव-निर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल से मिलकर उन्हें सारी स्थिति से अवगत कराया जाएगा. बैठक में कुमेल उरांव, राजा राम प्रसाद, किशोर कुमार महतो, मुखिया सुमन भारती, कपिल मुंडा, मनु मुंडा, भरत साव, सुरेश साहू, अशोक महतो, मनु मुंडा, देवराज कुमार, प्रमानंद राजीव, छोटू करमाली, नागेश्वर महतो, सनोज महतो, प्रदीप कुमार, नरेश महतो, रमेश महतो, जगदीश मुंडा आदि उपस्थित थे.

बैठक कायस्थ महासभा रामगढ़ का विस्तार, सूर्यवंश बने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

सुजीत कुमार सिन्हा को बनाया गया जिला उपाध्यक्ष

संवाददाता। रामगढ़

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा के आवासीय कार्यालय में रविवार को महासभा की एक बैठक हुई. इसमें महासभा का आंशिक विस्तार किया गया. इसमें गोला निवासी सुजीत कुमार सिन्हा को महासभा का रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष एवं लोहार टोला निवासी सूर्यवंश श्रीवास्तव को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया.

अध्यक्ष ने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष को 15 दिन के अंदर अपनी कमिटी का विस्तार कर सूचित करने को कहा. जिला अध्यक्ष ने अपने हाथों से सुजीत कुमार

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नए पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र भी सौंपा गया.

सिन्हा एवं सूर्यवंश श्रीवास्तव को मनोनयन पत्र सौंपा तथा महासभा के विस्तार एवं प्रगति के लिए प्रयत्नशील रहने को कहा. बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री राजीव पामदत्त, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार वर्मा एवं अमित सिन्हा उपस्थित थे.

दोनों पदाधिकारियों के मनोनयन पर बामेश्वर प्रसाद, राजीव पामदत्त, रोहित कुमार वर्मा, राजेश कुमार सिन्हा, दीपक कुमार सिन्हा, अनिल सिन्हा, सनत कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटु बाबू, आनंद कुमार सिन्हा, मुन्ना श्रीवास्तव, प्रो.प्रदीप सिन्हा, सुजीत नारायण सिन्हा, संजय अम्बष्ठ, मनोज कुमार सिन्हा, चित्रांश परिवार गोला के सचिव रविंद्र कुमार सिन्हा, अजीत कुमार सिन्हा, अधिवक्ता अनुज कुमार सिन्हा, कुंवर कुमार बक्शी, प्रदीप चंद्र लाला, संजय बक्शी, रजनीश आनंद, अभिषेक सिन्हा बधाई दी है.

खास बातें

- अध्यक्ष ने 15 दिन में कमेटी का विस्तार करने को कहा
- जिलाध्यक्ष ने अपने हाथों से मनोनयन पत्र सौंपा

एसपी ने रामनवमी संरक्षण समिति को किया सम्मानित

संवाददाता। हजारीबाग

राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की श्री श्री चैत्र रामनवमी के सफल समापन में महत्ती भूमिका निभाने को लेकर रामनवमी संरक्षण समिति को हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया. इस दौरान सिंह ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी के सफल आयोजन में रामनवमी संरक्षण समिति, रामनवमी महासमिति, सद्भावना विकास मंच सहित अन्य संगठनों का अतुलनीय योगदान रहा, जिसके फलस्वरूप हजारीबाग की ऐतिहासिक रामनवमी को शांतिपूर्ण व नशामुक्त मनाया गया. कहा कि

रामनवमी समिति को सम्मानित करते एसपी अरविंद सिंह.

रामनवमी संरक्षण समिति जुलूस के दौरान सक्रिय रहा, जिसके कारण रामनवमी जुलूस पारंपरिक जुलूस मार्ग से अपने गंतव्य तक पहुंचा. समारोह के दौरान रामनवमी संरक्षण समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार प्रधान ने कहा कि रामनवमी के शांतिपूर्ण समापन में उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह सहित जिले के सभी प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी का अहम योगदान रहा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से सप्तम चंद्र है. पार्टनर से मतभेद दूर होंगे. पहले किए गए कार्यों के उत्तम परिणाम आज देखने को मिलेंगे. लेन-देन करार की चिंता रहेगी. डूबा हुआ धन प्राप्त हो सकता है. अन्न दान करें.

वृषभ नस रोग से बचें. किया गया कार्य लाभकारी रहेंगे. साझेदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा. संतान, भाइयों से मदद मिल सकेगी. कारोबारी अनुबंध होंगे. योजना फलीभूत होगी. प्रतिष्ठा बढ़ेगी. प्रसन्नता रहेगी.

मिथुन भाई के साथ संबंध मधुर होंगे. संतान के साथ कुछ अच्छा होगा. राजकीय बाधा दूर होगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. चिंता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा में सावधानी आवश्यक है. जल्दी में कोई काम न करें. कार्यक्षमता बढ़ेगी.

कर्क समय सामान्य है.चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है. जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं. पठन-पाठन के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी. धैर्य रखें. व्यर्थ के दिखावे, आडंबरों से दूर रहना चाहिए. लाल फूल दुर्गामाता को अर्पण करें.

सिंह ्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ बढ़ेगा. परिवार में वैवाहिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी. व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन हो पाएगा. माता को लड्डू का भोग लगावें.

कन्या प्रसन्नता बनी रहेगी. बाहरी सहयोग सहज ही मिलेगा. व्यापार, नौकरी की चिंता रहेगी. दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा. कामकाज की संभावनाएं बनेंगी. अपने काम से काम रखना होगा.

तुला विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावहारिक समस्याओं का समाधान संभव है. दूसरों की मदद करके मानसिक संतोष मिलेगा. रुके कार्यों की चर्चा होगी. माता दुर्गा को इतर दान करें.

वृश्चिक स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. काम में मन नहीं लगेगा. धैर्य रखें. आर्थिक तंगी रह सकती है. लापरवाही, टाल-मटोल से समस्याओं को नहीं बढ़ाएं. कामकाज में विलंब होगा. किसी करार, लेख में धोखा संभव है.

धनु सही मेहनत का फल मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापारिक विवादों का निपटारा आपके पक्ष में हो सकेगा. अनजान लोगों पर विश्वास नहीं करें. नौकरी में अधिकारी प्रसन्नता दर्शाएंगे.

मकर उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. प्रयास करते रहें. संबंधों में सुधार की संभावना है. लापरवाही से काम नहीं करें. घर में खुशी का माहौल रहेगा. हितकारक व्यक्तियों से भेंट होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कुंभ भाग्य का साथ मिलेगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. सोचे काम समय पर पूरे होंगे. व्यक्तिगत अथवा व्यापारिक कार्य हो सकती है. सामाजिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें. कोई धार्मिक यात्रा का योग है. माता को उड़हुल फूल अर्पण करें.

मीन ुप्त शत्रु परेशान कर सकते हैं. समय सामान्य है. फालतू खर्च होगा. धैर्य रखें. परिवार की समस्याएं हल होंगी. वाणी पर संयम रखें. व्यापार अच्छा चलेगा. लिखा-पढ़ी के कामों में सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा.

टेबल टेनिस : पुरुष वर्ग में शिवाजी और महिला वर्ग में अर्चिता चैंपियन

रांची। हजारीबाग में आयोजित प्रथम रैंकिंग झारखंड राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन सह पुरस्कार वितरण रविवार को हुआ. पुरूष वर्ग में शिवाजी एवं महिला वर्ग में अर्चिता चैंपियन बने. महिला वर्ग में अर्चिता देने रांची की निर्मला कुमारी करकी को 4-0 (11-7, 11-2, 12-10, 11-6) से जबकि पुरुष वर्ग के कड़े मुकाबले में बोकारो के शिवाजी राय ने रांची के शत्रुंजय चक्रवर्ती को 4-2(13-11, 11-5, 7-11, 11-3, 8-11, 13-11) से मात दी. समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, विशिष्ट अतिथि विनोद झुनझुनवाला, झारखंड राज्य टेबल टेनिस संघ के मुख्य संरक्षक जयकुमार सिन्हा, सचिव समरजीत सिंह, रामगढ़ जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव राकेश कुमार मिश्रा ने खिलाड़ियों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया. प्रतियोगिता को सफल बनाने में झारखंड राज्य टेबल टेनिस संघ के कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, हजारीबाग जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, सचिव भैया मुरारी सिन्हा समेत एसोसिएशन के सभी लोग मौजूद थे.

विभिन्न आयु वर्ग के खेले गये मुकाबले के परिणाम

अंडर 15 बालक वर्ग के फाइनल में रांची के अर्थ घोष ने रांची के अलीशाद खान को 3-1 (11-7,11-9,8-11,11-9) से मात दी. अंडर 15 बालिका वर्ग में पूर्वी सिंहभूम की अंशिका महाजन ने हजारीबाग जिले के आण्वी गोयल को 3-0 (11-6, 11-8,11-5) से पराजित किया.

अंडर 17 बालिका वर्ग में अर्चिता डे ने गढ़वा की अंजली कुमारी को 3-0 (11-9,11-9,11-7) से परास्त किया.

अंडर 17 बालक वर्ग में गढ़वा के अनिमेष कुमार पांडे ने गढ़वा के ही नीतीश कुमार मेहता को 3-1 (11-4,5-11,12-10,15-13) से मात दी.

अंडर 19 बालक वर्ग में गढ़वा के नीतीश कुमार मेहता ने हजारीबाग के प्रतीक अग्रवाल को 3-0(11-6, 11-6, 12-10) को हराया.

भाजपा नेताओं ने सिंहभूम सीट पर मिली हार की समीक्षा की,सभी बूथों पर मिले मतों के बारे में ली गयी जानकारी

भाजपा ने सीएम को उनके विस क्षेत्र में 20 हजार मतों से पछाड़ा : भानु

संवाददाता । आदित्यपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय में सिंहभूम लोकसभा में मिली हार के लिए रविवार को समीक्षा बैठक की. इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष सह विधायक भानु प्रताप शाही और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह शामिल हुए. बैठक में चाईबासा जिलाध्यक्ष संजय पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, पार्टी प्रत्याशी गीता कोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, सरायकेला खरसावां जिला प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू के साथ बैठक में आये 6 विधान सभाओं के प्रभारी, संयोजक, सह संयोजोक, सभी पूर्व विधायक, जिला पदाधिकारी, मोर्चाओं के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा के जिला अध्यक्ष, सभी मंडल अध्यक्ष, वरीय कार्यकताओं ने हिस्सा लिया. अतिथियों ने कहा कि सभी कार्यकर्ता

बैठक में शामिल प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री, विधायक भानु प्रताप, जेबी तुबिद व अन्य.

चुनाव में पूरे मेहनत लगन से कार्य किए. यह अलग बात है कि हमलोग चुनाव जीत नहीं सके. चुनाव में हार जीत लगी रहती है. हम अपनी कमियों को तलाशेंगे, जिससे कि आगे हम विजय हासिल करेंगे. कर्मवीर सिंह ने कहा कि पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी 240 सीट पर जीत दर्ज कर एनडीए के सहभागी पार्टियों के साथ मिलकर पूर्ण बहुमत हासिल की है. सबने मिलकर नरेंद्र मोदी के ऊपर पूर्ण विश्वास रखते हुए उन्हें तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाया है. यह हमारे लिए गर्व की बात है. कर्मवीर सिंह ने कहा कि हमलोग आशा के अनुरूप झारखंड की 14 सीट में से 8 सीट और अपने सहयोगी आजसू पार्टी की एक सीट मिलाकर 9 सीट में जीते हैं. वर्तमान राज्य सरकार के इंडिया गठबंधन को 5 सीट ही मिली है. हमलोग हारे हुए सिंहभूम लोकसभा के साथ सभी 5 सीटों पर समीक्षा कर रहे हैं.

झारखंड की 14 सीट में से 8 सीट और अपने सहयोगी आजसू पार्टी की एक सीट मिलाकर 9 सीटें जीते

भानु प्रताप शाही ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से अपने प्रत्याशी गीता कोड़ा को जिताने में लगे. हार जीत तो लगी रहती है. मैं स्वयं एक बार हारा हूं. भानु प्रताप ने कहा कि इस चुनाव के बाद पूरे राज्य में यह चर्चा बनी रही कि सिंहभूम लोकसभा की प्रत्याशी गीता कोड़ा ने राज्य के मुख्यमंत्री को उनके विधान सभा क्षेत्र में 20 हजार से ज्यादा मतों से पछाड़ा. पूरा कुनबा मिलकर मुख्यमंत्री के विधान सभा में गीता कोड़ा को हराने में नाकाम रही. उन्होंने कहा कि आज हमलोग सिंहभूम लोकसभा के सभी विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत जानकारी लेकर आगे की रणनीति तय करेंगे जिससे कि आने वाले विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी पार्टियों के साथ मिलकर, वर्तमान भ्रष्ट्राचारी-अहंकारी -जनविरोधी-जनता को झूठ बोलकर गुमराह करने वाली इंडिया गठबंधन वालों को बुरी तरह हराकर सत्ता से हटा सकें. बैठक में पूर्व विधायक जवाहर लाल बानरा, पूर्व विधायक अनंत राम टुडू, पूर्व विधायक शशि सामड, गणेश माहली, गीता बालमुचू, रमेश हांसदा, सतीश पूरी, मनीष राम, दिनेश चंद्र नंदी, अमित सिंह बॉबी, कुबेर सारंगी, सुनील श्रीवास्तव, किशोर डागा, सुरेश साव, अमरेश प्रधान, मालती गिलुवा, मंगल गिलुवा, धीरज सिंह आदि शामिल रहे.

समय कम है , जिम्मेदारी बड़ी, जनता के बीच मौजूदगी को मजबूत बनाएं कार्यकर्ता

हालात बदलने के लिए संकल्प लेकर काम करें: सुदेश महतो

- आजसू पार्टी अपना स्थापना दिवस 22 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि राज्य में मौजूदा राजनीतिक हालात बदलने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता संकल्पित होकर काम करें. समय कम है और हमारी जिम्मेदारी बड़ी है. राज्य के विषय विचार और भावना की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करें. जनता के बीच अपनी मौजूदगी को रिश्ते में बदलना है. ये बातें उन्होंने रांची कांके रिंग रोड स्थित सुनैना बैंक्वेट हॉल में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में कही. इस दौरान पार्टी की भावी रणनीतियों और कार्यक्रमों पर पार्टी पदाधिकारियों ने विस्तृत चर्चा की.

गिरिडीह की जीत साधारण नहीं : केंद्रीय अध्यक्ष ने लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए राज्य भर के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार जताया. उन्होंने कहा कि गिरिडीह लोकसभा सीट में पार्टी के उम्मीदवार चंद्रप्रकाश चौधरी को जीत दिलाने में कार्यकर्ताओं और गठबंधन के सहयोगी साथियों का साथ महत्वपूर्ण रहा है. यह कोई साधारण जीत नहीं है.

22 जून को बलिदान दिवस : आगामी 22 जून को आजसू पार्टी अपना स्थापना दिवस राज्यभर में बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी. इस दिन सभी विधानसभा में विधानसभा स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

संघर्ष ही हमारी पहवान है और संघर्ष के बल पर हम संकल्पों को पूरे करेंगे

कार्यक्रम में शामिल आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व अन्य.

संघर्ष ही हमारी पहचान

सुदेश ने कहा कि संघर्ष ही हमारी पहचान है . संघर्ष के बूते ही हम अपने संकल्पों को पूरे करेंगे . इस राज्य ने पिछले साढ़े चार साल में खोया बहुत कुछ है . उसे वापस लाना है . इसलिए एक- एक कार्यकर्ता ईमानदारी से काम करें . पार्टी के पदाधिकारियों से भी उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर वे हर वर्ग में पहुंचे . उन्होंने पूर्व में दिये गए निर्देशों और तय कार्यक्रमों पर चर्चा की और कहा नेतृत्व तथा पार्टी के फैसले के साथ खड़े रहें . मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं . हम सभी को अपने राजनीतिक अनुभव को राज्य के हित में लगाना है .

निष्ठा के साथ निभाएं जिम्मेदारी : चंद्रप्रकाश चौधरी

पार्टी के उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर चुनौती का सामना हम सभी को मिलकर करना है. चुनाव परिणामों की समीक्षा आवश्यक है. समीक्षा के बाद उस कमी को दूर करना है. हम सभी को एक कार्यकर्ता के नाते अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करना है.

राजनीति का प्रयोगशाला बना दिया : रामचंद्र सहिस

प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि आजसू के पास स्पष्ट नीति और विचार है. हम सभी सामाजिक न्याय और विकास की अवधारणा पर चलने वाले लोग हैं. झारखंड को राजनीति का प्रयोगशाला बना दिया गया है. यह निराशाजनक है. पार्टी के विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि आजसू पार्टी सिर्फ जीत की नहीं विकास की बात करती है. पार्टी के भावी कार्यक्रम को हम भी मिलकर धरातल पर उतारने का काम करेंगे. इससे पहले पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह के नवनिर्वाचित सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी का गिरिडीह से एक बार फिर सांसद बनने पर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया.

पहली बार रांची में महिला फुटबॉल लीग का आयोजन, 20 को उद्घाटन

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते आयोजक.

- 19 टीमें ले रही हैं हिस्सा
- स्व . अमिताभ चौधरी के नाम से करायी जा रही है प्रतियोगिता

खेल संवाददाता। रांची

रांची में पहली बार लड़कियों के लिए फुटबॉल लीग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है. स्वर्गीय अमिताभ चौधरी के नाम आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन 20 जून को किया जायेगा. छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) इस प्रतियोगिता को आयोजित कर रहा है. इसमें रांची जिले की 19 टीमें हिस्सा ले रही है. इस संबंध में रविवार को स्व अमिताभ चौधरी के बेटे अभिषेक चौधरी ने अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी. अभिषेक चौधरी ने कहा कि इस लीग से नयी प्रतिभाओं को खेलने का मौका मिलेगा. साथ ही खिलाड़ियों को रांची में पहली बार लीग में खेलने का मौका भी मिलेगा. सीएए के सहयोग से लीग को बहुत ही अच्छे ढंग से कराया जायेगा. लीग कराने का मकसद दूर-दराज के खिलाड़ियों को सही मंच दिलाना है. इस आयोजन में वे हर संभव सहयोग देंगे. कहा कि उभरती और योग्य प्रतिभाओं को मदद करने का भरसक प्रयास करेंगे.

सीएए के महासचिव आसिफ नईम ने आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि खेलों में अमिताभ चौधरी का अहम योगदान रहा. उनके जाने के बाद उनके परिजनों के सहयोग से रांची महिला फुटबॉल लीग 2024 का आयोजन खेलगांव में किया जायेगा. खेलगांव के दो ग्राउंड में हर दिन 4 मैच खेले जायेंगे. प्रतियोगिता लीग कम नॉट आउट और फीफा के रूल-रेगुलेशन के आधार पर खेली जायेगी. हर मैच में बेस्ट प्लेयर को अवार्ड मिलेगा. खिलाड़ियों के लिए कीट, रिफ्रेशमेंट की भी व्यवस्था रहेगी. इस प्रतियोगिता से बेहतरीन प्लेयर्स को अपने करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा. इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता की जर्सी का भी लोकार्पण किया.

ये टीमें खेलेंगी

ग्रुप-ए : रांची ब्रेकर्स, सुरुद एफ.सी. नामकुम, तरुण घोष एफ.सी. धुर्वा, लिटिल एंजल रेड, ब्लू पैंथर, सशक्त क्लब, सिल्ली स्पोर्ट्स अकादमी

ग्रुप-बी : डीएसएस अकादमी, शहीद बिरसा क्लब जोरार, नामकुम, आशा एफ.ए भुसूर, युवा क्लब, जेएसएसपीएस, लिटल एंजेल ब्लू

ग्रुप-सी: जीटीएक्स डार्क होर्स एफ.सी., स्टार वॉरियर्स एफ.सी. चारदी, कांके, जय जवान क्लब डिबडीह, राइट टू क्लिक चारिहुजिर, एसएसएफसी नागड़ी, यूनाइटेड एफसी छोटानागपुर, बुंडू

झारखंड में 44 स्थानों पर मना देवनद दामोदर महोत्सव सह गंगा दशहरा

संवाददाता। रांची

युगांतर भारती, नेचर फाउंडेशन, दामोदर बचाओ आंदोलन और देवनद-दामोदर क्षेत्र विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड राज्य के 44 स्थानों पर देवनद-दामोदर महोत्सव-2024-सह-गंगा दशहरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में शामिल वस्तु एवं सेवा कर आयुक्त संतोष कुमार वत्स ने कहा कि देवनद-दामोदर महोत्सव 2024 सह गंगा दशहरा कार्यक्रम अत्यंत ही सराहनीय है. उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता को प्रोत्साहन मिलता है.

बोकारो जिला के ललपनिया में मुख्य अतिथि के रूप में गोमिया के विधायक लम्बोदर महतो, दामोदर एवं भैरवी नदी के संगम पर स्थित रजरप्पा मंदिर, रामगढ़ में मुख्य अतिथि के रूप में वस्तु एवं सेवा कर आयुक्त संतोष कुमार वत्स एवं युगांतर भारती के कार्यकारी अध्यक्ष अंशुल शरण, चन्द्रपुरा

देवनद-दामोदर महोत्सव 2024 सह गंगा दशहरा का जिलावार स्थान

बोकारो। ललपनिया, तेनुघाट डैम, बीटीपीएस, जारंगडीह खेतको, बनासो मंदिर, जरीडीह बाजार बेरमो, रामविलास उ.वि. बेरमो, हिन्दुस्तान पूल, फूसरो, भंडारीडाह, चंद्रपुरा, जामुनिया पूल, दुग्धा, तेलमच्चो, अमलाबाद, भैरव स्थान भोलूडीह, झरना आश्रम, झरिया रोड, दीवानगंज, गरगा पुल, चास, पाण्डेय पुल चीरा, बीएस सिटी कॉलेज, चास, हनुमान नगर, वीरा कॉपरेटिव पुल, गरगा डैम, जैनामोड़ वअम्बागढ़ा पेटरवार.

बोकारो में वरिष्ठ महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान, चंद्रपुरा परियोजना, मनोज कुमार ठाकुर, रांची के चुटिया स्थित इक्कीस महादेव मंदिर में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी समेत हजारों लोग पूरे राज्य से अपने-अपने क्षेत्रों में शामिल हुए

70% से अधिक नंबर लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करेगा पासवा

संवाददाता। रांची

पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में पासवा द्वारा राज्य का सबसे बड़ा प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी 02 जुलाई 2024 को आयोजित किया जाएगा. राज्य के सबसे बड़े इनडोर स्टेडियम हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम खेल गांव में इसका आयोजन होगा. इसमें मैट्रिक व इंटर की परीक्षा सीबीएसई आईसीएसई तथा जैक बोर्ड में 70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 20,000 से अधिक बच्चों को सम्मानित करने का लक्ष्य रखा गया है. पासवा के प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशन नाथ शाहदेव ने बताया कि सिर्फ सर्वोच्च अंक लाने वाले ही नहीं बल्कि किसी कारण से कुछ नम्बर कम लाने वाले विद्यार्थी भी समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकते हैं. इसलिए उन्हें भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है.

आयोजन की जानकारी देते पासवा के सदस्य.

व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए छात्र करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन : पासवा प्रदेश महासचिव सह राष्ट्रपति अवार्डी फलक फातिमा ने बताया कि झारखंड के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव और युवा एवं खेलकूद मंत्री हफीजुल हसन बतौर मुख्य अतिथि समारोह में सम्मिलित होंगे. पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार ने बताया कि देशभर से विभिन्न राज्यों के पासवा पदाधिकारी तथा झारखंड के प्रत्येक जिले से पासवा के जिला व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे. व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए छात्र अपना रजिस्ट्रेशन पासवा के द्वारा दिए गए लिंक पर कराना होगा जिसे बहुत जल्द जारी किया जाएगा. सम्मान समारोह के दिन भी हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम खेलगांव में ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन प्रातः 8:00 बजे से 10.00 बजे तक चलेगा.

खास बातें

- वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव करेंगे समारोह का उद्घाटन
- युवा एवं खेलकूद मंत्री हफीजुल हसन होंगे मुख्य अतिथि

आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में छात्र-अभिभावक मीट का आयोजन

आईएचएसएम मेडिकल कॉलेज के 200 छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता। रांची

रविवार को प्राइम एडुटेक द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में आइएचएसएम (इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसीन) छात्र-अभिभावक मीट का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया. सम्मानित हुए छात्र आइचएसएम बिस्केक, किर्गिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं. आएचएसएम के डीन डॉ. जी भानुप्रकाश ने बताया कि आएचएसएमबिस्केक, किर्गिस्तान, में 90% से अधिक छात्र-छात्राएं भारत से हैं. यह मेडिकल कॉलेज इंडियन मैनेजमेंट द्वारा चलाया जा रहा है, जो सन् 2003 से संचालित है. उन्होंने बताया कि आइएचएसएम में फिलहाल झारखंड एवं बिहार के 400 से अधिक छात्र-छात्राएं मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. अबतक 225 से अधिक स्टूडेंट्स डॉक्टर की डिग्री प्राप्त कर बिहार व झारखंड के हॉस्पिटल में कार्यरत हैं और अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं.

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल छात्र व अभिभावक.

प्राइम एजुटेक के संस्थापक व आइएचएसएम के रिजनल डायरेक्टर सदानंद मंडल ने बताया कि इस वर्ष नीट की परीक्षा में लगभग 25 लाख बच्चों ने परीक्षा दी थी, जिसमें लगभग 13 लाख बच्चे क्वालीफाई कर चुके है,लेकिन इंडिया में मेडिकल की सीटें लगभग डेढ़ लाख ही हैं. प्राइम एजुटेक विगत 13 वर्षों से एक प्लेटफॉर्म प्रदान कर रही है, जहां से छात्र अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई बेहद ही किफायती फीस में पूरी कर सकते हैं. स्टूडेंट्स-पैरेन्ट्स मीट में चीफ गेस्ट के रूप में आइएचएसएम के डीन डॉ जी. भानुप्रकाश, स्पेशल गेस्ट के रूप में लेक्चरर अजिजा अझीबेकोवा, सिजोरा जकीरोवा (स्पेशलिस्ट ऑफ इंटरनेशनल को-ऑपरेशन सेंटर) रिजनल डायरक्टर सदानंद मंडल व प्राइम ग्रुप की डायरेक्टर डॉ. नूतन मंडल उपस्थित थे.

कर्मचारी के आत्महत्या के प्रयास पर महासंघ में असंतोष, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

दुमका स्थित एसपी कॉलेज के एक तृतीय वर्ग कर्मचारी अमर आर्चर टुडू ने पिछले दिनों सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय प्रशासन पर एरियर भुगतान के मामले में परेशान करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या का प्रयास किया. इस पर झारखंड विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ ने चिंता जतायी है. महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार राय एवं प्रांतीय महामंत्री विश्वंभर यादव ने कहा है कि झारखंड जैसे आदिवासी प्रदेश के लिए यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है. उच्च न्यायालय से न्यायादेश पारित किये जाने के बावजूद विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें एरियर की राशि का भुगतान नहीं किया गया. ऐसी घटना

विश्वंभर यादव

विश्वविद्यालय प्रशासन एवं सरकारी तंत्र की कार्य प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ी करती है. इसे लेकर सभी क मंच रिय ों लंबित मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन भी किया. यादव ने कहा कि महासंघ, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र के कर्मचारियों द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन के कार्यक्रमों का सम्पूर्ण समर्थन करता है. झारखंड सरकार से इन कर्मचारियों की मांगों पर विचार कर यथाशीघ्र पूर्ति करे अन्यथा महासंघ राज्य स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन करेगा.

विश्व शांति की जरूरत

गाजा और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच ग्लोबल पीस इंडेक्स की रिपोर्ट चिंताजनक है. इसके अनुसार हाल में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में 56 संघर्ष हुए हैं. दूसरे विश्व युद्ध के बाद के पिछले लगभग आठ दशकों में इतनी अधिक अशांति कभी नहीं रही. यह रिपोर्ट आंकड़ों में प्रकाशित हुई है, लेकिन ऐसी अशांति दुनिया को किस ओर ले जा रही है, यह बतलाने की ज़रूरत नहीं. इन संघर्षों के कारण होती तबाही से विकास पीछे रह जाता है. रिपोर्ट दुनिया भर में शांति बहाली के नये प्रयासों की जरूरत को भी दर्शाती है. संघर्षों में एक ओर देशों को अपने बजट का बड़ा हिस्सा सेनाओं, गोला-बारूद आदि पर खर्च करना पड़ता है, जिसके कारण नागरिकों की सुविधाओं में कटौतियां होती हैं. विस्थापन, मौतें, भुखमरी, बीमारियां, अशिक्षा आदि युद्धों का प्रत्यक्ष प्रतिफल है. स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, आवास व्यवस्थाएं या तो सीधी लड़ाइयों में बर्बाद होती हैं अथवा उन पर खर्च करना उन देशों की सरकारों के लिए कठिन हो जाता है, जो संघर्षों में शामिल होते हैं. वैश्विक शांति के बिना मानव के विकास और उसकी गरिमा की कल्पना नहीं की जा सकती. यह स्थिति सभ्य समाज के अनुकूल नहीं है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 11 करोड़ लोग लड़ाइयों के चलते विस्थापित हुए हैं या शरणार्थी शिविरों में जीवन जी रहे हैं. रिपोर्ट में बतलाया गया है कि 92 देशों की सीमाओं पर या तो युद्ध जारी हैं अथवा वहां युद्ध सदृश परिस्थितियां हैं. 97 देशों में शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गयी है. रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है. वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है. ऐसे ही, इज़रायल के साथ फिलीस्तीन, ईरान आदि की लड़ाइयों के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है. हजारों लोग मारे गये हैं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं. इन युद्धों के कारण अधोरचना का विनाश सर्वाधिक होता है. सड़कें, पुल, स्कूल भवन, अस्पताल, आवासों को जो क्षति होती है, वह नागरिकों का सीधा नुकसान है. युद्ध के चलते तक पुनर्निर्माण सम्भव नहीं होता और युद्ध रुकने के बाद देशों को बदहाली से उबरने में वर्षों लग जाते हैं. युद्ध के कारण माली हालत जर्जर हो जाती है. इस रिपोर्ट में बताया गया है कि लड़ाइयों के कारण 19 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है, जो दुनिया की जीडीपी का 13.5 फीसदी है. इन स्थितियों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका पर भी प्रश्न चिह्न लगा हुआ है. अक्सर माना जाता है और जो बड़े पैमाने पर सही भी है कि बड़े व शक्तिशाली देशों पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का बस नहीं चलता. उपरोक्त उल्लिखित दोनों ही देशों में ऐसा होता दिखा है. यहां यह भी समझ लेना ज़रूरी है कि बहुत से शक्तिशाली देश हथियार उत्पादक भी हैं, जिनकी दिलचस्पी शांति में कम युद्ध या तनाव की स्थिति को बनाये रखने में होती है. विश्व जनमत ही अपने अपने देशों में युद्ध रोकने का दबाव बना सकता है. युद्धविरोधी जनांदोलन की भी जरूरत है.

रिपोर्ट में बतलाया गया है कि 92 देशों की सीमाओं पर या तो युद्ध जारी हैं अथवा वहां युद्ध सदृश परिस्थितियां हैं. 97 देशों में शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गयी है. रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है. वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है.

सुभाषित

अनारम्भो हि कार्याणां प्रथमं बुद्धिलक्षणम् ।
प्रारब्धस्यान्तगमनं द्वितीयं बुद्धिलक्षणम् ॥

आलसी लोगों की बुद्धि के दो लक्षण होते हैं - प्रथम कार्य को आरम्भ ही नहीं करना और द्वितीय भाग्य के भरोसे बैठे रहना. यानी आलसी लोगों की यह विशेषता होती है कि वे या तो कार्य का प्रारंभ ही नहीं करते. अगर किसी कारण वश प्रारंभ कर देते हैं तो उसे अधूरा ही छोड़ देते हैं. दूसरा भाग्य भरोसे बैठे रहते हैं.

कुछ तो शर्म कीजिए सरकार ?

नीट परीक्षा में सफल होकर डॉक्टर बनने का सपना पालने वाले लाखों छात्रों पर क्या बीत रही है, यह शायद सरकार को समझ नहीं आ रहा. देश के नए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तुरंत एनटीए को ईमानदारी का सर्टिफिकेट दे दिया, जबकि ऐसे कई संकेत मिल रहे हैं, जिनसे संदेह होता है कि इस बार परीक्षा और रिजल्ट में गड़बड़ी हुई है. उधर, कांग्रेस पार्टी ने पीड़ितों की भावनाओं को समझते हुए ऐलान कर दिया है कि वह इस मामले पर चुप नहीं बैठेगी. वह इस मुद्दे पर संसद से सड़क तक संघर्ष करेगी.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

अब जाकर साहब बहादुर की नींद टूटी है. कई दिनों से जारी देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन, हो-हंगामे से लेकर कोर्ट-कचहरी तक मामला पहुंच जाने के बाद सरकार ने मुंह खोला है. और मुंह खोला भी तो किसके लिए? विद्यार्थियों के लिए? नहीं-नहीं, एनटीए के लिए. देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट एग्जाम पर जारी विवाद को लेकर अपने पहले ही बयान में एनटीए की तरफ से ईमानदारी का ठेका ले लिया. महोदय बोले- कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है. सरकार कोर्ट को जवाब देने को तैयार है. मंत्री महोदय, क्या सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट को जवाब नहीं देने का विकल्प भी है क्या? अगर नहीं तो फिर किस बात का ढोल पीट रहे हैं कि सरकार जवाब दे देगी, मानो जवाब देकर वह सुप्रीम कोर्ट या नीट परीक्षार्थियों और उनके परिजनों पर कृपा कर देगी. जरा सोचिए, यह गुरूर तब है जब विभिन्न मुद्दों पर नाराज देश के मतदाताओं ने अभी-अभी आपको जमीन सुंघाई है. आपका 400 पार का नारा फुस्स हो गया और 272 पार भी नहीं कर सके, लेकिन कहते हैं न- जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है. इस सरकार का विवेक दम तोड़ता दिख रहा है, वरना नीट रिजल्ट पर विवाद गहराते ही एनटीए चीफ विनीत जोशी को तुरंत पद से हटाने का लान हो जाता, लेकिन बुद्धि की बलिहारी देखिए- सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुंच जाने के बाद भी ऐक्शन लेना तो दूर, उल्टे एनटीए के बचाव में बयान दे रही है सरकार. क्या उसे अब भी इस बात का गुरूर है कि आम जनता बहुत भोली है, वह वही समझेगी, जो उसे समझाया जाएगा? अगर ऐसा नहीं है तो फिर तमाम परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कैसे कह दिया कि भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं. अगर भ्रष्टाचार नहीं हुआ है तो बिहार में जो नीट स्टूडेंट पकड़ाया और उसकी निशानदेही पर दूसरे लोग पकड़े गए, वह सब गलत है? ऐसा है तो धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय या एनटीए बिहार पुलिस पर केस क्यों नहीं करते? क्या दोनों में कोई, बिहार में गिरफ्तार आरोपियों को पाक साफ बताने की हिम्मत जुटा पाएगा? अगर बिहार पुलिस की कार्रवाई सही है या कम से कम गलत होने का पुख्ता सबूत नहीं है, तो फिर एनटीए को किस आधार पर ईमानदारी का सर्टिफिकेट दिया गया है?

पहले एनटीए कहता है कि नीट एग्जाम 2024 के रिजल्ट 14 जून को आएंगे. फिर बिना किसी सूचना के 4 जून को ही रिजल्ट जारी हो जाता है. मजे की बात है कि पूरे देश और देशभर के मीडिया का ध्यान उसी दिन आ रहे लोकसभा चुनावों के रिजल्ट पर रहता है. नीट रिजल्ट की खबर मीडिया में कहीं दब सी जाती है. क्या नीट की यह हरकत चोर की दाढ़ी में तिनके की कहावत को प्रमाणित नहीं करती है? तय तारीख से 10 दिन पहले बिना कोई जानकारी दिए रिजल्ट जारी करने का मकसद क्या था? इस सवाल का जवाब आया है. एनटीए ने कहा कि रिजल्ट तैयार हो गया था तो 10 दिन रोक कर रखना सही नहीं होता. पहले रिजल्ट जारी होने से काउंसलिंग और एडमिशन की प्रक्रिया समय से पूरी हो जाएगी, लेकिन अब क्या हो रहा है? मामला सुप्रीम कोर्ट में है. सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को इस मामले की सुनवाई करेगा. अब पता नहीं सुप्रीम कोर्ट का क्या फैसला आता है, लेकिन अगर शीर्ष कोर्ट ने एग्जाम ही न कैंसिल कर दिए, तब क्या होगा. यही नहीं नीट एग्जाम में धांधली हुई, इसके और भी कई संकेत हैं. पहली बार 67 परीक्षार्थियों को पूरे 720 नंबर आना. यह आंकड़ा सामान्य से करीब 17-18 गुना है. अब तक ज्यादा से ज्यादा 3-4 स्टूडेंट्स को ही 720 में 720 अंक प्राप्त हुआ करते थे. इस बार तो पूरे-पूरे अंक पाने वाले छह परीक्षार्थी एक ही एग्जाम सेंटर से हैं. एनटीए कहता है कि यह सिर्फ संयोग है. वाह, सारे संयोग इस बार ही बन रहे हैं! संयोग से 10 दिन पहले रिजल्ट तैयार हो गया और संयोग से ही 1,500 से ज्यादा बच्चों को ओएमआर शीट देर से मिली और उन्हें ग्रेस मार्क देने की नई प्रथा चलानी पड़ी. फिर ग्रेस मार्क देने का फैसला बिल्कुल ईमानदारी पर आधारित है, तो इसे वापस लेकर 1,500 स्टूडेंट्स का दोबारा एग्जाम लेने की नौबत क्यों आई? क्यों नहीं सुप्रीम कोर्ट के सवालों का सामना कर उसे बताया जाए कि ग्रेस मार्क्स की व्यवस्था बिल्कुल सही है? ठीक है, एनटीए के कर्ता-धर्ता देश के सबसे टॉप एग्जाम यूपीएससी से निकले दिग्गज लोग हैं, लेकिन इसका मतलब ये तो नहीं कि बाकी जनता महामूर्ख है, उसे कुछ समझ ही नहीं आता?

देश के शिक्षा मंत्री जी, अभी भी वक्त है, सुधर जाइए. अब भी मौका है, एनटीए पर कार्रवाई कीजिए. पहले ऐक्शन में तो एनटीए चेयरमैन को तुरंत हटाने का ऐलान हो. वैसे भी सुप्रीम कोर्ट के पास मामला है, तो वही इस ऐक्शन का आदेश दे सकता है. अगर ऐसा हुआ तो हे सरकार बहादुर, आपके हाथ से एक बड़ा मौका निकल जाएगा. आम जनता में यही छवि बनेगी कि सरकार भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ी रहती है, सुप्रीम कोर्ट ने उनका दर्द समझा और न्याय का मार्ग प्रशस्त किया. जरा सोचिए, अगर ऐसा हुआ तो भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान छेड़ने का दंभ भरने वाली आप की सरकार की कैसी भद्द पिटेगी? प्रधान श्रीमान, आपको चहेते आईएएस की चिंता है जिसे आपने नौकरी दी, लेकिन जिसने आपको नौकरी दी, उस प्रधानमंत्री और उसकी पूरी सरकार की चिंता कौन करेगा? अगर सरकार की साख दांव पर लगेगी तो उसका परिणाम क्या होगा, यह तो 10 दिन पहले 4 जून को ही देख चुके हैं. इसलिए आम लोगों को मूर्ख समझना छोड़िए और कम से कम उनके साथ खड़ा हुआ दिखने की कोशिश कीजिए. आपको क्या पता कि वर्षों हाड़ तोड़ मेहनत करने के बाद धांधली की आशंका मात्र से स्टूटेंड्स और उसके परिजनों पर क्या बीतती है. आपको क्या पता कि जब नीट एग्जाम कैंसल हो गया और बच्चों को दुबारा परीक्षा में बैठना पड़ा तो क्या स्थिति बनेगी. इतना जान लीजिए, आज जनता परेशान होगी तो कल मौका मिलते ही नेता को परेशान करेगी ही करेगी. आप फुल प्रूफ तो हैं नहीं. जैसी करनी, वैसी भरनी की कहावत यूं जाया तो नहीं जाने वाली.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मानस प्रभाव

प्रजा का हाल-चाल जानने के उद्देश्य से, हर माह की पहली तिथि को, नगर बाज़ार में राजा की सवारी निकलती थी. बाजार में एक दुकान पर बैठे एक व्यापारी को देखकर, आजकल राजा असहज महसूस करने लगे. उन्हें उस व्यापारी की सूरत देखते ही अप्रीति उत्पन्न होती. राजा इस बात से अधिक समय तक अनजान नहीं बने रह सके, लेकिन उन्हें यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर यह हो क्या रहा है. क्यों उस व्यापारी को देखते ही उन्हें क्रोध आ जा रहा है, जबकि क्रोध का कोई कारण नहीं है. राजा समझदार थे, अकारण उपजते द्वेषभाव ने उसे चिंतित कर दिया. उन्होंने ठान लिया यह समस्या अगर जटिल है तो इसका समाधान भी निकालना होगा. दरबार में पहुंचकर राजा ने अपने बुद्धिमंत प्रधान को यह बात बताई. प्रधान नें राजा की समस्या का कारण जानकर, उसके जल्द ही समाधान का भरोसा दिलाया. दूसरे ही दिन प्रधान, उस व्यापारी की दुकान पर गया और हालचाल पूछा. व्यापारी ने बताया कि वह चन्दन की लकड़ी का व्यापारी है, आजकल इस धंधे में घोर मंदी है और बिक्री बिलकुल भी नहीं हो रही, वह परेशान है. प्रधान ने तत्काल राजमहल में उपयोग हेतु प्रति दिन 10 किलो चन्दन पहुंचाने का आदेश दिया एवं राजकोष से प्रतिदिन भुगतान ले जाने की सूचना कर दी. अगले ही नगर-भ्रमण के दौरान, उस व्यापारी को देखकर राजा को स्नेह और उत्साह महसूस हुआ. राजा ने प्रसन्न मुद्रा में प्रधान की ओर दृष्टि घुमाई, प्रधान ने भी मुस्कराकर अभिवादन किया. प्रधान ने एकांत में राजा को बताया कि बिक्री न होने के कारण व्यापारी के मन में बुरे विचार उठते थे. वह सोचता कि यदि यह राजा मर जाए तो मेरी बहुत सारी चन्दन की लकड़ी बिक जाए. उसके इसी बुरे चिंतन के फलस्वरूप आपको उसे देखकर घृणा उपजती थी. मैंने आपकी तरफ से प्रतिदिन लकड़ी खरीदने की व्यवस्था करके, उसके चिंतन की दिशा बदल दी. अब वह आपके दीर्घ जीवन की कामना करता है. मन के विचारों का प्रभाव जोरदार होता है. आशय यही है कि मन में उठने वाले अच्छे या बुरे विचारों की तरंगें आसपास के लोगों तक पहुंचती रहती हैं, जिसका प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है. यदि आपके मन में अच्छे विचार उत्पन्न हो रहे हैं तो उसके प्रभाव से आप उन सभी लोगों के प्रिय बन जायेंगे, जो आपके समीप आयेंगे. वहीं यदि आपके मन में बुरे विचार आ रहे हैं तो वे भी तरंगित हो कर अन्य लोगों तक पहुंचेंगे और लोगों के मन में आपके प्रति घृणा उत्पन्न होने लग जाएगी.

धरती को चाहिए एक नया विकास-नजरिया

• विमर्श

सुनीता नारायण

स्थिति को बदलने के लिए, हमें दो तरह के सुधार करने होंगे. पहला, हमें जमीनी स्तर की संस्थाओं को मजबूत करना होगा, जिनमें स्थानीय लोग भाग ले सकें. विकास कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए हमें जन-भागीदारी वाले लोकतंत्र की जरूरत है. देश के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायती राज और शहरी क्षेत्रों के लिए नगरपालिका प्रणाली के जरिए जनता के संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए संविधान में 73वें और 74वें संशोधन को मंजूरी दिए हुए अब 30 साल से ज्यादा हो चुके हैं. हमने ग्रामसभाओं को मजबूत बनाकर लोकतंत्र को और गहरा करने का प्रयोग कर चुके हैं. लेकिन ये सब अधूरा काम है. प्राकृतिक संसाधनों पर गांव और शहर की सरकारों को नियंत्रण देने के लिए हमें अभी बहुत कुछ करना बाकी है. हमें उनकी योजनाओं और फंडों का प्रबंधन करने, हरित रोजगार यानी पर्यावरण के अनुकूल जॉब पैदा करने, और प्राकृतिक संसाधनों में निवेश करने की जरूरत है. हमें लोकतंत्र के शोर का स्वागत करना चाहिए. तीसरी बात, विकास योजनाओं को बनाने में नई सोच की जरूरत है. बहुत समय से सरकारें दो रास्तों पर फंसी रहीं हैं - एक तरफ कल्याणकारी योजनाएं, जिन्हें अक्सर 'मुफ्तखोरी' समझ लिया जाता है, और दूसरी तरफ कम से कम सरकारी दखल वाला पूंजीवादी तरीका. मेरी राय में, जलवायु परिवर्तन के इस दौर में विकास की नई सोच की जरूरत है. सरकार को विकास के तरीकों को फिर से बदलना होगा ताकि सबको फायदा हो, खर्चा कम आए और इस तरह वो टिकाऊ भी रहे.इसका मतलब है कि हमें लगभग हर क्षेत्र में अपने काम करने के तरीकों को फिर से तय करने, सोचने की जरूरत है. मसलन, हमें ऐसी सफाई व्यवस्था बनानी होगी जिसके लिए ज्यादा पैसा या संसाधन न लगे. साथ ही, बिजली तक पहुंच ऐसी होनी चाहिए कि वो स्वच्छ तो हो ही, लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है कि वो सस्ती भी हो. इसके लिए योजना बनाने और उसे लागू करने के तरीकों में बदलाव लाना होगा.हमें विकास का एक नया नजरिया चाहिए जो धरती के लिए तो फायदेमंद हो ही, साथ ही हर एक व्यक्ति के लिए भी काम करे. यही वो मुद्दा है जिस पर नई या पुरानी सरकार को ध्यान देना चाहिए. ये हमारा साझा एजेंडा है.भारत में 2024 के आम चुनाव ऐसे समय हुए, जब देश जलवायु से जुड़ी कई मुसीबतों और चुनौतियों का सामना कर रहा था. इसलिए आश्चर्य नहीं कि जलवायु परिवर्तन तकरीबन सभी पार्टियों के चुनाव घोषणा पत्रों में शामिल हो गया है. भारतीय जनता पार्टी ने ऊर्जा के नए स्रोतों की तरफ बढ़ते कदम को स्वीकारते हुए कहा है कि वे देश के बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना जारी रखेंगे. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने और हरित रोजगार पैदा करने के लिए 'ग्रीन न्यू डील इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम' स्थापित करने का वादा किया. साथ ही, राष्ट्रीय और राज्य स्तर की जलवायु कार्य योजनाओं को लागू करने के लिए 'पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण' बनाने का भी वादा किया गया है. नीति निर्माता भी इस बात को समझ रहे हैं कि भारत का विकास जलवायु परिवर्तन की हकीकत के साथ मिलकर चलना चाहिए. सच तो यह है कि मौसम के पैटर्न में लगातार हो रहे बदलाव, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और तेजी से बढ़ता तापमान पिछले दशकों में हासिल हुए विकास और आर्थिक प्रगति को खत्म कर सकता है. ये खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं. ये बीमारियों को तेजी से फैला सकते हैं, पलायन को बढ़ावा दे सकते हैं और यहां तक कि संघर्ष भी पैदा कर सकते हैं. इसलिए, नई सरकार के सामने आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने का भी मुश्किल काम है. इसे हासिल करने का एक तरीका स्वच्छ ऊर्जा की तरफ रुख करना है.भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काफी तरक्की की है. नीति आयोग के इंडिया क्लाइमेट एंड एनर्जी डैशबोर्ड के अनुसार, परमाणु ऊर्जा को छोड़कर, गैर-जीवाश्म ईंधन देश की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता का 43.12% हिस्सा बनाते हैं. डैशबोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2024 तक पिछले 8 वर्षों में सौर ऊर्जा की उत्पादन क्षमता 12 गुना बढ़ गई है. इसका मतलब है कि भारत 2030 तक अपनी आधी बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल करने के लिए सही रास्ते पर है- जो जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते के तहत की गई प्रतिबद्धता है.

हमें लोकतंत्र के शोर का स्वागत करना चाहिए. तीसरी बात, विकास योजनाओं को बनाने में नई सोच की जरूरत है. बहुत समय से सरकारें दो रास्तों पर फंसी रहीं हैं – एक तरफ कल्याणकारी योजनाएं, जिन्हें अक्सर 'मुफ्तखोरी' समझ लिया जाता है, और दूसरी तरफ कम से कम सरकारी दखल वाला पूंजीवादी तरीका.

पड़ोसी देश और भारतीय विदेश नीति

• सामयिकी

पुष्प रंजन

करीब 15 माह तक दिल्ली स्थित चीनी दूतावास में राजदूत का पद ख़ाली रहा. 31 मई, 2024 को राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने जू. फेइहोंग को भारत में नया राजदूत नियुक्त किया. बताते हैं कि नई नियुक्ति के फौरन बाद आदेश आया कि चीनी प्रभाव वाले जिन देशों के शासन प्रमुखों को प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे शपथ समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है, उन्हें मॉनिटर करो और पूरी रिपोर्ट चीनी विदेश मंत्रालय को भेजो. अफ़ग़ानिस्तान और रोमानिया में राजदूत रहे जू. फेइहोंग के लिए बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, सेशेल्स के उप-राष्ट्रपति अहमद अफीफ, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे को एक साथ मॉनिटर करना कोई आसान टास्क नहीं था. इन सबमें चीन की सबसे अधिक दिलचस्पी मोहम्मद मुइज़्ज़ू में थी. एक संदेहास्पद अतिथि. राष्ट्रपति भवन में पीएम मोदी से मुइज़्ज़ू के बगलगीर होने से सबने मतलब निकाल लिया कि मालदीव से रिश्तों के अच्छे दिन बस आने ही वाले हैं. मई महीने में मालदीव के विदेशमंत्री मूसा जमीर ने भारत का दौरा किया था. तब भारत ने घोषणा की थी कि वह मालदीव को ट्रेजरी बिल के रूप में दिए जाने वाले 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण की परिपक्वता तिथि को एक और वर्ष बढ़ा देगा, ताकि माले को ऋण चुकाने के लिए और अधिक समय मिल सके, लेकिन माले में खेल कुछ और चल रहा था. पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'पीएसएम' के तीन पत्रकार मुइज़्ज़ू के साथ दिल्ली आये थे. मगर, मोदी की शपथ का लाइव कवरेज दिखाने पर तत्काल रोक का आदेश हुआ. बाद में 'पीएसएम' की उपप्रबंध निदेशक यामीन रशीद ने कहा, 'हमने इसे लाइव करने का फैसला कभी नहीं किया. यह पूरी तरह से झूठी खबर है.' तो फिर पत्रकार और कैमरा टीम किसलिए दिल्ली भेजे? इसका कोई जवाब नहीं है. 3 जून, 2024 को संसद की सुरक्षा सेवा समिति, जिसे 'पार्लियामेंट 242 कमेटी' भी कहते हैं, की पहली बैठक हुई, जिसके 13 सदस्यों ने अहमद सलीम को चेयरमैन चुना. अगले दिन इसकी दूसरी बैठक के बारे में खबर आई कि भारत से हुए चार समझौतों की जांच समिति करेगी, जिनमें भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौता, भारतीय सहायता से बनाया जा रहा उथुरु थिलाफल्हू (यूटीएफ) डॉकयार्ड, साथ ही मानवीय खोज और बचाव कार्यों के लिए मालदीव रक्षा बलों को भारत द्वारा उपहार में दिया गया डोर्नियर विमान शामिल हैं. मुइज़्ज़ू इसके पांच दिन बाद दिल्ली पधारे थे. इस जांच की मांग मुइज़्ज़ू के प्यादे सांसद अहमद अज़ान ने की थी. वह 'इंडिया आउट अभियान' का सदस्य रहा है और एक पोर्टल भी चलाता है. मुइज़्ज़ू एक विमुख व्यवहार वाले नेता हैं, जिन पर भरोसा करना कूटनीतिक भूल होगी.मुइज़्ज़ू दिल्ली से माले लौटे, यात्रा को सकारात्मक बताया. लेकिन उसके अगले दिन 'चाइनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस' के उपाध्यक्ष मिस्टर बैटर तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर माले आ चुके थे. माले इस समय साज़िशों का अधिकेंद्र बना हुआ है, इस बात को साऊथ ब्लॉक जितनी जल्दी समझ ले, वह भारत के हित में बेहतर होगा. मालदीव-भारत संबंधों को दुरुस्त करने की राह में जितने सारे कांटे हैं, उनमें मुक्त व्यापार समझौता भी है. नवंबर 2017 में मालदीव की संसद ने चीन-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी दे दी, जिससे यह पाकिस्तान के बाद दक्षिण एशिया में चीन के साथ ऐसा समझौता करने वाला दूसरा देश बन गया. इसे ठीक से समझना चाहिए कि चीन-पाक का साझा खेल मुइज़्ज़ू के सत्ता में आने के पहले से चल रहा था. नेपाल, चीन की वन बेल्ट वन रोड इनिशिएटिव (ओबीओआर) को कार्यान्वित नहीं कर रहा है. 12 मई, 2017 को नेपाल और चीन ने वन बेल्ट वन रोड समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे बाद में 'बीआरआई' या 'ओबीओआर' के नाम से जाना गया. यह चुनाव बाद बांग्लादेश 'ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर' की विदेश नीति पर अग्रसर है. शेख़ हसीना को ध्यान से देखा जाए तो दिल्ली शपथ यात्रा में उनका विपक्ष की नेता सोनिया गांधी से मिलना कुछ अलग नैरेटिव गढ़ता है, जो संभवतः बाक़ी छह अतिथियों ने नहीं किया. वर्ष 2023 में भूटानी विदेशमंत्री टांडी दोरजी ने चीनी विदेशमंत्री वांग यी और चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों ने सीमा विवाद को सुलझाने और कूटनीतिक संबंध विकसित करने की आशा व्यक्त की थी.

मुइज़्ज़ू एक विमुख व्यवहार वाले नेता हैं, जिन पर भरोसा करना कूटनीतिक भूल होगी.मुइज़्ज़ू दिल्ली से माले लौटे, यात्रा को सकारात्मक बताया. लेकिन उसके अगले दिन 'चाइनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस' के उपाध्यक्ष मिस्टर बैटर तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर माले आ चुके थे.

मीडिया में अन्यत्र

जरूरी है विकास का विकेंद्रीकरण

स्थानीय सरकारें बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं की आपूर्ति करके देश के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं. उदाहरण के लिए सिंचाई, सड़कें, सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं आदि. वे स्थानीय जरूरतों को विकास परियोजनाओं से जोड़ पाने की दृष्टि से बेहतर स्थिति में होती हैं. ऐसे में आश्चर्य नहीं कि कई विकसित और विकासशील देश नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देने के लिए स्थानीय सरकारों पर निर्भर रहते हैं.भारत जहां प्राचीन काल से ही स्थानीय सरकारों से परिचित है, वहीं ब्रिटिश काल में यह व्यवस्था अव्यवस्थित हो गई थी. आजादी के बाद इसमें फिर से नई जान फूंकी गई और 1990 के दशक के आरंभ में संविधान संशोधन करके तीसरे स्तर की सरकार को सशक्त बनाया गया.बहरहाल, अभी भी यह वांछित ढंग से काम नहीं कर रही है. खुशकिस्मती से स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने की बात सबको स्वीकार्य है. सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने भी अपने चुनाव घोषणापत्र में यह वादा किया है कि वह पंचायती राज संस्थानों को राजकोषीय स्वायत्तता प्रदान करेगी.इस संदर्भ में विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित एक कार्य पत्र 'दो सौ पचास हजार लोकतंत्रः भारत में ग्राम सरकार एक समीक्षा' में इस बात पर जोर दिया है कि स्थानीय सरकारों को अधिक फंड, काम और पदाधिकारी दिए जाने चाहिए.भारत में तीसरे स्तर की सरकारों की राजनीतिक स्वायत्तता के बारे में मौजूद तमाम सामग्री की व्यापक समीक्षा के बाद इसने ऐसे उपायों को अपनाने का प्रस्ताव रखा जिनकी मदद से राजकोषीय और प्रशासनिक क्षमता बढ़ाई जा सके और भुगतान के डिजिटलीकरण के कारण वापस आ रहे पुनर्केंद्रीकरण के रुझान का मुकाबला किया जा सके. दुनिया भर में स्थानीय सरकारें औसत कुल कर राजस्व का लगभग 10 फीसदी पाती हैं. जैसा कि रिजर्व बैंक के एक हालिया अध्ययन में रेखांकित किया गया, कुछ यूरोपीय देशों मसलन फिनलैंड, आइसलैंड और स्विट्जरलैंड में यह राशि 20 फीसदी से अधिक है. बहरहाल भारत में स्थानीय सरकारें राजस्व के मामले में बहुत तंग हालात में हैं. वे सरकार के ऊपरी स्तरों से मिलने वाले अनुदान पर निर्भर हैं. वर्ष 2022-23 में पंचायतों का अपना राजस्व उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों में करीब एक फीसदी का ही हिस्सेदार था. इसके परिणामस्वरूप सरकार के ऊपर के स्तरों से मिलने वाला अनुदान प्राप्तियों का मुख्य स्रोत बन गया और कुल प्राप्तियों में इनका योगदान करीब 95 फीसदी है. राजस्व जुटाने की सीमित क्षमता होने के कारण व्यय संबंधी निर्णयों में उनकी स्वायत्तता को सीमित करता है.जैसा कि 15वें वित्त आयोग ने कहा, 'उनके कुल व्यय में निर्बंध व्यय की हिस्सेदारी केवल 40 फीसदी है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

श्रृंग/श्रृंगार

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती. महाकवि जयशंकर प्रसाद द्वारा प्रमाणिका छंद में रचित इस कविता में कहा गया है कि हिमालय की ऊंची चोटी से निर्मल ज्ञान की देवी मां भारती के रूप में स्वतंत्रता देश के वीर सपूतों को पुकार रही है. इस छंद में प्रयुक्त सभी शब्द तत्सम हैं. हिमालय के सबसे ऊंचे भाग को हिमाद्रि कहा जाता है. तुंग का मतलब ऊंचा, श्रृंग का मतलब चोटी. प्रबुद्ध अधिक बुद्धिवाली तथा भारती सरस्वती को कहा जाता है. उसी प्रकार स्वयंप्रभा का अर्थ है जो अपने ही प्रकाश से प्रकाशित हो. इनमें श्रृंग अनेकार्थी संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है पर्वत का ऊपरी भाग, शिखर, चोटी, कंगूरा, प्राचीनकाल का एक प्रकार का बाजा, सिंगी बाजा, कमल, पद्म, जीवक नामक अष्टवर्गीय औषधि, सोंठ, अदरक, प्रभुत्व, प्रधानता, काम की उत्तेजना, निशान, चिहन, स्तन, पुराणों के अनुसार एक प्राचीन ऋषि का नाम, पानी का फव्वारा या पिचकारी, ऊंचाई, चांद के समान ऊपरी हिस्से का चंद्रचूड़ा, किसी वस्तु का अग्रभाग, नोक, अभिमान, बाण का नुकीला दंड, बाणकांड, एक प्रकार का सेना का व्यूह, हाथी का दांत, उत्कर्ष, अभ्युदय. पशुओं की सींग को भी संस्कृत में श्रृंग ही कहा जाता है. कहा गया है-नदीनां शस्त्रपाणीनां नखीनां श्रृंगीणां तथा, विश्वासो नैव कर्तव्यः स्त्रीषु राजकुलेषु च. नीतिकार कहता है नदियों, हाथ में हथियार रखनेवालों, नखों और सींगों वाले पशुओं, मर्यादा विरुद्ध चलने वाली स्त्रियों और राजकुल पर विश्वास नहीं करना चाहिए. श्रृंगार तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है सजाने की क्रिया या भाव, सजावट, शरीर को सुंदर और आकर्षक बनानेवाली वस्तुएं, प्रसाधन सामग्री, सौंदर्य प्रसाधनों द्वारा स्त्री या पुरुष शरीर का बनाव-सजाव, मेकअप, हाथी के शरीर पर बनाये गये सिंदूर के निशान, किसी को अधिक आकर्षक बनानेवाला गुण, मैथुन, रति, सहवास, प्रेम, रसिकता. काव्यशास्त्र में नौ रसों में से प्रधान रस को श्रृंगार रस कहा जाता है. श्रृंगार को रसराज यानी सभी रसों का राजा माना जाता है.

सर्वर डाउन है, अब इंतजार कीजिए

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

अपनी बारी के इतजार में मैं एक लम्बी कतार में खडा था. मैंने खिड़की से गिनना शुरू किया, एक दो तीन चार ...मेरा पन्द्रहवां नंबर है. मुझे खड़े खड़े लगभग एक घंटा हो चुका है. लगता है करीब 40-45 और लगेंगे. चलो कोई बात नहीं, जहां 60 मिनट गुज़ारे वहां 40 मिनट और सही. लेकिन यह क्या? आधा घंटा बीत गया और मैं अभी भी पंद्रह नंबर पर ही खडा हूं. आखिर कतार आगे क्यों नहीं बढ़ रही है? पता चला सर्वर डाउन है! अब आप ही बताइए, जब सर्वर ही 'सर्व' करना छोड़ दे तो क्या किया जा सकता है ? किसी से शिकायत भी नहीं कर सकते. जिस अधिकारी के पास जाइए कह देता है – सर्वर डाउन है, मेरे हाथ में नहीं है. अगर आप इंतज़ार नहीं कर सकते तो बेहतर होगा आप कल आएं. 'लेकिन सर्वर का क्या है, कल भी डाउन हो सकता है." अधिकारी बड़े इत्मीनान से कहता है, हां सो तो है. मैं घर वापस आ जाता हूं. 'क्यों आप तो कह कर गए थे कि 15-20 मिनट में आ जाऊंगा, और दो घंटे हो गए. कब से खाना लिए बैठी हूं. आपको तो किसी की कोई फिकर ही नहीं है. 'काम तो थोड़ा ही था, बस पोस्ट-आफिस से पैसे ही तो निकालने थे. लेकिन क्या करें, सर्वर ही डाउन हो गया!', मैंने सफाई देने की कोशिश की. बस कहने भर की देर थी कि देखता क्या हूं, पत्नी का मूड एकदम खराब हो गया. झुंझलाकर बोलीं, जाओ अब खुद ही परसो और खुद ही खा लो. मुझे भूख नहीं है. मैंने कहा, 'ठीक है, खा लूंगा. पर सर्व तो कर दो.' नहीं, वे बोलीं, परोसना हो तो खुद ही परोस लो. सर्वर डाउन है! सर्वर डाउन होता है तो सब काम-काज ठप्प हो जाते हैं. पत्ता नहीं हिल सकता. मैंने काफी लल्लो-चप्पो करने की कोशिश की, लेकिन पत्नी नहीं मानी तो नहीं मानी. उसका सर्वर उखड गया था. एक दिन ज्ञानचंद जी मिल गए. ज्ञानी आदमी हैं. इत्तफाक से सर्वर के बारे में चर्चा छिड़ गई. बोले, आपको पता नहीं सर्वर तीन तरह का होता है. एक सर्वर स्वयं आदमी द्वारा निर्मित है. डाउन हो जाए तो आदमी उसे ठीक भी कर लेता है. दूसरा सर्वर आदमी की मानसिकता में ही इन-बिल्ट है. कभी डाउन हो जाए तो स्वयम आदमी को ही डाउन कर देता है. अच्छा खासा आदमी किसी मसरफ का नहीं रहता. कोशिश करने से यह ठीक नहीं होता. हां, उसे यदि अकेला छोड़ दिया जाए तो शायद ठीक भी हो जाए. एक तीसरी तरह का सर्वर भी है. यह न आदमी द्वारा निर्मित कोई यांत्रिक कल-पुर्जा है और न ही आदमी के स्वभाव का कोई हिस्सा है. लेकिन फिर भी आदमी को प्रभावित किए बिना बाज़ नहीं आता.

सुकून

इस बार तो बेहाल कर गई गर्मी. रोज तापमान के नए रिकॉर्ड बनाती. ऐसे में लोग पुराने समय को याद कर रहे जब दिन में गर अधिक गर्मी पड़ी भी तो शाम होते-होते बारिश माहौल को खुशनुमा बना देती थी. तब घर में सीलिंग या टेबल फैन का होना ही काफी था, आज कूलर-एसी की मौजूदगी में भी लोग बेहाल हैं. आइए, उसी पुराने दिन में झांक कर सोचें कि कहां हुई हमसे चूक ...

दिल ढूंढता है फिर वही मौसम

रांची के चिरौंदी (मोरहाबादी) स्थित आवास की छत पर साहित्यकार रश्मि शर्मा.

मई की ठंड और चाय-रजाई

आशुतोष प्रसाद

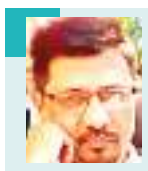

वर्ष 1972 के मई महीने में मैं बंगाल के खड़गपुर से रांची कॉलेज की पढ़ाई के लिए आया. यहां जब देखो तब बारिश और उसके बाद ठंड भरा मौसम. खड़गपुर की गर्मी झेल कर आया था. ऐसे में मुझे संदूक से रजाई निकालनी पड़ी. लोग मुझ पर हंसते कि देखो यह मई के महीने में रजाई ओढे बैठा है, पर क्या करूं- रांची ने मुझे अपने ऐसे ही मिजाज से परिचित करवाया. आलम यह था कि मैंने ठंड से राहत पाने के लिए चाय पीनी शुरू कर दी. रांची रेलवे कॉलोनी से जब मैं कॉलेज के लिए निकलता तब रेलवे क्रॉसिंग से शीतल छाया रेस्टोरेंट (वर्तमान में सैंट्रो मॉल) तक दोनों तरफ पेड़ नजर आते थे. जब देखो तब बारिश, इस कारण छाता साथ ही होता, पर याद नहीं कभी धूप से बचने के लिए हमने छाते का उपयोग किया हो.

छत पर तारों को निहारते सोना

प्रवीण राजगढ़िया

हमारा आवास कांके रोड में है जो पहले शहर से बाहर और हरियाली वाला इलाका माना जाता था. आज वहां कोई पेड़ सड़क किनारे नजर नहीं आता. कंक्रीट का जंगल सा बन गया है जहां सड़कों पर कोई कार बिना एसी की नहीं नजर आती और कोई घर ऐसा नहीं जहां कूलर या एसी नहीं हो. बचपन के दिनों को याद करता हूं तो गर्मी के मौसम में फर्क बस इतना होता था कि हम रात में सोने के लिए हम बच्चे शाम से ही उत्साहित होकर वहां बेड लगाते. वहीं सपरिवार खाते-पीते. गर्मी की रात बेहद सुहानी होती जब छत पर तारों को निहारते और अपनों से बातें करते नींद की गोद में कब चले जाते, पता भी नहीं चलता.

दलान पर शाम की वह बातें

शिप्रा सहाय

पचास साल से रांची में हूं पर ऐसी बेहाल कभी नहीं रही. याद आता है सुबह सुबह हम मॉर्निंग वॉक के लिए हम ओल्ड एचीबी रोड जाते थे. सड़क के दोनों तरफ बागान बाड़ी वाले घर. अब वहां से गुजरती हूं तो केवल मल्टी स्टोरी, अपाअर्मेंट, कहीं पेड़ के नामो निशान नहीं. हमारे खुद भी जितने बाग-बगीचे थे, सभी पर अपार्टमेंट खड़े हो गए हैं. इसका ही असर मौसम पर दिखता है जब हम कहते हैं कि एसी तो पूरी रात चली, पर चैन नहीं रहा. पहले गर्मियों के मौसम में शाम को ही घर के दलान पर खटिया-चटाई बिछा दी जाती थी और हम सपरिवार बातें करते. फिर मच्छरदानी लगा कर घर के पुरुष वहीं सो जाते तो हम महिलाएं घर में. घर में एक टेबल फैन काफी होता. हां ताड़ के पत्ते का पंखा जरुर रखते जिसे हाथ से चलाते-चलाते रात में कब नींद में सो जाते, पता भी नहीं चलता.

खस के पंखे और सुबह की वह ठंडक

मुक्ति मानोसी

याद आता है सत्तर के दशक का अपना वह लाल फर्श और हरे झरोखे वाला घर जहां मेरा बचपन गुजरा. रांची के थड़पखना स्थित उस घर में आम, लीची, जामुन के पेड़ थे और उन्हें खाते हुए गर्मी का मौसम बेहद सुखद गुजरता. तब उमस का नामोनिशान नहीं था. किसी एक कमरे में एक फैन धीमी गति से चलता रहता. पर हमें याद है मां के हाथ में झूलता वह लाल चुनरी लगा खस का पंखा जिसे बीच-बीच में पानी से मां भिगोती और तब जो मंद-मंद खुशबू भरी ठंडक परिवेश में पसरी रहती, क्या कहने! शाम को काम वाली दीदी छत पर बाल्टी भर पानी लेकर जातीं और पूरी छत पर इसे छिड़क देतीं. फिर कुछ चादरें, कुछ चटाई और कुछ गद्दों पर पूरा परिवार वहां लेट जाती. भाभी शाम को ही बेली-चमेली-जूही के फूल तोड़ लेतीं और सिरहानों पर रख देतीं. गप्पे मारते हुए सोना. सुबह चार बजे ठंड ऐसी कि हम कमरे में दौड़ते हुए पहुंचते और फिर चादर ओढ कर सोते. ऐसी थी हमारी रांची, तभी तो तब कोलकाता से हमारे रिश्तेदार गर्मी के मौसम में हमारे घर आते थे.

कहां चलती अब ठंडी हवा

गुंजन सिन्हा

1999 से बोकारो में लगातार रह रही हूं, हालांकि करीब चालीस सालों से बोकारो आना-जाना लगा है. मौसम और प्राकृतिक परिदृश्य, दोनों का बदलना बहुत अखर रहा. 1999 में जब यहां रहना शुरू की, तब घर में एसी नहीं था और न पावर बैकअप. अब एसी-कूलर और पावर बैकअप की व्यवस्था है, पर सुकून खो गया है. इतनी गर्मी की बेहाल हो जाती. पहले दिन में गर्मी रहती भी थी तो शाम होते-होते राहत मिल जाती थी. बचपन से देखती आ रही हूं एयरपोर्ट के पास का इलाका. यहां की हरियाली बहुत पसंद थी. खूब सारे पेड़ जिससे शाम के समय गर्मियों में इस इलाके में इतनी ठंड भरी हवा आती थी कि मस्त हो जाती थी. अब देखते ही देखते जाने कितने पेड़ कट गए. ऐसे में तपिश का असर तो दिखेगा ही.

फसल से पढ़ाई तक पर असर

अनिता महतो

हजारीबाग के विष्णुगढ़ में पिछले 25 साल से रह रही हूं. अब जो गर्मी की मार फसल से बच्चों की पढ़ाई तक पड़ती नजर आती, पहले कभी नहीं थी. पहले दिन में बहुत गर्मी पड़ती तो हम सब यही कहते, आज बहुत गर्मी है, देखना दोपहर या शाम होते होते जम कर बारिश होगी. पर अब आज गर्मी है तो कल और ज्यादा, परसो और ज्यादा...यह क्रम टूटता ही नहीं. पहले जून के प्रथम सप्ताह में पहली बारिश के बाद हम मकई की रोपाई कर देते थे, इस बार अब तक नहीं कर पाए हैं. पहले टेबल फैन-या फैन होना ही राहत भरा होता था, उसकी स्पीड पर ध्यान नहीं जाता था, अब तो एसी-कूलर फेल हो रहे. और तो और बच्चों की पढ़ाई तक गर्मी के कारण बाधित हो रही, जब-तब स्कूल बंद करने के फरमान जारी हो जाते.

मोटिवेशन

हमारी छवि और निखरेगी अगर ...

हम भारतीय अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाने जाते हैं. अपनी सभ्यता-संस्कृति, खान-पान, पहनावे के लिए अलग पहचान रखते हैं. लेकिन हम जितने सुविख्यात हैं, उतने ही बदनाम भी. अगर हम इंटरनेट पर विदेशी पर्यटकों के विचार, उनकी प्रतिक्रियाएं पढ़ेंगे, तो हमारा सिर शर्म से झुक जाएगा. "नहीं, ऐसा नहीं है" बोलकर निकल लेना सही बात नहीं. हर फील्ड में अपने आप को अव्वल घोषित करने से बेहतर है, अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और उनसे निकलने का प्रयत्न करना. किन बातों को लेकर हमारी छवि सही नहीं है, आइए डालते हैं उनपर एक नजर, और व्यक्तिगत स्तर पर यथासंभव प्रयास करते हैं, उनसे बाहर आने का.

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. अभिवादन : जान पहचान हो न हो, यूरोप-अमेरिका में लोग एक दूसरे को विश जरूर करते हैं. मुस्कुराते हुए हलो, गुड मॉर्निंग, गुड इवनिंग बोलते हैं. हमारा नमस्ते - प्रणाम व्हाट्सएप और फेसबुक तक सीमित रह गया है. अपने लोग ऐसे कट कर निकल लेते हैं, जैसे पहचानते ही नहीं. अजनबी को न सही, जान-पहचान वालों का अभिवादन तो हमें करना ही चाहिए. बड़े - बुजुर्गों का पैर छूकर आशीर्वाद भी लेना चाहिए.

2. थैंक यू , सॉरी, वेलकम, पार्डन प्लीज़ : भले ही ये अंग्रेजी शब्द हैं, लेकिन शिष्टाचार प्रदर्शित करने के लिए जरुरी हैं. बाहर ये शब्द उनकी ज़िन्दगी के हिस्सा हैं. वहां दुकान, सड़क, बस, ट्रेन, ऑफिस हर जगह छोटे से छोटे फेवर के लिए थैंक यू बोलने का रिवाज़ है. हम इन शब्दों के प्रयोग में बहुत कंजूसी करते हैं. हम किसी का कितना भी महत्वपूर्ण काम कर दें, वह न तो अपने एक्सप्रेशन से, न शब्दों से उसका अहसान मानता है. दरअसल बच्चों को स्कूल में इनकी शिक्षा मिलनी चाहिए. कुछ स्कूलों में मिलती है, लेकिन ज्यादातर स्कूलों में इन्हें प्रयोग करना जरुरी नहीं होता. बच्चे बड़े होने पर भी इनका प्रयोग नहीं करते. यह सही नहीं है. शिष्टाचार हमारी जिंदगी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं.

3. गंदगी : विदेशियों को हमारे यहां की गंदगी बहुत चुभती है. हर गली, हर छोटे-बड़े होटल के बाहर, रेलवे की पटरी के अगल-बगल, हर टूरिस्ट प्लेस में, एयरपोर्ट से बस कुछ दूरी पर गंदगी का अंबार उनको असहज कर देता है. हमारी मानसिकता विचित्र है - हमारा घर साफ होना चाहिए, बाहर गंदगी का ढेर लगा हो, तो उससे हमें क्या ! गंदगी के लिए सरकार-नगर निगम को दोषी ठहराते हैं. अगर हर व्यक्ति अपने आस पड़ोस को साफ रखने की कोशिश करें, तो हमारा पास पड़ोस वैसे भी निखर जाएगा.

4. क्यू या लाइन : ऐसा लगता है, हमारे यहां लाइन बनाने का सिस्टम ही नहीं है. हम लाइन में तभी खड़े होते हैं, जब ऐसा करना हमारी मज़बूरी होती है जैसे कि पोस्ट ऑफिस, बैंक, एयरपोर्ट ... वरना कैसी लाइन ! काहे की लाइन ! लोग अपनी शारीरिक शक्ति, मनी पावर, कॉन्टैक्ट दिखाने से बाज नहीं आते, मार पीट पर उतारू हो जाते हैं. काश, हम लाइन में कायदे से खड़े होने के फायदे जान पाते. क्यू में कायदे से खड़ा रहने पर काम सही ढंग से होता है, तेजी से होता है, आदमी मानसिक रूप से रिलैक्स्ड फील करता है. क्यों नहीं इसकी शुरुआत हम खुद से करें !

5. ट्रैफिक के नियमों का पालन : जितना हॉर्न हम भारतीय बजाते हैं, उतना पूरे यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया में मिलकर भी लोग नहीं बजाते. जिसको जहां मन करता है, वहीं से गाड़ी निकालने लगता है. जहां मन करता है, गाड़ी को पार्क कर देता है. सड़क के बीचो-बीच गाड़ी खड़ी कर बात करना अपनी शान समझता है. उसे कुछ कहो तो घूर कर ऐसे देखता है जैसे गलती उसने नहीं, हमने की है. भाई मेरे, ऐसा करना हमारे पढ़े लिखे, सभ्य होने पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देता है.

6. अपनत्व/देशभक्ति का अभाव : स्कूल-कॉलेज की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, बेंच, शीशा , फैन तोड़ देना ! सरकारी ऑफिस की दीवारों के बारे में क्या कहना ! रेलवे की संपति को चुरा लेना. जब मन किया, सड़क को खोद डाला. जिस ऑफिस से हमारे घर की रोजी-रोटी चलती है, उसको नुकसान पहुंचाना - क्या गर्व की बात है ? एक तो यहां सड़के बनती नहीं, जो थोड़ी बहुत बनी हैं, उसपर गड्ढे कर देना, तोड़फोड़ कर देना हमारी जाहिलता को प्रदर्शित करता है.

मूल मंत्र : जेन गुडाल का कहना है – हम जो करते हैं, उससे अंतर पड़ता है. उससे खुद का विकास होता है, परिवार–समाज–देश का विकास होता है. जरूरी है कि हम अपने में सकारात्मक परिवर्तन लाएं. हम दूसरों का अभिवादन करें, अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें. तारीफ करने में कंजूसी न करें. जिस संस्थान में पढ़ते हैं, या काम करते हैं, उसे अपना समझें, वहां की सामानों को क्षति न पहुंचाएं. क्यू में रहने की आदत डालें. ट्रैफिक के नियमों का पालन करें. पूरी ईमानदारी से अपना काम करें. अपने कर्मों से अपनी देशभक्ति को दर्शाएं. ऐसा करें कि हमारी छवि धूमिल न हो, बल्कि निखर कर सामने आए. सबको मंत्रमुग्ध कर दें.

हरा-भरा ये घर

पेड़ पौधे, हरियाली...ये माहौल ही नहीं मूड बदलने का भी माद्दा रखते हैं. हवा बेहतर करते हैं, सुंदरता बढ़ाते हैं. फ्लैट कल्चर में इनके लिए जगह कम ही नजर आती है, पर यह भी सच है कि हम इससे दूर नहीं रह पाते और अपने छोटे से आशियाने में इनके लिए जगह बनाते हैं. आइए, आज ऐसे ही कुछ टिप्स की चर्चा

- घर के कोने में एरिका पाम्स को जगह दें. उसके साथ स्पाइडर प्लांट्स और स्नेक प्लांट्स भी रखे जा सकते हैं.
- विंडो सिल (खिड़की) पर कैक्टस और सकुलेंट्स रखें.
- कम देखभाल खोजने के कारण आजकल कैक्टस हमारे सेंटर टेबल रखा जाने लगा है.
- सकुलेंट्स को सेंटरपीस के तौर सजाएं, साइड टेबल पर भी रखें. कम पानी और धूप में भी ये बड़े मज़े से रहते हैं.
- स्पाइडर प्लांट्स हवा बेहतर करते हैं, इन्हें भी रखें.
- बालकनी में छोटे फ़ाउंटेन्स (फव्वारे) और उनके साथ बैम्बू और स्पाइडर प्लांट्स लगाए जा सकते हैं.

शर्तिया मिलेगी सफलता, आजमाइए तो

वे कौन से कारण हैं जिससे कुछ लोग सफलता का स्वाद निरंतर चखते हैं तो कुछ केवल असफलता पाते हैं. लाइफ कोच की मानें तो आपकी क़ामयाबी और नाक़ामयाबी के बीच सिर्फ़ और सिर्फ़ एक चीज का फासला होता है और वह है सेल्फ़ डिसिप्लिन यानी आत्म-अनुशासन. जहां क़ामयाब लोग आत्म-अनुशासन में निपुण होते हैं, वहीं असफल लोग अक्सर ख़ुद को अनुशासित रखने में भी विफल होते हैं. अपने बनाए नियमों पर कायम नहीं रह पाते और अक्सर छोटे-छोटे व तात्कालिक प्रलोभनों में फंस जाते हैं. अगर आप असफलता से परेशान हैं तो हार मानने की जगह इन नियमों को अपनी ज़िंदगी में शामिल करें, सफलता आपका इंतजार करेगी-

- **अपने प्लान पर टिके रहें**

सफलता के लिए प्लान तो कई बनाते हैं, पर तभी सफल हो सकते हैं, जब आप अपने प्लान पर टिके रहते हैं. चाहे कुछ भी हो जाए,पूर्व निर्धारित प्लान के अनुसार काम करना, सफलता की पहली शर्त है. आप वजन कम करने के मिशन पर जुटे हैं और भूख की स्थिति में कोई मित्र मिठाई परोस कर दे. ऐसे में अगर आप प्रलोभन में आ जाते हैं तो आपका डाइट प्लान को चौपट हो जाएगा. प्लान पर टिके रहने के लिए जरूरी है कि आप असुविधा को सहने की प्रैक्टिस कर लें. एक बार प्रलोभन में आए कर मीठा नहीं खाने का आत्मानुशासन तोड़ेंगे तो आपका आत्म-नियंत्रण घटेगा. तो जो काम नहीं करना है, तो किसी भी क़ीमत पर नहीं करना है. एक बार, दो बार जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए. भले ही आपको भयंकर असुविधा हो रही हो, पर असुविधा को सहन करने का अभ्यास करें.

- **ख़ुद को बार-बार समझाएं प्लान**

आपका खुद पर नियंत्रण नहीं कम हो इसके लिए अपने मस्तिष्क को समझाना होगा. दरअसल हम ख़ुद को जिन कामों को करने से रोकते हैं, उनके बारे में मस्तिष्क लगातार सोचता रहता है. मन मौके ढूंढता है कि कैसे नियम से इतर खुद की कर लें. ऐसे में मन को समझाने का प्रयास करें. कुछ बेहद प्रैक्टिकल और ख़ुद को प्रेरित करने वाले कोट्स (जैसे-मैं यह कर सकता हूं, मुझसे यह होगा, मैं लक्ष्य के निकट हूं, फॉर द बेस्ट, फॉरगेट द रेस्ट आदि) को याद करें. कमरे की दीवार, वर्क प्लेस आदि जगहों पर संभव हो तो इन कोट्स को लिख लें. जब मन जरा कमजोर पड़ें, इसे देखें. प्रलोभन का प्रतिरोध आसान होगा.

- **सफलता की ख़ुशी की पूर्वकल्पना**

अगर लक्ष्य के बाद मिलने वाली ख़ुशी की हम पूर्व कल्पना करते हैं तो रास्ते की कठिनाई अधिक हावी नहीं हो पाती. अगर हम इस बात की कल्पना करें कि मकान का कर्ज पूरा होने के बाद कितना अच्छा महसूस होगा, तो आप किसी ऐसी चीज़ की ख़रीदारी करने के लिए कम ललचाएंगे, जो महीने के बजट को तबाह कर सकती है. इसकी जगह खुद को अधिक से अधिक प्री पेमेंट के लिए तैयार करेंगे.

- **परिस्थितियों को बदलने की कोशिश**

कई बार हम अपने लक्ष्य से इसलिए सहजता से भटक जाते हैं, क्योंकि हम ख़ुद को ऐसी परस्थिति में डाल लेते हैं, जहां से भटकाव आसान और सहज होता है. फ़िज़ूलख़र्ची कम करने की ठानी है पर दोस्तों का आग्रह है कि साथ शॉपिंग के लिए चलें. बेशक जाइए, पर जेब में पैसे कम रखिए, डेबिट कार्ड मत रखिए. ऐसे में आप चाह कर भी अधिक खर्च नहीं कर पाएंगे.

रेलवे रिटायरिंग रुम

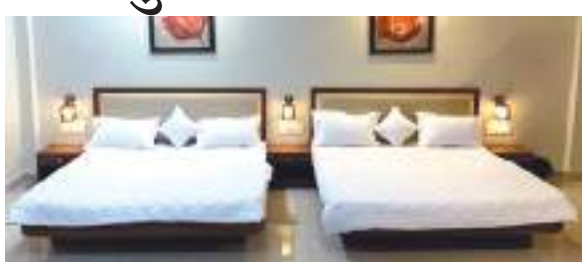

ठहराव का सस्ता और सुरक्षित माध्यम

कई बार किसी शहर में कुछ ही घंटों का ठहराव होता है तो कई बार ट्रेन में देरी के कारण वहां रहना होता है, या वैसे ही उस शहर में एक दो दिन घूमना हो तो होटल की जगह रेलवे का रिटायरिंग रुम्स भी बुक कराया जा सकता है. रेलवे के रिटायरिंग रूम्स न केवल सस्ता होता है बल्कि सुरक्षित भी होता है.
रेलवे रियारिंग रुम में घंटे के हिसाब से पैसे लगते हैं, वह भी बहुत कम. जब हम किसी होटल्स रुकते हैं, भले कुछ ही घंटे आराम के लिए, लेकिन पैसे पूरे दिन के लिए देने पड़ते हैं. रेलवे के रिटायरिंग रूम एक घंटे से लेकर 48 घंटे तक के लिए बुक कर सकते हैं. नॉन एसी रूम्स की बुकिंग सौ से कम रुपए में भी हो जाती है. बड़े शहरों में अच्छे एसी कमरे भी कम पैसे में बुक करा सकते हैं.

ऑनलाइन और काउंटर से भी बुक करा सकते

रेलवे रिटायरिंग रूम्स को ऑनलाइन या काउंटर से भी बुक करा सकते हैं. ऑनलाइल भारतीय रेल की वेबसाइट से बुक कर सकते हैं. इसमें रेलवे का टिकट दिखाना या उसका पीएनआर नंबर जरूरी होता है. बता दें कि एक पीएनआर से एक ही कमरा बुक किया जा सकता है.

रमता जोगी :

कैमडेन मार्केट : विदेश में देसी मेला

नुपूर अशोक

अन्य देशों का मुझे पता नहीं लेकिन जब कोई हिंदुस्तानी अपने देश से बाहर निकलता है तो अपने साथ अपना देश लेकर निकलता है. अपने देश के दृश्य, आवाज़ें और खुशबू उसके रोम रोम में बसी होती हैं और जब कभी उसे बिल्कुल वैसा ही कुछ दिखाई या सुनाई देता है तो कुछ पलों के लिए वह अपने देश में पहुंच जाता है. ऐसा ही कुछ अनुभव मुझे हुआ लंदन के कैमडेन मार्केट में पहुंच कर.
लंदन के ट्यूब यानी मेट्रो से यात्रा तो हम जब से लंदन आए थे तब से कर रहे थे लेकिन जिस तरह लोगों के रेले को इस स्टेशन पर उतरते देखा वैसा पहले कभी नहीं देखा था. लगा कि मानो पूरी की पूरी ट्रेन ही इस स्टेशन पर उतर पड़ी है और सारे कदम उसी मार्केट की ओर.
स्टेशन से निकलते ही मार्केट शुरू था. पक्की दुकानों के अलावा सड़क के किनारे लगी ढेरों दुकानें - टी शर्ट, पैंट, जीन्स, हैट्स, कैप्स, तरह तरह के सूवेनियर, माला, हाथ-कान के आभूषण, टैटू की दुकानें - और सड़क पर लोगों की रेलमपेल. लगा कि लंदन में नहीं, दिल्ली के करोलबाग में घूम रही हूं. एक स्टॉल पर टंगी एक टोपी को उठाकर हमने उसका दाम पूछा. दुकानदार ने बताया- बीस पाउंड. हमने टोपी वापस रख दी और आगे बढ़ गए. पीछे से आवाज़ आई - हाउ अबाउट फिफ्टीन पाउंड्स? अब तो मुझे पक्का लगने लगा कि हम करोलबाग में ही हैं. बस वहां सारे हिंदुस्तानी दिखाई देते हैं, यहां गोरे-काले-भूरे हर नस्ल के लोग दिखाई दे रहे थे.

इसी मार्केट के आगे कैमडेन लॉक है. यह एक नहर के किनारे बना हुआ एक पुल है जिसकी रेलिंग में लोग मन्नत के लिए ताले लटका जाते हैं. हमने हज़ारों ताले और उनपर लिखे हुए नाम और तारीखें देखीं. दरअसल मनुष्य की आशा को एक सहारे की ज़रूरत होती है चाहे वह ताला हो या किसी मज़ार पर बांधा गया धागा हो या किसी पेड़ पर लटकी चुनरी हो.
इस नहर में सैर करनी हो तो नावें भी उपलब्ध हैं. बैठिए, संगीत सुनिए और नहर में नौका से नज़ारे देखिए.
इसके पास खाने पीने की सैकड़ों दुकान हैं और दुनिया भर का खाना मिलता है. हर दुकान खाने की खुशबू से और लोगों से ठसाठस भरी हुई. हम आए तो थे लंदन का मार्केट देखने पर यहां पूरा देसी मेला देखने को मिला.
भीड़ भाड़ से निकल कर हम वापस स्टेशन की ओर चले तो किसी घंटी की आवाज़ ने हमारा ध्यान खींचा. देखा कि रास्ते पर सैंटा क्लॉस की तरह कोई बैठा घंटी बजाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा था. बरबस एक मुस्कान चेहरे पर आ गई. यही तो है दुनिया, किसी अनजान के चेहरे पर आप एक मुस्कराहट ला सकें, जीना इसी का नाम है !

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

आज के मैच : नेपाल पर जीत से सुपर आठ में जगह बनाने उतरेगा बांग्लादेश

भाषा। किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट)

बांग्लादेश अपने कमजोर पक्षों को काबू में रखकर नेपाल के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मैच में जीत दर्ज करके सुपर आठ में अपनी जगह पक्की करने के लिए मैदान पर उतरेगा. बांग्लादेश के चार अंक हैं और उसका अगले दौर में पहुंचना लगभग तय है लेकिन उसे नेपाल से सतर्क रहने की जरूरत है जिसने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था. नेपाल की टीम भले ही अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है और सुपर 8 में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुकी है लेकिन जिस तरह से वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक समय उलटफेर करने की स्थिति में पहुंच चुकी थी, उससे उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा. बांग्लादेश अगर इस मैच में बड़े अंतर से हार जाता है और नीदरलैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करती है तो फिर समीकरण बदल जाएंगे. वैसे इसकी संभावना कम है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि इस टूर्नामेंट में कुछ चौंकाने वाले परिणाम आए हैं.

मैच का समय : मैच भारतीय समयानुसार सुबह 5:00 बजे शुरू होगा.

टीमें इस प्रकार हैं

बांग्लादेश: नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब. यात्रा करने वाले रिजर्व: अफिफ हुसैन, हसन महमूद.

नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्टेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतिस जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा, सागर ढकाल और कमल सिंह ऐरी.

नीदरलैंड से सतर्क रहना होगा श्रीलंका को

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करके अपने अभियान का सकारात्मक अंत करने के लिए बेताब श्रीलंका को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के यहां होने वाले मैच में नीदरलैंड से सतर्क रहना होगा. श्रीलंका की टीम अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है और वह अपने ग्रुप में पांचवें स्थान पर है जबकि नीदरलैंड तीसरे स्थान पर है. श्रीलंका पहले ही सुपर 8 की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन वह अपनी प्रतिष्ठा की खातिर नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में अपना सब कुछ झोंक देगा. जहां तक नीदरलैंड की बात है तो उसने अभी तक तीन मैच में से एक में जीत दर्ज की है. उसकी टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और इस मैच में भी वह बेहतर खेल का नमूना पेश करके जीत दर्ज करना चाहेगी. दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी से पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुका है जबकि बांग्लादेश चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है.

टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस (विकेट कीपर), पथुम निसांका, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका.

नीदरलैंड: स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेट कीपर), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, डैनियल डोरम, फ्रेड क्लासेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओ''डॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, साइब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी.

मैच का समय : मैच भारतीय समयानुसार सुबह 6:00 बजे शुरू होगा.

न्यूजीलैंड टीम की निगाहें पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ बड़ी जीत पर

टरूबा (त्रिनिदाद और टोबैगो)। पिछले 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने वाली न्यूजीलैंड की टीम पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ यहां होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन करने के लिए उतरेगी. न्यूजीलैंड का आईसीसी की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन रहा है लेकिन यहां उसने शुरू में लचर प्रदर्शन किया जिसके कारण वह सुपर आठ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गया. न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मैच इसलिए महत्वपूर्ण बन गया है क्योंकि उसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने पुष्टि कर दी है कि यह टी20 विश्व कप में उनका आखिरी मैच होगा. ऐसे में केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम अपने इस तेज गेंदबाज को जीत से विदाई देना चाहेगी. पापुआ न्यू गिनी की टीम ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और अगर उसकी टीम न्यूजीलैंड के सामने थोड़ा भी चुनौती पेश करती है तो यह उसके लिए काफी मायने रखेगा.

टीमें इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड: केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेट कीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स (विकेट कीपर), रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी.

पापुआ न्यू गिनी: असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा (विकेट कीपर), लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा.

मैच का समय : मैच भारतीय समयानुसार रात 8:00 बजे शुरू होगा.

ब्रीफ खबरें

गोल्फर दीक्षा संयुक्त तीसरे स्थान पर

रोम। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर लेडीज इटालियन ओपन के दूसरे दौर में इवन पार 72 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है. लेडीज यूरोपीय टूर पर दो जीत अपने नाम करने वाली दीक्षा ने पहले दौर में 67 का कार्ड खेला था. दूसरे दौर में उन्होंने एक बर्डी और एक बोगी की मदद से 72 का स्कोर किया. दीक्षा का कुल स्कोर पांच अंडर 139 है और वह दो अन्य खिलाड़ियों के साथ तीसरे स्थान पर हैं. वह इंग्लैंड की एमी टेलर (70-67) से दो और स्विट्जरलैंड की टिफनी अराफी (66-72) से एक शॉट पीछे हैं.

अदिति मीजर क्लासिक में संयुक्त 16वें स्थान पर

ग्रैंड रैपिड्स (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक यहां मीजर एलपीजीए क्लासिक के तीसरे दौर के आखिरी पांच होल में तीन बर्डी करने के बाद भी संयुक्त 10वें से संयुक्त 14वें स्थान पर खिसक गयी. मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष 10 में जगह बनाने की कोशिश कर रही अदिति पांच बर्डी के मुकाबले दो बोगी कर बैठी. ग्रेस किम ने आखिरी छह होल में चार बर्डी लगाकर शीर्ष पर पांच शॉट की बढ़त बना ली. तीसरे दौर में छह अंडर 66 का कार्ड खेलने के बाद उनका कुल स्कोर 17 अंडर 199 हो गया.

रंधावा लीजेंड्स के क्वाफा में हार गए

हर्टफोर्डशर (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा लीजेंड्स टूर यूरोप में पॉल लॉरी मैच के क्वार्टर फाइनल में जेम्स किंग्स्टन से हार गए. रंधावा लगातार तीन जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे, जबकि एक अन्य भारतीय जीव मिल्खा सिंह दूसरे दौर में हार गए थे. रंधावा ने थॉमस गोगेले, मैल्कम मैकेंजी और कीथ हॉर्न के खिलाफ जीत दर्ज की लेकिन दक्षिण अफ्रीका के किंग्स्टन की चुनौती से पार पाने में विफल रहे.

टी20 विश्व कप : इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस पद्धति से मैच जीता

इंग्लैंड ने नामीबिया को 41 रन से हराया

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित मैच में नामीबिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से 41 रन से हराकर टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा. इंग्लैंड को सुपर 8 में जगह बनाने के लिए नामीबिया के खिलाफ जीत जरूरी थी लेकिन लगातार बारिश होने के कारण एक समय उसकी उम्मीद धूमिल पड़ती नजर आ रही थी. आखिर में तीन घंटे की देरी के बाद मैच शुरू करने का फैसला किया गया और इसे 11 ओवर का कर दिया गया. बीच में बारिश आने के कारण मैच 10 ओवर का कर दिया गया. इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए. नामीबिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से 126 रन बनाने का लक्ष्य मिला लेकिन उसकी टीम तीन विकेट पर 84 रन ही बना पाई. इस मैच में काफी कुछ दांव पर लगा था इसलिए अंपायरों ने लंबा इंतजार किया. इंग्लैंड की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही. नामीबिया के

39 वर्षीय गेंदबाज डेविड विसे ने पहले ओवर में केवल एक रन दिया.

कप्तान जोस बटलर को तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन ने शून्य पर बोल्ड कर दिया और विसे ने दूसरे सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (11) को आउट करके 13 गेंद के बाद इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 13 रन कर दिया.

स्कॉटलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में रहा नंबर वन

- पांच विकेट से जीत दर्ज कर अपने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड को सुपर आठ में पहुंचाया

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (68) और ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस (59) के अर्धशतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराकर अपने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड की टी20 विश्व कप के सुपर 8 में जगह पक्की की. स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 180 रन बनाए. ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की. स्कॉटलैंड ने एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 60 रन कर दिया था लेकिन हेड और स्टोइनिस ने चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाकर इंग्लैंड के खेमे में राहत पहुंचाई. ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से ग्रुप बी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा. इस मैच में स्कॉटलैंड की हार से इंग्लैंड भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में पहुंच गया. इंग्लैंड ने इससे पहले बारिश से प्रभावित मैच में नामीबिया को हराया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया की स्कॉटलैंड पर जीत से ही वह अगले चरण में जगह बना पाता. ऑस्ट्रेलिया ने अपने चारों मैच जीते जबकि इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के समान पांच अंक रहे. इंग्लैंड ने बेहतर रन रेट के आधार पर दूसरा स्थान हासिल किया.

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने मैच के बाद कहा, हमने अपनी रणनीति पर बने रहने पर बात की थी. स्कॉटलैंड की टीम अच्छी है। उन्होंने काफी सुधार किया है और हम निश्चित तौर पर उन्हें सम्मान देना चाहते थे. हम अपनी लय बनाए रखना चाहते थे. हमें जब भी चुनौती मिली हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. आज भी ऐसा ही हुआ. हमारे लिए यह अच्छा अनुभव था.

टी20 वर्ल्ड कप : अंक तालिका

ग्रुप ए

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
भारत	4	3	0	1	7	+1.137
अमेरिका	4	2	1	1	5	+0.127
कनाडा	4	1	2	1	3	-0.493
पाकिस्तान	3	1	2	0	2	+0.191
आयरलैंड	3	0	2	1	1	-1.712

ग्रुप बी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	4	4	0	0	8	+2.791
इंग्लैंड	4	2	1	1	5	+3.611
स्कॉटलैंड	4	2	1	1	5	+1.255
नामीबिया	4	1	3	0	2	-2.585
ओमान	4	0	4	0	0	-3.062

ग्रुप सी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
अफगानिस्तान	3	3	0	0	6	+4.230
वेस्टइंडीज	3	3	0	0	6	+2.596
न्यूजीलैंड	3	1	2	0	2	-0.241
युगांडा	4	1	3	0	2	-4.510
पीएनजी	3	0	3	0	0	-0.886

ग्रुप डी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
द. अफ्रीका	4	4	0	0	8	+0.470
बांग्लादेश	3	2	1	0	4	+0.478
नीदरलैंड	3	1	2	0	2	-0.408
नेपाल	3	0	2	1	1	-0.293
श्रीलंका	3	0	2	1	1	-0.777

कोहली की फॉर्म चिंता का विषय नहीं : राठौड़

भाषा। लॉडरहिल (फ्लोरिडा)

विराट कोहली मौजूदा टी20 विश्व कप में अभी तक तीन मैच में केवल पांच रन बना पाए हैं, लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज की फॉर्म चिंता का विषय नहीं है क्योंकि नेट पर वह बेहतरीन लय में लग रहे हैं. इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले कोहली विश्व कप में अभी तक इस तरह का जलवा नहीं दिखा पाए हैं. उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ एक और पाकिस्तान के खिलाफ चार रन ही बनाए जबकि अमेरिका के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे. राठौड़ ने कनाडा के खिलाफ मैच बारिश की

भेंट चढ़ जाने के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे अच्छा लगता है कि जब भी मैं यहां आता हूं मुझसे विराट कोहली के बारे में सवाल पूछे जाते हैं फिर चाहे वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों या नहीं, चिंता की कोई बात नहीं. उन्होंने कहा, वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) में खेल कर यहां आए हैं, उसमें उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया. कुछ मैच में नहीं चल पाने से चीजें नहीं बदल जाती. वह वास्तव में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं. राठौड़ को पूरा विश्वास है कि कोहली जरूरत पड़ने पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने कहा, यह अच्छा है कि वह रन बनाने के लिए थोड़ा अधिक भूखा दिख रहा है. वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब है. आगे हमें उनसे कुछ अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी. भारतीय बल्लेबाजी कोच ने शिवम दुबे और अक्षर पटेल सहित चार ऑलराउंडर को टीम में बनाए रखने से संबंधित सवाल को टाल दिया.

त्रिपुरा में जिम्नास्टिक में काफी संभावनाएं : नंदी

अगरतला। जिम्नास्टिक में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार हासिल करने वाले कोच बिश्वेश्वर नंदी को त्रिपुरा के जिमनास्टों से वैश्विक मंच पर चमकने की उम्मीद है. नंदी शीर्ष जिमनास्ट दीपा करमाकर के कोच भी हैं, जो 2016 रियो ओलंपिक में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं. नंदी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, त्रिपुरा में जिम्नास्टिक में काफी संभावनाएं हैं. छह से सात लड़कियां राष्ट्रीय स्तर ही नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता दिखा रही हैं. जिम्नास्टिक एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, चोट लगने की संभावना वाला और तकनीकी खेल है. इसमें कोच का उचित मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण है.

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 143 रन से हराया

एजेंसी। बेंगलुरु

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के छठे शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन भारत ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 143 रन से शिकस्त दी. भारत ने आठ विकेट पर 265 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी को 37.4 ओवर में 122 रन पर समेट दिया. भारतीय टीम के लिए पदार्पण कर रही शोभना आशा ने चार विकेट चटकाये. दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी सुने लूस ने 33 और मरीजान काप ने 24 रन का योगदान दिया. दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी टूटने के बाद भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से हावी हो गये.

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 99 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन मंधाना ने 127 गेंद में 117 रन की पारी खेल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाने के अलावा दीप्ति शर्मा (37) के साथ छठे विकेट के लिए 92 गेंद में 81 रन और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 31) के साथ सातवें विकेट के लिए 54 गेंद में 58 रन की अर्धशतकीय साझेदारियों से टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला. दीप्ति ने 48 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये. पूजा ने भी 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके जड़े. बल्ले से प्रभाव छोड़ने के बाद दोनों ने गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन करते किया. दीप्ति ने दो तो वही पूजा ने एक विकेट हासिल की.दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंग खाका ने 47 रन देकर तीन जबकि मसाबाटा क्लास ने 51 रन देकर दो विकेट चटकाये. अनरी डर्कसन, नोनकुलुलेको म्लाबा और नोंडुमिसो शंघासे को एक-एक सफलता मिली. लक्ष्य का बचाव करते हुए रेणुका सिंह (30 रन पर एक विकेट) ने पहले ओवर में ही कप्तान लॉरा वुलफार्ट (चार) को बोल्ड कर भारत को शानदार शुरुआत दिलायी. पूजा ने अन्नेका बोश (पांच) को पगबाधा किया तो वहीं दीप्ति ने 10वें ओवर में तेजमिन ब्रिट्स (18) को चलता कर द अफ्रीका को तीसरा झटका दिया. आशा ने काप को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा. दीप्ति ने लूस को पगबाधा कर दक्षिण अफ्रीका की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया.विकेटकीपर बल्लेबाज सिनालो जाफ्ता (नाबाद 27) ने हरमनप्रीत और राधा के खिलाफ चौके लगाये लेकिन आशा ने दूसरे छोर से आखिरी तीनों विकेट चटकाकर भारत की जीत पक्की कर दी.

रोमांचक मैच अल्बानिया ने सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बनाया

यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में इटली की जीत

एजेंसी। डॉर्टमंड (जर्मनी)

अल्बानिया के नेदिम बजरामी ने खेल शुरू होने के बाद 23वें सेकंड में गोल करके यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड बनाया लेकिन यह मौजूदा चैंपियन इटली पर जीत दर्ज करने के लिए पर्याप्त नहीं था जिसने 2-1 से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. बजरामी ने यूरोपीय चैंपियनशिप के 64 साल के इतिहास में सबसे तेज गोल किया लेकिन अल्बानिया इसके बाद इटली पर दबाव नहीं बना पाया जिसने जल्द ही वापसी करके मैच पर अपना नियंत्रण बना दिया और उलटफेर की

किसी संभावना को खारिज कर दिया. अल्बानिया के समर्थक अभी अपनी टीम की शुरुआती बढ़त का जश्न मना ही रहे थे कि एलेसेंड्रो बस्तोनी ने इटली की तरफ से बराबरी का गोल दाग दिया. बस्तोनी ने 11वें मिनट में लोरेंजो पेलेग्रिनी के क्रॉस पर हेडर से गोल किया, जबकि निकोलो बरेला ने 16वें मिनट में गोल करके इटली को बढ़त दिला दी, जो उसने आखिर तक बरकरार रखी. इटली के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी क्योंकि ग्रुप बी

में उसका सामना आगे तीन बार के चैंपियन स्पेन और 2022 में विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले क्रोएशिया से होगा. स्पेन ने एक अन्य मैच में शनिवार को क्रोएशिया को 3-0 से हराया. बजरामी के गोल ने हालांकि इटली को हैरत में डाल दिया. यूरोपीय चैंपियनशिप में इससे पहले सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड रूस के दिमित्री किरिचेंको के नाम पर था जिन्होंने 2004 में 67 सेकंड में गोल किया था.

ब्रीफ खबरें

कंटेनर से भारी मात्रा में बरामद की शराब

बांका। जिले के पंजवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजवारा- धौरैया सड़क मार्ग पर किशनकोल मोड़ के समीप सामने आया है. जहां शनिवार की मध्य रात्रि के बाद वाहन चेकिंग के दौरान दूध की कंटेनर से साढ़े 34 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया. इस मौके पर पुलिस ने मुंगेर निवासी बाइक सवार युवक को गिरफ्तार करते हुए बाइक को जब्त कर लिया. धौरैया पंजवारा सड़क मार्ग पर किशनकोल मोड़ के समीप थानाध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में वाहन चेकिग अभियान चलाया जा रहा था.

टेक्सटाइल हब बनेगा बेगूसराय: गिरिराज

बेगूसराय। बिहार का बेगूसराय जल्द टेक्सटाइल हब बनेगा और जल्द ही निफ्ट भी खुलेगा. ये बात केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कही. आज उन्होने तमाम योजनओं को लेकर अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया. केन्द्रीय कपड़ा मंत्री सह बेगूसगू राय के सांसद गिरिराज सिंह ने रविवार को आईजीसी (औद्योगिक विकास केन्द्र, बेगूसराय) में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी स्थापित करने को लेकर क्षेत्र का मुआयना किया. आईजीसी में सात एकड़ में पांच फेज में बन रहे प्लग एंड प्ले सेंटर में कपड़ा उद्योग स्थापित करने को लेकर अधिकारियों के साथ विचार विमर्श भी किया.

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

दरभंगा। सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई. घटना सदर थाना क्षेत्र के खुटवारा मोड़ के पास हुई. मृतकों की पहचान सदर थाना क्षेत्र की खरुआ पंचायत के इस्लामपुर निवासी मो. लाडले एवं अफजल के रूप में हुई है. दोनों ही शनिवार की देर रात बाइक से घर लौट रहे थे. इसी दौरान खुटवारा मोड़ के पास एक हाइवा की चपेट में आग गए. जहां हाइवा ने बाइक सवार दोनों युवकों को रौंद दिया. सूचना मिलने पर सदर थाने की गश्ती टीम पहुंची और घायल युवकों को डीएमसीएच पहुंचायी. इसमें एक युवक की मौत रास्ते मे ही हो गयी जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

लोकसभा अध्यक्ष का पद सदन का सबसे गरिमामय पद

एनडीए को कमजोर करने की कोशिश नहीं करेंगे: त्यागी

एजेंसी। पटना

केंद्रीय कैबिनेट के गठन के बाद अब लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना है. इसको लेकर खूब राजनीति हो रही है. वहीं, इस मुद्दे पर जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने रविवार को बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद सदन का सबसे गरिमामय पद होता है. उस सीट पर सत्ताधारी पार्टी का पहला अधिकार होता है. 'इंडिया' गठबंधन की मांगें और बयान आपत्तिजनक हैं. उस पद पर पहला अधिकार बीजेपी या एनडीए का है.

हमारा मानना है कि बीजेपी एनडीए की बड़ी पार्टी है. विपक्ष ने बीजेपी पर पार्टी तोड़ने का आरोप लगाया है. इस पर उन्होंने कहा कि मैं पिछले 35 सालों से एनडीए में हूं. बीजेपी ने कभी किसी पार्टी को तोड़ने की कोशिश नहीं की. सरकार में टीडीपी और जेडीयू ने अहम भूमिका निभाई है. हम एनडीए को कभी कमजोर करने की कोशिश नहीं करेंगे.

बता दें कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक बयान पर सियासत गरमा गई है. इसको लेकर खूब बयानबाजी हो रही है. उन्होंने लोकसभा स्पीकर पद को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि लोकसभा स्पीकर का पद जेडीयू या टीडीपी के पास होना चाहिए. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गोवा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं राजस्थान में बीजेपी ने षड़यंत्र कर सरकार गिराई थी. इसे जेडीयू और टीडीपी को नहीं भूलना चाहिए. अब अगर बीजेपी लोकसभा स्पीकर का पद अपने पास रखती है तो टीडीपी और जेडीयू को अपने सांसदों की हॉर्स ट्रेडिंग होते देखने के लिए तैयार रहना चाहिए.

पूर्व सांसद आरके सिंह की पहल पर शुरू हुआ मिलेट्स महोत्सव

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा- श्री अन्न रखेगा निरोग

एजेंसी। पटना

बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने रविवार को कहा कि अन्न ही औषधि है. निरोग रहने के लिए श्री अन्न (मिलेट) को अपनाना होगा. आर्लेकर रवीन्द्र भवन में 3 दिवसीय मिलेट्स महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को मिलेट की महत्ता बताई. उन्होंने कहा कि परम्परा समृद्ध रही है. हजारों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज मिलेट्स खा - खाकर निरोग रहा करते थे और लंबी आयु व्यतीत किया करते थे. आज हम अपनी परम्परा को भूल गए हैं और

बीमार रहने लगे हैं. बिहार में कृषि उत्पादकता की अपार संभावना है. उम्मीद की जानी चाहिए कि इस तीन दिवसीय मिलेट्स महोत्सव से हम बहुत कुछ सीखकर लाभान्वित होंगे. उन्होंने आयोजन के लिए पूर्व सांसद आर के सिन्हा को धन्यवाद ज्ञापित किया.महोत्सव में कृषि विभाग के सचिव डॉ संजय अग्रवाल, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार, ए सी एफ एल के निदेशक ए पी वर्मा, आद्या ऑर्गेनिक की निदेशक रत्ना सिन्हा समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे. मंच संचालन अवसर ट्रस्ट के सीईओ अनुरंजन श्रीवास्तव ने किया. अवसर ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित इस महोत्सव को बिहार सरकार के कृषि विभाग, एस आई एस ग्रुप, ए सी एफ एल माइक्रो फाइनेंस, आद्या ऑर्गेनिक, इंडियन पब्लिक स्कूल, देहरादून और संगत - पंगत ने भरपूर सहयोग दिया. यह महोत्सव तीन दिन चलेगा.

मृतकों में एनएचएआई के पूर्व क्षेत्रीय अधिकारी भी शामिल

गंगा नदी में नाव पलटने से 5 लोग डूबे

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना में बाढ़ के उमाशंकर घाट पर रविवार की सुबह पांच लोग गंगा में डूब गए. सभी नालंदा से शव का अंतिम संस्कार करने आए थे. अंतिम संस्कार के बाद स्नान के लिए नाव से गंगा के दूसरेछोर पर जानेके दौरान यह हादसा हुआ. डूबने वालों में एनएचएआई के पूर्व क्षेत्रीय अधिकारी अवधेश कुमार और उनके पुत्र समेत पांच लोग शामिल बताए जा रहे हैं. एनडीआरएफ की टीम डूबे लोगों की तलाश कर रही है. पटना के डीएम शीर्षत कपिल अशोक भी मौके पर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली.बताया जाता है कि नाव हादसे में डूबने वालों मेंअवधेश कुमार (60 वर्ष), उनके पुत्र नीतीश कुमार (30 वर्ष), हरदेव प्रसाद (65 वर्ष) और एक महिला समेत कुल पांच लोग शामिल है. हालांकि आधिकारित तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है.

हादसे की खबर मिलने के बाद बाढ़ एसडीएम, एएसपी, थाना प्रभारी भी वहां पहुंचे और एसडीआरपीएफ की टीम को बुलाया गया. अभी तक डूबे हुए लोगों का कोई अता-पता नहीं चला है.अवधेश कुमार एनएचएआई के क्षेत्रीय पदाधिकारी के पद से इसी वर्ष फरवरी में सेवानिवृत हुए हैं. नालंदा

दो दर्जन सवार लोगों की नाव नदी में पलटी, कई लोग लापता

नालंदा। जिले के अस्थवां थाना इलाके के मालती गांव से रविवार को लगभग दो दर्जन लोग गंगा स्नान करने के लिए बाढ़ के उमानाथ गए थे. गंगा स्नान करने के लिए लोग नाव का सहारा लिए थे, लेकिन नाव बीच रास्ते में ही पलट गई. इस दौरान दो दर्जन से अधिक लोग गंगा नदी में डूब गए. कई लोगों ने बचा लिया गया है. इस घटना के बाद से गांव में मातम छा गया. वहीं, इस घटना में चार से पांच लोग अभी भी लापता हैं. जिनकी खोज जारी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि इस घटना में कई लोगों की मौत हुई है, लेकिन शव की तलाश जारी है. वहीं, घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गांव के अवधेश प्रसाद की मां का निधन हो गया था. श्रद्धाकर्म खत्म होने के बाद यह सभी लोग आज गंगा स्नान करने के लिए उमानाथ घाट गए थे. नाव पलटने की सूचना मिलने के बाद गांव से सैकड़ों लोग बाढ़ के लिए रवाना हो गए हैं. गंगा स्नान करने के लिए एक ही परिवार के लोग और पड़ोसी भी साथ में गए थे.

के अस्थावां स्थित मालती गांव के रहने वाले अवधेश कुमार की मां का निधन हो गया था. उनके अंतिम संस्कार में गांव के कई लोग बाढ़ आए थे. अंतिम संस्कार पूरा होनेके बाद स्नान के लिए 17 लोग एक नाव पर सवार होकर गंगा के दूसरी छोर पर जा रहेथे. इस दौरान नाव पलट गई. इनमें 12 लोगों को बचा लिया गया.

गंगा में नहाने गए आरा के चार लोग लापता

आरा। गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में नहाने के दौरान चार लोग लापता हो गए. मौके पर एसडीआरएफ की टीम रवाना हो गई है. भोजपुर के डीएम राजकुमार ने इस घटना की पुष्टि है. कई अन्य पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं. मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है. घटना बहोरनपुर थाना के शिवपुर गंगा घाट की है.

वहीं पांच व्यक्ति गंगा में डूब गए. डूबनेवालों के संबंध मेंअभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है.

भतीजे ने भाला घोंपकर चाचा की हत्या कर दी

बक्सर। रिश्ते में भतीजे ने अपने चाचा के सीने में शनिवार की देर रात भाला घोंपकर हत्या कर दी. मिली जानकारी के अनुसार मुरार थाना क्षेत्र के वैसे गांव में ललन यादव जिनकी उम्र लगभग 58 वर्ष है. वो अपने घर पर अकेले मौजूद थे. इस दौरान उनका 30 वर्षीय भतीजा लाल बाबू यादव किसी बात को लेकर उनसे झगड़ा करने लगा और अपने ही चाचा की भाला से बार-बार वार कर हत्या कर दी. ग्रामीणों ने बताया कि लाल बाबू यादव शराब के नशे में धुत था. वहीं, पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है. इस घटना को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे ललन यादव के पुत्र रमेश कुमार यादव ने बताया कि हम लोग दो भाई हैं.

नवादा में एएसआई को ट्रैक्टर से रौंद डाला, हालत चिंताजनक

एजेंसी। नवादा

जिले में बालू माफिया ने रविवार को पुलिस की टीम पर हमला बोला है. बालू माफिया ट्रैक्टर से रौंदते हुए फरार हो गए. इस घटना में सिरदला थाना के एएसआई संजीत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं. चिंताजनक हालत में उन्हें पावापुरी की मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया है.

बता दें कि पूरा मामला सिरदला थाना क्षेत्र के लौंद गांव के पास का है. जहां बैखौफ बालू माफिया ने पुलिस की टीम को निशाना बनाया है. एएसआई को रौंदते हुए बालू से लदे ट्रैक्टर लेकर घटनास्थल से फरार हो गए. घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और ट्रैक्टर की पहचान कर ली है. बालू माफिया के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है. बताया जाता है कि रविवार की सुबह में पुलिस को सूचना मिली थी कि अवैध रूप से बालू का उठाव कर कुछ ट्रैक्टर लेकर जा रहे हैं. इस सूचना के आधार पर पुलिस छापेमारी करने के लिए एक टीम बनाकर निकाली. इस क्रम में पुलिस ने ट्रैक्टर को देखा तो उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन बालू माफिया ने पुलिस टीम को निशाना बना लिया और सीधा पुलिस टीम पर ही ट्रैक्टर को चढ़ा दिया.

तेजस्वी के बयान पर जीतनराम मांझी का पलटवार

'हमलोग यादव जाति नहीं जानते'

एजेंसी। गया

बिहार में अक्सर जाति वाली राजनीति की जाती है. लोकसभा चुनाव के बाद अब एक बार फिर यादव वाली राजनीति रंग ले रही है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आरोप के बाद अब जदयू और हम पार्टी लगातार पलटवार कर रही है. इस मामले में अब केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी का बयान सामने आया है. मांझी ने तेजस्वी यादव को लालू यादव के शासन की याद दिलाते हुए

जोरदार हमला बोला है.दरअसल, तेजस्वी ने कहा था कि छपरा में यादव समाज के लोगों को गोली मारी जा रही है. यादव समाज के लोगों पर दिए गए इस बयान के बाद सियासी भूचाल आ गया है. अब इस बयान पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पलटवार किया है. उन्होंने अपने बयान में आरजेडी और महागठबंधन की जीत पर भी सवाल उठा दिए.जीतन राम मांझी ने कहा है कि बाय मिस्टेक उन लोगों को कुछ बल मिल गया है. गलत और भ्रामक प्रचार करके उनलोगों ने कुछ सीटें जीत लीं. यहां की कुछ जनता भ्रम में आ गई, नहीं तो वे लोग 50 से नीचे आ जाते. ये लोग बाय चांस आ गए हैं. मांझी ने कहा कि आगे देखिएगा उन लोगों का कोई स्थान नहीं रहेगा.

कारोबार

90 रुपये प्रति किलोग्राम की निश्चित दर मांगी

नयी दिल्ली। भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) ने सरकार से तेल और गैस विपणन कंपनियों द्वारा बायोगैस खरीदने के लिए 90 रुपये प्रति किलोग्राम की निश्चित दर मांगी है. आईबीए ने पर्यावरणीय लाभ का हवाला देते हुए और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उक्त मांग की है. संघ जल्द ही इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अन्य सिफारिशों के साथ ही बायोगैस की खरीद मूल्य तय करने के सुझाव को नवनियुक्त केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी के समक्ष रखेगा.

एफपीआई ने बाजार में 11,730 करोड़ रुपये डाले

नयी दिल्ली। घरेलू और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 14 जून को समाप्त सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 11,730 करोड़ रुपये (1.4 अरब अमेरिकी डॉलर) का शुद्ध निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. इससे पिछले यानी तीन से सात जून के सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 14,794 करोड़ रुपये निकाले थे. इस महीने अबतक एफपीआई की शेयरों से शुद्ध निकासी 3,064 करोड़ रुपये रही है.

कोयला आयात 13 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर

नयी दिल्ली। देश का कोयला आयात अप्रैल, 2024 में 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2.61 करोड़ टन पर पहुंच गया है. खरीदारों द्वारा नए सौदे करने से कोयला आयात बढ़ा है. बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. एक साल पहले समान महीने में कोयला आयात 2.30 करोड़ टन रहा था. कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए. अप्रैल में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से भारत का कोयला और कोक आयात एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 13.2 प्रतिशत बढ़ा है.

गुजरात में हरित हाइड्रोजन संयंत्र में किया जाएगा निवेश

एस्सार समूह 30,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा

भाषा। नयी दिल्ली

एस्सार समूह गुजरात के जामनगर में हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करने के लिए अगले चार साल में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है. धातु से लेकर बुनियादी ढांचे तक, विविध क्षेत्रों में काम करने वाला यह समूह अपनी वृद्धि के लिए स्वच्छ ऊर्जा को एक प्रमुख स्तंभ के रूप में देख रहा है. समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने वाली एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा कि समूह ब्रिटेन में अपनी तेल रिफाइनरी में कार्बन उत्सर्जन कम करने, सऊदी अरब में एलएनजी और इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर विचार कर रहा है. समूह मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी, सौर पैनल और विंड-टर्बाइन मैग्नेट में उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों के खनन कारोबार में प्रवेश करने पर भी विचार कर रहा है.

उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि एस्सार फ्यूचर एनर्जी ने अगले चार वर्षों में जामनगर में एक गीगावाट हाइड्रोजन क्षमता के साथ ही 10 लाख टन प्रति वर्ष की संबद्ध हरित मॉलेक्यूल्स क्षमता

खास बातें

- बड़े पैमाने पर जैव ईंधन का निर्यात किया जा सके
- हाइड्रोजन दुनिया में ऊर्जा का सबसे स्वच्छ स्रोत

विकसित करने की योजना बनाई है. रुइया ने कहा, हम जामनगर में हरित हाइड्रोजन परियोजना में लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहे हैं. एस्सार अपनी सहयोगी कंपनी एस्सार रिन्यूएबल्स के जरिये 4.5 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग पानी के अणुओं को विभाजित करने के लिए करेगा, जिससे हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का उत्पादन किया जाएगा. हाइड्रोजन दुनिया में ऊर्जा का सबसे स्वच्छ स्रोत है, जिसका उपयोग वाहन चलाने, बिजली पैदा करने, उद्योगों को बिजली देने और घरों को गर्म रखने के लिए किया जा सकता है.

उन्होंने कहा, विचार यह है कि हरित अमोनिया के बजाय ऐसे ग्रीन मॉलेक्यूल्स बनाए जाएं, जिन्हें सीधे ले जाया जा सके. ग्रीन अमोनिया को ले जाकर उसे हाइड्रोजन में बदला जाता है. इसकी लागत बहुत अधिक है. इसलिए हम एक ऐसा परिसर बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो हाइड्रोजन से ग्रीन मॉलेक्यूल्स बना सके और बड़े पैमाने पर जैव ईंधन का निर्यात किया जा सके.

समूह कुछ बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों को बेचने के बाद 2022 में कर्ज मुक्त हो गया था. उसने अब नवीकरणीय ऊर्जा मंच बनाने के साथ ही कोयले से बिजली पैदा करने की अपनी क्षमता बढ़ाने का फैसला भी किया है. रुइया ने कहा, अगले 3-5 वर्षों में लगभग 10,000 मेगावाट तक बढ़ने का विचार है.

उन्होंने कहा कि हरित परिवहन समाधान के क्षेत्र में, एस्सार लंबी दूरी के भारी ट्रक को कार्बन उत्सर्जन मुक्त करने के लिए एलएनजी और इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है. समूह के पास 450 से 500 एलएनजी संचालित ट्रकों का बेड़ा है, जिनका उपयोग विभिन्न लॉजिस्टिक जरूरतों के लिए किया जाता है. ट्रक सड़क पर सबसे अधिक प्रदूषण करते हैं. इनसे प्रति ट्रक लगभग 110 टन कार्बन डाइऑक्साइड पैदा होता है. देश में 40 लाख ट्रक हैं और निकट भविष्य में यह संख्या दोगुनी होने वाली है. ट्रकों में डीजल की जगह एलएनजी का इस्तेमाल करने से कार्बन उत्सर्जन में 30-35 प्रतिशत की कमी आती है. उन्होंने बताया इसके अलावा समूह इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा दे रहा है. इस तरह कार्बन उत्सर्जन में लगभग 60-70 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है. इसके अलावा, समूह पश्चिम बंगाल में एक ब्लॉक से कोयला सीम से गैस का उत्पादन कर रहा है.

आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त होगी

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है. उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है. शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा.

नयी दिल्ली में रविवार को राष्ट्रपति मुर्मू से मिलतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण.

पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 85,582 करोड़ बढ़ा

भाषा। नयी दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 85,582.21 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ. शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक लाभ में रही. बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 299.41 अंक या 0.39 प्रतिशत के लाभ में रहा. 13 जून को सेंसेक्स 77,145.46 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा. समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 84,704.81 करोड़ रुपये का नुकसान रहा. सप्ताह के दौरान एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 46,425.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,877.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही. एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,639.61 करोड़ रुपये बढ़कर 12,14,965.13 करोड़ रुपये हो गया. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 10,216.41 करोड़ रुपये जोड़े और उसका मूल्यांकन 19,98,957.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 9,192.35 करोड़ रुपये बढ़कर 7,49,845.89 करोड़ रुपये हो गई.

सीआईआई सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति हो

बजट में निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत जरूरी : सीआईआई

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि 2024-25 के आगामी पूर्ण बजट में मुद्रास्फीति के उच्चस्तर को देखते हुए सबसे निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत पर विचार करने की आवश्यकता है. पुरी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में भूमि, श्रम, बिजली और कृषि से संबंधित सभी सुधारों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति बनाने को एक संस्थागत मंच बनाने का भी सुझाव दिया. उद्योग मंडल ने कहा कि उसे नहीं लगता कि गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक बनेंगी. इसके बजाय उसका मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन और पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी.

वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट से उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा, मोटे तौर पर, मैं इस समय कहूंगा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय, राजकोषीय प्रगति पथ का पालन, सामाजिक बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए रूपरेखा, हरित कोष और ग्रामीण क्षेत्र में अधिक निवेश...ये व्यापक सिद्धान्त हैं. खाद्य पदार्थों, विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक मुद्रास्फीति लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 प्रतिशत हो गई है. थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने 1.26 प्रतिशत पर थी. मई, 2023 में शून्य से नीचे 3.61 प्रतिशत थी. पुरी ने कहा कि सीआईआई का अनुमान है कि मॉनसून अच्छा रहने की वजह से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इस साल 4.5 प्रतिशत के आसपास रहेगी. कर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारा सुझाव है कि इस मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए. उन्होंने कहा कि पूंजीगत लाभ को लेकर कुछ सुझाव हैं. यह विभिन्न माध्यमों पर अलग-अलग है.

वैश्विक कंपनी से हाथ मिला सकता है महिंद्रा समूह : शाह

नयी दिल्ली। महिंद्रा समूह स्थानीय स्तर पर बैटरी सेल के उत्पादन के लिए वैश्विक कंपनियों के साथ भागीदारी की संभावना तलाश रहा है. भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बढ़ती मांग को पूरा करने को समूह ऐसा कर सकता है. महिंद्रा समूह के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनीश शाह ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में यह जानकारी दी. शाह ने कहा कि कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक वाहन इकाई महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड (एमईएएल) की संभावित सूचीबद्धता के लिए 2030 की समयसीमा पर विचार कर रही है. उन्होंने कहा, एक क्षेत्र जिसपर हम अधिक बारीकी से गौर कर रहे हैं वह सेल विनिर्माण है और यह एक ऐसी चीज है जहां विभिन्न विचार हैं... अगर हमें लगता है कि यह हमारे लिए जरूरी है, तो हम सेल विनिर्माण के लिए साझेदारी पर विचार करेंगे. उन्होंने कहा, हम एक वैश्विक प्रौद्योगिकी भागीदार और संभावित रूप से निजी इक्विटी भागीदारों पर भी गौर करेंगे क्योंकि हम पूरी पूंजी नहीं लगाएंगे.

केंद्र ने तेलंगाना सरकार से 30 जून तक नीलामी करने को कहा

कम से कम छह खनिज ब्लॉक की नीलामी का निर्देश

भाषा। नयी दिल्ली

खान मंत्रालय ने तेलंगाना सरकार द्वारा पिछले नौ साल में एक भी खनिज ब्लॉक की नीलामी नहीं कर पाने को लेकर चिंता जताई है. मंत्रालय ने राज्य सरकार को इस महीने के अंत तक कम से कम छह खानों की बिक्री करने को कहा है. सूत्रों के अनुसार, नीलामी के लिए 11 ब्लॉक की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तेलंगाना सरकार को सौंप दी गई है. इनमें पांच लौह अयस्क खदानें, पांच चूना पत्थर ब्लॉक और एक मैंगनीज ब्लॉक शामिल हैं. आज तक तेलंगाना द्वारा एक भी ब्लॉक नीलामी के लिए नहीं रखा गया है, जबकि खान मंत्रालय ने राज्य सरकार को बार-बार इसके लिए पत्र भेजे हैं. नीलामी के माध्यम से खनिज ब्लॉकों के आवंटन की प्रक्रिया 2015 में शुरू हुई थी. सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना सरकार को हाल ही में लिखे पत्र में खान मंत्रालय ने राज्य से 30 जून तक नीलामी के लिए 11 में से कम से कम छह ब्लॉकों को अधिसूचित करने को कहा है. मंत्रालय ने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर केंद्र को नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा. वर्ष 2021 में खनन नियमों में किए गए संशोधन के अनुसार, यदि कोई राज्य सरकार आपसी सहमति से तय अवधि के भीतर खदानों की नीलामी करने में विफल रहती है, तो केंद्र के पास खनिज ब्लॉक को बिक्री के लिए रखने का अधिकार है.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में चार लोगों की हुई मौत

गाजियाबाद (उप्र)। गाजियाबाद जिले के मुरादनगर थाना क्षेत्र में रविवार को एक ट्रक की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गयी और 18 अन्य घायल हो गये. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि रविवार सुबह एक वाहन सोनीपत से ईंट भट्टा मजदूरों को लेकर हरदोई की तरफ जा रहा था और जब यह वाहन मुरादनगर थाना इलाके के पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से होकर गुजर रहा था तो कुछ लोग लघुशंका के लिए उतरे.

ट्रेन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं सहित तीन की मौत हो गई. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. निम्बाहेड़ा कोतवाली थाना के प्रभारी रामसुमेर मीणा ने बताया कि घटना शनिवार रात की है, जब रेलवे स्टेशन के निकट हनुमानजी मंदिर के पास रेलवे पटरी पार करते समय एक दंपति, उनकी एक रिश्तेदार ट्रेन की चपेट में आ गये. थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है.

रूसी बलों ने हिरासत केंद्र पर धावा बोला

मॉस्को। रूस के सुरक्षाबलों ने दक्षिणी रूस में स्थित एक हिरासत केंद्र पर धावा बोला, जिसमें कर्मचारियों को बंधक बनाने वाले कैदी मारे गए. रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'रिया नोवोस्ती' ने रविवार को यह जानकारी दी. समाचार एजेंसी ने रूस की संघीय दंड सेवा के हवाले से बताया कि 'रोस्तोव-ऑन-डॉन' में हिरासत केन्द्र में बंधकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. खबर में कहा गया कि बंधक बनाने वालों को खत्म कर दिया गया, वहीं एक अन्य स्थानीय समाचार संगठन ने कहा कि कुछ कैदी मारे गए हैं.

कोटा में युवक ने फंदा लगाकर जान दी

जयपुर। राजस्थान के कोटा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे 17 वर्षीय युवक ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि बिहार के मोतिहारी का निवासी आयुष जायसवाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए महावीर नगर क्षेत्र के सम्राट चौक के पास एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रह रहा था. उसने बताया कि शनिवार रात तक जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो उसके दोस्तों ने 'पेइंग गेस्ट हाउस' के मालिक को इसकी सूचना दी जिसने पुलिस को इस बारे में बताया.

दो करोड़ के कच्चे हीरे के साथ पकड़ाया

सूरत। दुबई जाने वाले एक भारतीय यात्री को सूरत हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत के कच्चे हीरे छिपाने के आरोप में पकड़ा है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी.
सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे जब संजयभाई मोराडिया नामक यात्री इंडिगो एयरलाइंस की अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़ने से पहले सुरक्षा जांच से गुजर रहा था उसे उस दौरान ही रोक लिया गया.

गंगा दशहरा के मौके पर श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर की पूजा-अर्चना

हरिद्वार

वाराणसी

गंगा दशहरा के मौके पर देशभर में श्रद्धालुओं ने नदियों में पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की. हरिद्वार और वाराणसी में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान करने के साथही पूजा-अचर्चना की.

मोदी सरकार आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध: शाह

गृह मंत्री का जम्मू में भी जीरो टेरर प्लान लागू करने का निर्देश

भाषा। नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को सफलता हासिल करने के लिए कश्मीर की तर्ज पर जम्मू संभाग में भी क्षेत्र प्रभुत्व और आतंकवाद की गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाने की नीति (जीरो टेरर प्लान) को लागू करने का रविवार को निर्देश दिया. शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी नीत सरकार नए तरीकों से आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध है. सूत्रों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई गई एक उच्चस्तरीय बैठक में गृह मंत्री ने अधिकारियों से ये बातें कहीं.

अमित शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की. सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और आने वाले दिनों में सुरक्षाबल वहां आतंकवाद रोधी अभियान तेज कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार चलाया जाएगा. शाह ने यहां नॉर्थ ब्लॉक में उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी मुद्दे पर एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया था.
बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, अगले सेना प्रमुख के तौर पर नामित लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, गुप्तचर ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह, बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल, जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आर आर स्वैन और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए.

जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा हालात की समीक्षा करते गृह मंत्री अमित शाह.

आतंकी हमलों से निबटने को लेकर हुई बैठक

सूत्रों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को हुई एक बैठक में शाह को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों की तैनाती, घुसपैठ की कोशिशों, आतंकवाद रोधी अभियानों की स्थिति और केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी गई थी. आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए, जिनमें नौ तीर्थयात्रियों और सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई तथा सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए. कठुआ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ. आतंकवादियों ने नौ जून को तीर्थयात्रियों की एक बस पर उस समय गोलीबारी की, जब यह शिवखोड़ी मंदिर से कटरा की ओर जा रही थी. इस बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के श्रद्धालु सवार थे. गोलीबारी के बाद बस गहरी खाई में गिर गई थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 अन्य घायल हो गए थे. आतंकवादियों ने 11 जून को भद्रवाह में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की थी.

हादसे में संत बब्बा गुरु समेत दो लोगों की मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर इलाके में एक कार की दूसरे वाहन से टक्कर हो जाने के कारण कार में सवार संत बब्बा गुरु समेत दो लोगों की मौत हो गयी. पुलिस के अनुसार शनिवार की रात श्री पंचनाम जूना अखाड़ा के महंत मनोज भारती उर्फ बब्बा गुरु अपनी आल्टो कार से आ रहे थे, तभी राजेपुर के ग्राम गांधी के निकट सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक पिकअप वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गये और पिकअप वाहन टक्कर लगने के बाद मौके पर ही पलट गया.

ट्रैक्टर और कार में टक्कर, तीन की मौत

एटा (उप्र)। एटा जिले के रिजोर थाना क्षेत्र में गंगा दशहरा के मौके पर सोरो घाट से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार की एक ट्रैक्टर से भीषण टक्कर हो गयी. इसमें दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गयी तथा दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है.

कारखाना में लगी आग

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुंडका इलाके में रविवार को एक कारखाने में आग लग गई. अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कारखाने में लगी इस आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, हमें सुबह 7.17 बजे एक कार शोरूम के नजदीक खंभा संख्या 557 के पास एक कारखाने में आग लगने की सूचना मिली.

टीडीपी स्पीकर पद का चुनाव लड़ेगी तो समर्थन जुटाएंगे : संजय राउत

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार खड़ा करती है तो विपक्षी गठबंधन इंडिया के सभी सहयोगी उसके लिए समर्थन सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे. राउत आज रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव महत्वपूर्ण होगा. शंका जताई कि अगर भाजपा को यह पद मिलता है तो वह सरकार का समर्थन करने वाले दलों तेदेपा, जनता दल यूनाइटेड तथा चिराग पासवान और जयंत चौधरी के राजनीतिक संगठनों को तोड़ देगी. उन्होंने दावा किया, हमें अनुभव है कि भाजपा उन लोगों को धोखा देती है जो उसका समर्थन करते हैं. राउत ने कहा, मैंने सुना है कि तेदेपा अपना उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है. अगर ऐसा होता है, तो इंडिया गठबंधन के सहयोगी इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि विपक्षी गठबंधन के सभी सहयोगी तेदेपा को समर्थन दें. राज्यसभा सदस्य ने कहा कि नियम के मुताबिक विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद मिलना चाहिए.

संजय ने दावा किया कि राजग सरकार स्थिर नहीं है

संजय राउत ने दावा किया कि राजग सरकार स्थिर नहीं है. लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ नेताओं द्वारा भाजपा के बारे में दिये गये हालिया बयानों के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि अगर आरएसएस अतीत की गलतियों को सुधारना चाहता है तो यह अच्छा है. उन्होंने कहा, हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं.

अमेरिका : पार्क में गोलीबारी में दो बच्चे समेत नौ घायल

रोचेस्टर हिल्स। अमेरिका में मिशिगन के डेट्रॉयट शहर में शनिवार को एक पार्क में गोलीबारी की घटना में दो बच्चों और उनकी मां समेत नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से एक बच्चे की हालत काफी गंभीर बताई जाती है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. घटना को अंजाम देने के बाद संदिग्ध एक घर में छिप गया जिसके बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने घर को घेर लिया. अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध ने आत्महत्या कर ली. ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइक बाउचर्ड ने संवाददाता सम्मेलन में शनिवार रात बताया कि सिर में गोली लगने से आठ वर्षीय एक बच्चे की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि बच्चे की मां की हालत भी गंभीर है और बच्चे का चार वर्षीय भाई भी घायल हुआ है.

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : योगी आदित्यनाथ

भाषा। गोरखपुर (उप्र)

लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के कारण मार्च से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम को रविवार को गोरखपुर में आयोजित हुआ, जिसमें उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए. रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी. इसके पहले लखनऊ के सरकारी आवास में मुख्यमंत्री ने जनता की समस्याएं सुनी थीं.

गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले नौ मार्च को हुआ था. बयान के अनुसार रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोग थे जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे. मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है और हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी.

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के अनुमानित चिकित्सीय खर्च की रिपोर्ट तैयार कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए और जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं. गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए. मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया.

योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम.

ईडी की बड़ी कार्रवाई

सहारनपुर में मो इकबाल की 4440 करोड़ की ग्लोकल यूनिवर्सिटी जब्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है. प्रवर्तन निदेशालय ने मिर्जापुर थाना क्षेत्र स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई की है. यह यूनिवर्सिटी 121 एकड़ में है, इसके जमीन और भवन की कीमत 4440 करोड़ रुपये बताई गयी है. यूनिवर्सिटी अब्दुल वाहिद एजुकेशनल व चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर है. खबरों के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध खनन केस के मामले में इसे कुर्क किया है. ईडी ने अपने ट्विटर हैंडल पर जो लिखा, उसके अनुसार यह ट्रस्ट पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल व उनके परिवार के द्वारा कंट्रोल व मैनेज किया जाता है. जानकारी के अनुसार पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल उर्फ हाजी इकबाल पर अवैध खनन का केस चल रहा हैं. इस मामले में मोहम्मद इकबाल फरार है. उसके बेटे जेल में हैं. वर्तमान में मोहम्मद इकबाल कहां है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है. कहा जा रहा है कि वह विदेश भाग गया है.

राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर प्रदर्शन करते भारतीय जनता पार्टी के नेता-कार्यकर्ता.

दिल्ली जल संकट को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़

राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया. आप पर तीखा हमला करते हुए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने थे तो दिल्ली जल बोर्ड करोड़ों रुपये के मुनाफे में था. उन्होंने कहा, केजरीवाल के पास एक वर्ष से ज्यादा समय तक दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष पद का प्रभार रहा. यह अजीब और आश्चर्यजनक है कि एक वर्ष से अधिक समय की ऑडिट रिपोर्ट गायब है और जल बोर्ड भारी कर्ज में डूबा है. सचदेवा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के सभी मंत्री पानी चोरी कर रहे हैं और दिल्ली में टैंकर माफिया चला रहे हैं. प्रदर्शन के दौरान इसमें शामिल महिलाओं ने दिल्ली जल बोर्ड के दफ्तर में तोड़फोड़ भी की. दफ्तर के शीशे तोड़ कर अपना विरोध जताया.

बदलाव स्कूलों में दंगों के बारे में पढ़ाने की जरूरत नहीं, बच्चे हिंसक हो सकते हैं : निदेशक

एनसीईआरटी बुक से हटा दंगों-बाबरी मस्जिद का जिक्र

एजेंसी। नयी दिल्ली

एनसीईआरटी की किताब से बाबरी मस्जिद से जुड़े जिक्र को हटा दिया गया है. पाठ्यपुस्तकों में बदलाव पर अब एनसीईआरटी प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है. एनसीईआरटी निदेशक दिनेश सकलानी ने रविवार को कहा कि विद्यालयों में इतिहास तथ्यों से अवगत कराने के लिए पढ़ाया जाता है, न कि इसे युद्ध का मैदान बनाने के लिए. पाठ्यपुस्तकों में संशोधन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, मैं प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करता हूं. न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में एनसीईआरटी निदेशक दिनेश सकलानी ने आरोपों पर कहा कि पाठ्यक्रम का भगवाकरण करने का कोई प्रयास नहीं, पाठ्यपुस्तकों में सभी परिवर्तन साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित है. एनसीईआरटी प्रमुख ने किताबों में गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद से संबंधित संदर्भों को हटाने पर कहा, हमें छात्रों को दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए, उद्देश्य हिंसक, अवसादग्रस्त नागरिक बनाना नहीं है. पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है.

हमें अच्छे नागरिक बनाने हैं, दंगाई नहीं

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में गुजरात दंगों या बाबरी मस्जिद गिराए जाने के संदर्भ में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सकलानी ने कहा, हमें स्कूली पाठ्यपुस्तकों में दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? हम सकारात्मक नागरिक बनाना चाहते हैं, न कि हिंसक और अवसादग्रस्त व्यक्ति. उन्होंने कहा, क्या हमें अपने छात्रों को इस तरह से पढ़ाना चाहिए कि वे आक्रामक हो जाएं, समाज में नफरत पैदा करें या नफरत का शिकार बनें? क्या यह शिक्षा का उद्देश्य है? क्या हमें ऐसे छोटे बच्चों को दंगों के बारे में पढ़ाना चाहिए... जब वे बड़े होंगे, तो वे इसके बारे में सीख सकते हैं, लेकिन स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में क्यों. बड़ा होने पर उन्हें यह समझने दें कि क्या हुआ और क्यों हुआ?

क्या है मामला?

बता दें कि कक्षा 12 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में बाबरी मस्जिद के जिक्र को हटा दिया गया है. बाबरी मस्जिद के बजाए उसे ''तीन गुंबद वाली संरचना'' के रूप में पेश किया गया है. इसके साथ ही नई किताब में सुप्रीम कोर्ट के अयोध्या फैसले का भी जिक्र किया गया है.

नीट विवाद पर बोले पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल

सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त टीम से हो धांधली की जांच

एजेंसी। नयी दिल्ली

मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर जारी विवाद के बीच पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने रविवार को अनियमितताओं के आरोपों की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अधिकारियों से कराने की मांग की और सरकार से आग्रह किया कि वह परीक्षा आयोजित करने के तौर तरीकों को लेकर सभी राज्यों के साथ गहन विचार-विमर्श करे. एक साक्षात्कार में राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने इस मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर किसी परीक्षा में परीक्षा तंत्र ही भ्रष्ट हो जाए तो प्रधानमंत्री के लिए चुप्पी साधना ठीक नहीं है. सिब्बल ने सभी राजनीतिक दलों से आगामी संसद सत्र में इस मामले को जोर-शोर से उठाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि इस पर चर्चा होने की उम्मीद कम है क्योंकि सरकार इस मामले के कोर्ट में विचाराधीन होने का हवाला देकर इसकी अनुमति नहीं देगी.

गुजरात की घटनाओं से हैरान हूं : उन्होंने कहा, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने वास्तव में धांधली की है और डॉक्टर बनने के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा के प्रश्नपत्रों को पहले ही मुहैया कराने के भ्रष्ट आचरण को मीडिया संस्थानों ने उजागर किया है. गुजरात की कुछ घटनाओं से मैं हैरान हूं और ये राष्ट्रीय के लिए चिंता का विषय हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)